सुविचार
पुस्तकें जागृत देवता हैं, उनकी सेवा कर के तत्काल वरदान पाया जा सकता है।
रामनरेश त्रिपाठी

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12
शादी की अफवाहों से परेशान श्रुति हासन

Ranchi • Saturday, 30 December 2023 • Year : 01 • Issue : 339 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : 3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सरकार की चौथी वर्षगांठ पर सीएम ने झारखंड को दी बड़ी सौगात, विपक्ष पर रहे हमलावार

60 नहीं 50 साल की उम्र से देंगे वृद्धा पेंशन : हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में हेमंत सरकार ने शुक्रवार को अपनी चौथी वर्षगांठ मनाई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंच से बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने मंच से कहा मैं घोषणा करना चाहता हूं कि हमारे राज्य में आदिवासी दलितों को 60 में नहीं अब 50 की उम्र से ही पेंशन दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा 60 साल की उम्र में इन्हें काम नहीं मिलता है। आदिम जनजाति के लोगों के संबंध में कई खबरें छपती है। उन्हें कैसे संरक्षित किया जाए सुरक्षित रखा जाए इसका प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्यक्रम में विरोधियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने इस मौके पर केंद्र सरकार से सहयोग ना मिलने का जिक्र किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्षियों पर निशाना साधते हुए कहा, गर्वनर के कान भरे जाते हैं। दूसरे राज्यों में गर्वनर को कोई दिक्कत नहीं है फिर हमारे यहां समस्या क्यों है। हेमंत सोरेन ने कहा, युवा राज्य को बीमारी राज्य बना दिया है। अपने संबोधन में हेंमत सोरेन ने अब तक किए अपने काम का जिक्र किया। उन्होंने गिनाया कि कैसे कोरोना संक्रमण और राज्य में सुखाड़ के दौरान भी सरकार गरीब, किसान और मजदूरों के लिए खड़ी रही। हेमंत सोरेन ने कहा हमने रोजगार दिया है। अभी 45 हजार नियुक्तियां होनी है। हमें वक्त कम मिला। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने करीब 3698.32 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। राज्य सरकार ने अपने चार साल के काम काज का लेखा जोखा पेश किया।

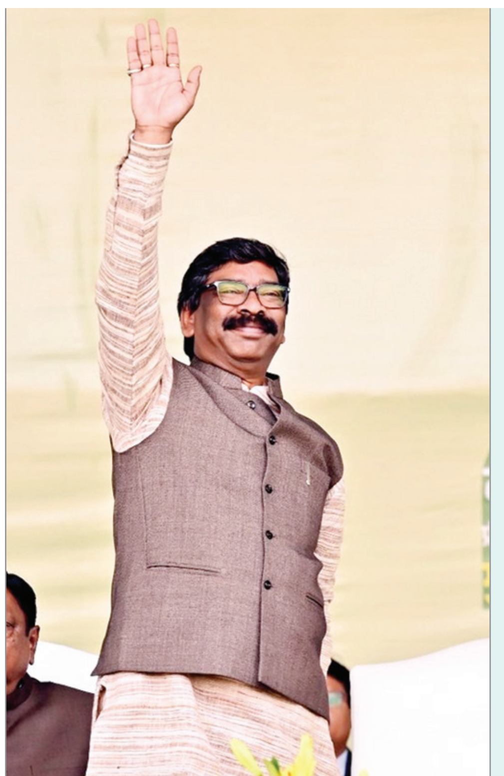

मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह में दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते शिबू सोरेन, हेमंत व अन्य।

झारखंड भीख में नहीं मिला, लड़ कर लिया

हेंमत ने कहा कि झारखंड वीरों का राज्य है। यह राज्य हमें लड़ कर मिला है, भीख में नहीं। अनेक लोगों की शहादत इस मिट्टी में हुई है। पूरे राज्य के कोने-कोने में आप उन अमर वीर शहीदों की वीरता की कहानी सुनेंगे जो राज्य के आदिवासी-मूलवासी के हक-अधिकार और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए लड़ते रहे। अंतोगत्वा आदरणीय दिशोम गुरुजी के नेतृत्व में साल 2000 में हमें यह राज्य मिला। मगर बड़े दुर्भाग्य की बात है कि उस नवजात राज्य को पूर्व की सरकारों ने आगे बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं किया। राज्य में सिंगल इंजन और डबल इंजन सरकार की सरकारें रहीं। और डबल इंजन ने तो दोनों हाथों से राज्य को लूटने काम किया। साल 2019 में हमने आपसे इस राज्य की तकदीर बदलने के लिए समर्थन मांगा और आपके आशीर्वाद से आपकी यह सरकार बनीं। सीएम ने कहा कि राज्य में सरकार आप बनाते हैं। राज्य का मुख्यमंत्री आप बनाते हैं। मैं तो एक साधन मात्र हूँ जो आपके अधिकार, आपके दरवाजे पर देने का काम कर रहा है। हमने चुनाव के समय कहा था कि हमारी सरकार बनेगी तो यह सरकार दिल्ली से नहीं, रांची के हेडक्वार्टर से नहीं, गांव से चलेगी। और आज पदाधिकारी गांव-गांव जाकर आपको योजनाओं से जोड़ रहे हैं, हक-अधिकार दे रहे हैं। आज आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के जरिए गांवों से सरकार चल रही है। हमने कोरोना में किसी को भूख से मरने नहीं दिया, लेकिन डबल इंजन सरकार में सामान्य दिनों में लोग भूख से मर रहे थे।

गरीबों को नहीं मिलता अधिकार

सीएम ने कहा कि कुछ साल पहले केंद्र सरकार द्वारा किसानों को कमजोर करने के लिए किसान विरोधी कानून लाया गया था। मगर यह कृषि प्रधान देश है। किसानों के संघर्ष के आगे आखिरकार केंद्र सरकार को झुकना पड़ा। क्योंकि अधिकार गरीबों को मिलता नहीं है। इसके लिए लड़ना पड़ता है। आज हमारे साथ भी वही रवैया अपनाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने झारखण्ड का भी 1 लाख 36 हजार करोड रुपए बकाया देना है, जो नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां डबल इंजन की सरकार थी तब 20 वर्षों में सिर्फ 8 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ा गया। और हमारे 4 साल में अब तक कुल 20 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड मिल चुका है, जो निरंतर जारी है। राज्य के किसानों के लिए बरसा हरित ग्राम, पशुधन, बिरसा सिंचाई कूप जैसी योजनाएं शुरू की गयी। पूर्व की सरकार में पशुधन के नाम पर बीमारू जानवर बांटने का काम होता था। मैंने विभाग को निर्देश दिया है कि जो भी पशु वितरित किया जाएगा वह बीमा किया हुआ लोगों को मिले। राज्य के पीडीएस डीलरों का भी जल्द कमीशन बढ़ाया जाएगा।

कोरोना में जीवन दाता बना झारखंड

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार के चार साल पूरे होने पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा, हमारे लिए काम करना चुनौती भरा रहा। सरकार ने कोरोना संक्रमण, सुखाड़ जैसी समस्या। पूरी दुनिया लॉकडाउन के दौरान थम गयी थी। ऐसी आपदा गरीब किसान और मजदूरों के लिए अभिशाप के बराबर थी। झारखंड इस देश के पिछड़े राज्यों में आता है। यहां गरीब लोग रहते हैं। अगर मजदूर एक दिन मजदूरी नहीं करता तो उसके यहां चूल्हा नहीं जलता। बहुत खराब हालात थे ऐसी स्थिति में भी सरकार ने काम किया। कोविड प्रबंधन को देशभर में अलग पहचान मिली। झारखंड जैसे गरीब राज्य ने पूरे देश में ऑक्सीजन सप्लाई किया। कोरोना संक्रमण के हालात का जिक्र करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा, हमलोग सोते नहीं थे। लगातार अपडेट लेते रहते थे। हमने जनता को बचाया लेकिन हमारे दो मंत्री शहीद हो गये। हाजी हुसैन अंसारी को कोरोना ने निगल लिया। टाइगर जगरनाथ महतो की भी जान चली गयी। इसी तरह जगरनाथ महतो की भी जान चली गयी। आज टाइगर जगरनाथ महतो की पत्नी

केंद्र की डीवीसी नहीं देती राज्य को ठीक से बिजली

हेमंत सोरेन ने ग्रामीण सड़क का जिक्र करते हुए कहा इसमें 6 हजार अधिक की लागत से यह बन रहा है। 7 हजार करोड़ से अधिक की लागत से सड़क का चौड़ीकरण हो रहा है। शहर में लोग रेंग रहे हैं। रांची में देखिए चारो तरफ फ्लाईओवर बन रहे हैं। कई जिलों में काम पूरा हो चुका है, कई में काम चल रहा है। हमारे राज्य में केंद्र के द्वारा संचालित बिजली मिलती है। अगर झारखंड का एक रुपया भी बकाया रहा तो बिजली काट दी जाती है। दुर्भाग्य है हमारी जमीन, हमारा कोयला, हमारा पानी और हमें ही बिजली नहीं मिलती। साजिश देखिए जब राष्ट्रपति महोदया रांची आती हैं तो बिजली काट दी जाती है। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। अगले डेढ़ साल के अंदर हम डीवीसी से बाहर निकलेंगे हम 24 घंटे बिजली देंगे। जहां बिजली नहीं पहुंच सकती वहां सोलर लाइट पहुंचाने की कोशिश की है। हेमंत सोरेन ने कोरोना संक्रमण के दिनों को याद करते हुए कहा देश का पहला राज्य हैं जहां मजदूर हवाई जहाज से अपने घर पहुंचे थे। विपक्ष के लोग कहते थे हवाई चप्पल वाले को हवाई जहाज चढ़ायेंगे लेकिन उन्होंने यह नहीं किया। उन्होंने मजदूरों को सड़क पर मरने के लिए छोड़ दिया। हमने किसी भी एक व्यक्ति को भूख से नहीं मरने दिया।

केंद्र सरकार का नहीं मिल रहा सहयोग

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द कर दिया था। हम केंद्र सरकार के पास आवास के लिए नाक रगड़ते रह गये लेकिन हमें आवास नहीं मिला। हमारे हिस्सा का आवास यूपी को दे दिया। हमने फैसला लिया हम केंद्र के भरोसे नहीं रहेंगे हम उनसे बेहतर आवास बना देंगे। हमने 8 लाख लोगों को चिन्हित किया अगर आवेदन 8 लाख के पार भी हुआ तो चिंता मत कीजिए। सरकार सभी जरूरतमंदों को आवास देगी। हम सभी को घर देंगे चाहे जितना समय लगे। हमने आंकलन किया है कि 15 लाख करोड़ का खर्च होगा लेकिन संभव है कि इससे ज्यादा भी लगे।

पेज 3 पर पढ़े विस्तृत खबर।

343 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास

मौके पर हेमंत सोरेन लगभग 343 योजनाओं का उदघाटन और शिलान्यास किया। इनमें मुख्य रूप से गिरिडीह में 100 बेडवाले क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण, रांची में ट्रांसपोर्ट नगर निर्माण फेज टू, कई जलापूर्ति योजना और सड़क निर्माण की योजना रांची स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर वर्क का उदघाटन, पाकुड़ में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट, डोमचांच, विश्रामपुर व धनवार शहरी जलापूर्ति योजना सहित कई योजनाएं शामिल हैं। उद्योग विभाग और टाटा टिनप्लेट की विस्तारित परियोजना के लिए एमओयू भी किया गया। 1760 करोड़ रुपये का निवेश टाटा टिनप्लेट द्वारा किया जाना है।

पेज 2 पर पढ़े विस्तृत खबर।

SHARE		
सेंसेक्स	:	72,240.26
निफ्टी	:	21,731.40

SARAFA		
सोना	:	6,015
चांदी	:	79.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

दिल्ली समेत 5 राज्यों में कोहरे का रेड अलर्ट

NEW DELHI : देश के उत्तरी राज्यों में अगले दो दिन तक घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, इन राज्यों में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। यहां कोहरे को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोहरे की वजह से देशभर में 271 फ्लाइट्स लेट हुई और करीब डेढ़ दर्जन उड़ानों को कैंसिल करना पड़ा। वहीं, एजेंसी ने बताया कि अकेले दिल्ली में 100 फ्लाइट्स ने देरी से उड़ान भरीं। इसके अलावा 80 से ज्यादा ट्रेनें 8 से 10 घंटे की देरी से चल रही हैं।

पार्टी कर घर लौट रहे रिम्स कर्मी को अपराधियों ने मारी गोली, भर्ती

थाने से महज एक किलोमीटर की दूरी पर गोलीबारी

- अपराधियों ने गुरुवार की देर रात घटना को दिया अंजाम
- रिम्स में हेडमेड के पद पर कार्यरत है राजेश, कंधे पर लगी है गोली

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी में अपराधियों का हौसला बुलंद है। एक के बाद एक आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। बरियातू थाने से ठीक एक किलोमीटर की दूरी पर डॉक्टर कालोनी स्थित चांडिल मैदान के पास दो अपराधियों ने रिम्स कर्मी को गोली मारकर घायल कर दिया। गुरुवार की देर रात घटना को अंजाम दिया गया। गोलीबारी में घायल कर्मी का नाम राजेश मल्लिक है और वह रिम्स में हेडमेट के तौर पर कार्यरत है। उसे कंधे पर गोली लगी। अभी खतरे से बाहर है। इस घटना ने पुलिस की नींद उड़ा रखी है।

ओरमांझी से लौट रहा था राजेश

बताया जाता है कि राजेश मल्लिक अपने कुछ दोस्तों के साथ पार्टी कर रांची के ओरमांझी से बरियातू स्थित घर लौट रहा था। जैसे ही वह डॉक्टर्स कालोनी को पार कर चांडिल मैदान के पास पहुंचा, वहां पर पहले से ही घात लगाए बैठे दो अपराधियों ने पीछे से उस पर गोली चला दी। गोली कर्मी के कंधे पर लगी। घायल राजेश को आनन-फानन में रिम्स ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पुलिस को शुक्रवार को मिली। बरियातू थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की छानबीन जारी है।

अपराधी पकड़ से बाहर

बरियातू थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिक अनुसंधान में इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है कि राजेश को किसने और क्यों गोली मारी है। यह भी बात सामने नहीं आ पाई है कि राजेश की किसी से दुश्मनी थी। जांच चल रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

राजस्थान में आज होगा मंत्रिमंडल का विस्तार

JAIPUR : राजस्थान में शनिवार को मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। दोपहर 3:15 बजे राज्यपाल कलराज मिश्र नए मंत्रियों को शपथ दिलाएंगे। नामों पर सहमति बनाने को लेकर बुधवार देर रात तक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर के बीच लंबी बैठक हुई थी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में लगभग सभी नाम फाइनल कर लिए गए हैं। पूर्वी राजस्थान के सबसे कद्दावर नेताओं में शामिल डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मंत्रिमंडल में शामिल होने की प्रबल संभावना है। वहीं, हिंदूवादी चेहरा और तिजारा से विधायक बाबा बालकनाथ भी भजनलाल मंत्रिमंडल का हिस्सा हो सकते हैं। महिला चेहरों में अनिता भदेल, दीप्ति माहेश्वरी और पहली बार विधायक बनीं नौक्षम चौधरी पर नजरें हैं। दलित वर्ग से जितेंद्र गोठवाल और वरिष्ठ विधायक मदन दिलावर को भी मंत्री बनाया जा सकता है। राजपूत समाज से पुष्पेंद्र सिंह राणावत, सिद्धि कुमारी जैसे वरिष्ठ विधायकों के समर्थकों को उम्मीद है कि उनके नेता इस बार जरूर मंत्री बनेंगे।

सरना कोड लागू करने की मांग को लेकर आज रहेगा भारत बंद

पूर्व संध्या पर मशाल जुलूस, मांगी धार्मिक पहचान

PHOTON NEWS RANCHI : सरना कोड लागू करने की मांग को लेकर 30 दिसंबर को भारत बंद और रेल-रोड चक्का जाम बुलाए गया है। इसके पूर्व संध्या पर झारखंड की राजधानी रांची में मशाल जुलूस निकाला गया। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक केंद्रीय सरना समिति, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद, आदिवासी छात्र संघ, आदिवासी सेंगेल अभियान एवं कई अन्य आदिवासी संगठन इस मशाल जुलूस में शामिल थे। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि 15 करोड़ प्रकृति पूजक आदिवासियों को अब तक धार्मिक पहचान नहीं मिली है। वर्षों से आदिवासी सरना कोड की लड़ाई लड़ रहे हैं। धर्मकोड नहीं होने के कारण जबरन प्रकृति पूजक आदिवासी को हिंदू एवं ईसाई बनाया जा रहा है। 15 नवंबर को भारत के प्रधानमंत्री भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू आए थे, लेकिन उन्होंने सरना धर्मकोड के बारे में कुछ नहीं कहा।

मशाल जुलूस में शामिल आदिवासी संगठन

अनिवार्य सेवाओं को बंद से छूट

आदिवासी संगठनों द्वारा निर्णय लिया गया कि प्रेस, मीडिया, एंबुलेंस, दूध, शादी-विवाह एवं स्कूल बस समेत अन्य अनिवार्य सेवाओं को बंद के दौरान प्रभावित नहीं किया जाएगा। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि 24 दिसंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा डीलिस्टिंग रैली में आदिवासी को हिंदू बताया गया। बाध्य होकर आदिवासी आंदोलन को मजबूर हुए। आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखन मुर्मू के आह्वान पर 30 दिसंबर 2023 को प्रकृति पूजक आदिवासी रेल-रोड चक्का जाम करेंगे।

श्री माता वैष्णो देवी कटरा से नई दिल्ली, अमृतसर से दिल्ली, कोयंबटूर से बेंगलुरु कैंट के बीच चलेगी

आज पीएम एक साथ लॉन्च करेंगे 6 वंदे भारत ट्रेन

AGENCY NEW DELHI : भारतीय रेलवे ने पिछले कुछ सालों में सबसे बड़ा कमाल जो किया है, वह सभी राज्यों में वंदे भारत ट्रेनें चलाकर किया है। इससे न सिर्फ यात्रियों का समय बचता है, बल्कि कम कीमत में हवाई जहाज जैसी सुविधाएं मिलती हैं। एक के बाद एक नई वंदे भारत ट्रेनों की लॉन्चिंग की जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को अयोध्या का दौरा करने वाले हैं, जहां छह वंदे भारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई जाएगी। इन छह वंदे भारत ट्रेनों में एक अयोध्या से आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलेगी। इसके अलावा, श्री माता वैष्णो देवी कटरा से नई दिल्ली, अमृतसर से दिल्ली, कोयंबटूर से बेंगलुरु कैंट, मैंगलोर से मडगांव और जालना से मुंबई के बीच वंदे भारत ट्रेनें शुरू की जाएंगी।

दो अमृतभारत ट्रेन की भी शुरूआत

पीएम मोदी आज अमृतभारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाने वाले हैं, जोकि नई तकनीक की ट्रेन है। कुल दो अमृतभारत ट्रेन की शुरूआत की जा रही है। एक ट्रेन दरभंगा से अयोध्या होते हुए आनंद विहार टर्मिनल तक जाएगी, जबकि दूसरी ट्रेन मालदा टाउन से बेंगलुरु के विश्वेशरैया टर्मिनस तक चलेगी। ये ट्रेनें पहली बार लॉन्च होने के लिए तैयार हैं। उधर, अयोध्या से आनंद विहार चलने वाली वंदे भारत ट्रेन का रूट सामने आ गया है। यह ट्रेन आनंद विहार से सुबह 6.10 पर रवाना होगी। इसके बाद सुबह 11 बजे कानपुर पहुंच जाएगी और फिर 12.25 पर लखनऊ आ जाएगी। यह ट्रेन अयोध्या दोपहर 2.35 बजे पहुंचेगी। वहीं, वापसी की बात करें तो यह वंदे भारत दोपहर 3.15 पर अयोध्या से चलेगी और फिर लखनऊ में शाम 5.15 पर पहुंच जाएगी। इसके बाद यह ट्रेन रात 11.40 पर आनंद विहार टर्मिनस पहुंच जाएगी। वहीं, नए साल के मौके पर यूपीवासियों को बड़ी सौगात मिलने वाली है। दरअसल अगले साल की शुरूआत में यूपी की राजधानी लखनऊ से उत्तराखंड के देहरादून के बीच वंदे भारत ट्रेन चल सकती है।

रांची-वाराणसी को भी मिलेगा ग्रीन सिग्नल

बनारस से रांची तक का सफर सिर्फ छह घंटा 20 मिनट में

RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर को रांची-वाराणसी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे। रेल मंत्रालय जनवरी में ट्रेन का परिचालन शुरू करेगा। रेलवे ने ट्रेन की समय सारणी जारी कर दी है, जिसके मुताबिक वंदे भारत एक्सप्रेस से बनारस से रांची तक का सफर सिर्फ छह घंटा 20 मिनट में पूरा होगा। दक्षिण पूर्व रेलवे ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। यह ट्रेन लोहरदगा टोरी होकर चलेगी। इस ट्रेन के शुरू होने से ही रांची से तीन वंदे भारत ट्रेन हो जाएंगी। फिलहाल एक ट्रेन रांची से पटना और दूसरी रांची से हावड़ा के बीच चल रही है। इसके अलावा पटना से हावड़ा और हावड़ा से पुरी जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस भी झारखंड से होकर गुजरती है। वर्तमान में रांची और बनारस के बीच चार ट्रेनों का परिचालन अलग-अलग रूटों से हो रहा है, जिसमें 11 घंटे का समय लगता है लेकिन वंदे भारत ट्रेन छह घंटा 20 मिनट का समय लेगी। बनारस-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस बनारस से सुबह 5:50 बजे खुलेगी, जो दोपहर 12:10 बजे रांची पहुंचेगी। इसके बाद दोपहर 01:30 बजे रांची से रवाना होगी और शाम 07:50 बजे बनारस पहुंचेगी। रांची-बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में एसी चेयरकार का किराया 1390-1400 और एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 2545 से 2600 रुपये हो सकता है।

नीतीश कुमार संभालेंगे जदयू की कमान, ललन सिंह ने अध्यक्ष छोड़ा पद

PATNA : जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष पद को लेकर एक सप्ताह से जारी तमाम अटकलों पर शुक्रवार को विराम लग गया। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ललन सिंह ने अध्यक्ष पद छोड़ दिया और पार्टी की कमान नीतीश कुमार ने संभाल ली। शुक्रवार की सुबह बैठक में शामिल होने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ललन सिंह एक साथ एक ही गाड़ी से पहुंचे। उसके बाद बैठक में ललन सिंह ने नीतीश कुमार को अपना इस्तीफा दिया। ललन सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि चुनाव में अपनी सक्रियता को देखते हुए मैं अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं और नीतीश कुमार का नाम अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित करता हूं। जदयू पार्टी अध्यक्ष पद से ललन सिंह के इस्तीफे के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पार्टी अध्यक्ष बनना तय है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन इसमें अब संशय नहीं रह गया है। ललन सिंह अपना इस्तीफा देने के बाद नीतीश कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने या नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव दिया है।

सुकन्या समृद्धि योजना की ब्याज दर 0.2% बढ़ी

3 साल के टाइम डिपॉजिट पर भी 0.1% का फायदा

AGENCY NEW DELHI : सरकार ने शुक्रवार को जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के लिए छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की घोषणा की। सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) में 0.20% और तीन साल के टाइम डिपॉजिट दरों में 0.10% की बढ़ोतरी की है। अन्य योजनाओं की दरों में बदलाव नहीं किया गया है। इससे पहले 29 सितंबर को वित्त मंत्रालय ने अक्टूबर-दिसंबर के लिए आरडी पर ब्याज दरों में 0.20% की बढ़ोतरी की थी। सुकन्या स्कीम की ब्याज दर पहले 8% और तीन साल के टाइम डिपॉजिट की ब्याज दर 7% थी। यह लगातार छठी तिमाही है जब इन स्कीम्स की दरों में बढ़ोतरी की गई है। वित्त मंत्रालय ने स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में

लगातार नौ तिमाहियों तक बदलाव नहीं किया था। इसके बाद अक्टूबर-दिसंबर 2022 से इसे बढ़ाना शुरू किया है। स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों का हर तिमाही में रिव्यू होता है। इनकी ब्याज दरें तय करने का फॉमूर्ला श्यामला गोपीनाथ समिति ने दिया था। समिति ने सुझाव दिया था कि इन स्कीम की ब्याज दरें समान मैच्योरिटी वाले सरकारी बॉन्ड के यील्ड से 0.25-1.00% ज्यादा होनी चाहिए। स्मॉल सेविंग स्कीम भारत में हाउसहोल्ड सेविंग का मेजर सोर्स हैं और इसमें 12 इंस्ट्रूमेंट शामिल हैं।

BRIEF NEWS

लुबना मिर्जा ने झारखण्ड बिरसा सेना का थामा दामन

RANCHI : इटकी रोड स्थित झारखण्ड बिरसा सेना पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में महिला सक्रिय सदस्य बहन सुमित्रा गाड़ी ने माला पहना कर बरियातू से लुबना मिर्जा को झारखण्ड बिरसा सेना पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मिलन समारोह कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष रवि कुमार जी, प्रधान महासचिव अभिषेक कुमार जी, एवं सदस्य आनंद शंकर, नाजिश हुसैन, रामचरित्र महतो, कृष्णा चौबे, शैलेंद्र महतो, जयप्रकाश साहू, हरे राम सिंह, संतु कुमार आदि सदस्य मौजूद थे।

सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच कंबलों का हुआ वितरण

RANCHI : कांके प्रखण्ड के ग्राम पिरुटोला में इचापिड़ी पंचायत के सैकड़ो जरुरत मंद लोगो के बीच पूर्व जिला परिषद सदस्य ऐनुल हक अंसारी के नेतृत्व में कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखन्ड पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार, समाजसेवी मोजीब अली, सदर मतीउर रहमान, सेक्रेट्री सज्जाद हुसैन, पूर्व मुखिया सोमरा उरांव, पूर्व सदर लियाकत हुसैन, मदरसा के नाजिम नैय्यर इकबाल, मस्जिदे हेरा के ईमाम अब्दुल रहमान, फिरदोश आलम, रफीक अंसारी, मतियस उरांव, समीर अंसारी, हाफिज अंसारी, अब्दुल हसीब, जब्बरुल हक, शौकत अंसारी, वसीम अंसारी, रिजवान अंसारी, राहुल केरकेट्टा, नयूम अंसारी, विनोद उरांव, ताजीम अंसारी, जब्बार अंसारी, सरफुल हक, जमील अख़्तर, वार्ड के सदस्यगण, समाजसेवी, बुद्धिजीवी, और दर्जनों नौजवान कमिटी के सदस्य मौजूद थे।

सरकार के चार साल पूरे : सीएम ने दी योजनाओं की सौगात, बांटी नियुक्ति पत्र और परिसंपत्तियां

कृषि, खाद्य, परिवहन व स्वास्थ्य सहित 323 योजनाओं की रखी गई नींव, 3698.32 करोड़ रुपये होंगे खर्च

- उद्योग विभाग और टिनप्लेट कंपनी, कोलकाता के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर
- जनजातीय शोध संस्थान की जनजातीय संस्कृति पर लिखी छह पुस्तकों का विमोचन
- सरकार आपके द्वार के तीसरे चरण के तहत आयोजित कार्यक्रम की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का हुआ विमोचन

परिसंपत्तियों का वितरण करते मुख्यमंत्री। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सरकार के चार साल पूरे होने पर शुक्रवार को रांची में मोरहाबादी मैदान में राजकीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने समारोह में राज्य वासियों को कई सौगातें दी। इनमें कई योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास, लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण और युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलना शामिल है, जो इस राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर रांची में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने 323 योजनाओं की नींव रखी। इन योजनाओं पर 3698.32 करोड़ रुपये होंगे खर्च होंगे। इनमें कृषि विभाग की दो, खाद्य आपूर्ति विभाग की 2, परिवहन विभाग की एक, स्वास्थ्य विभाग की 23, कल्याण विभाग की सात, जल संसाधन विभाग की 3, नगर विकास एवं आवास विभाग की आठ, ग्रामीण विकास विभाग की एक, आरईओ की 211, पाक निर्माण विभाग की 58 और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की सात योजनाएं हैं।

इनके अलावा रिम्स रांची, गिरिडीह, हजारीबाग, लातेहार, देवघर, साहिबगंज, दुमका और गढ़वा में क्रिटिकल केयर ब्लॉक अस्पताल, रांची, पलामू और देवघर में धनवंतरी आयुष अस्पताल, धुर्वा में चिल्ड्रेन ट्रैफिक पार्क, गढ़वा में अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय, लातेहार में कोल्ड स्टोरेज, रांची के सोनाहातु में स्वर्णरेखा नदी पर उच्च स्तरीय पुल, लातेहार सरायकेला और पलामू स्थित एकलव्य विद्यालय में मल्टीपर्पज ऑडिटोरियम जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास हुआ।

969 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग में नव चयनित 307 मेडिकल अफसर और कर्मियों एवं शिक्षा विभाग में पीजीटी टीचर तथा लैब असिस्टेंट के लिए चयनित 662 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही विभिन्न विभागों की के कलमकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया।

सरकार आपके द्वार में 12815 योजनाओं की सौगात

मुख्यमंत्री ने 24 नवंबर से शुरू हुए आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तीसरे चरण के अंतर्गत सभी 24 जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 9268 करोड़ रुपये की लागत से 12815 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। साथ ही 3109968 लाभुकों के बीच करीब 3814.84 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया।

20 विकास योजनाओं का हुआ लोकार्पण

सरकार के चार साल पूरे होने के अवसर पर रांची में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने 849.37 करोड़ रुपए की लागत वाली 20 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की तीन, स्वास्थ्य, जल संसाधन, पर्यटन और श्रम विभाग की एक-एक, पथ निर्माण विभाग की छह, आरईओ की चार और नगर विकास एवं आवास विभाग की तीन योजनाएं हैं। इनमें जिन महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन हुआ, उसमें रांची स्मार्ट सिटी के एरिया बेस्ड डेवलपमेंट के तहत इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास कार्य और खूंटी के कर्रा में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हैं।

पलामू में एफसीआई गोदाम में ट्रक से दबकर मजदूर की मौत, लोडिंग-अनलोडिंग कार्य ठप

PHOTON NEWS PALAMU : भारतीय खाद्य निगम, खाद्य संग्रह भंडारण डालटनगंज में खाद्यान्न उतारने के दौरान ट्रक से दबकर 35 वर्षीय ठेका मजदूर की मौत हो गयी। घटना के बाद साथी मजदूरों ने कामकाज ठप कर दिया। लोडिंग-अनलोडिंग कार्य बंद हैं। सारे मजदूर गोदाम परिसर में ही धरना दे रहे हैं। साथ ही मुआवजा सहित अन्य मांगों को पूरा नहीं करने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। इस सिलसिले में मजदूरों ने खाद्य आपूर्ति मंत्री रामेश्वर उरांव के नाम आवेदन उनके प्रतिनिधि रुद्र शुक्ला को सौंपा है। मजदूरों से बात करते हुए मंत्री प्रतिनिधि रुद्र शुक्ला ने कहा कि उनके साथ पूरा न्याय होगा। मृत मजदूर के आश्रित को हर संभव सरकारी मदद दिलाई जायेगी।

धरने पर बैठे मजदूर। ● फोटोन न्यूज

एफसीआई मजदूरों के अनुसार शुक्रवार सुबह में गैंग नंबर-दो में ठेका मजदूर ईश्वरी यादव खाद्यान्न उतार रहा था। बोरा उठाने के दौरान बैक में आ रहे दूसरे ट्रक (बीआर 15 जी 5904) से दब गया। आनन-फानन में साथी मजदूर उसे लेकर एमआरएमसीएच पहुंचे। यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद गोदाम के मजदूर भड़क गए और धरना-प्रदर्शन करने लगे। सूचना पाकर टाउन थाना पुलिस पहुंची और ट्रक को जब्त लिया। साथ ही एमआरएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम कराया। मजदूर ईश्वरी यादव रामगढ़ थाना क्षेत्र के हुटार का रहने वाला था। उसके चार बच्चे हैं। तीन लड़का एक लड़की। वर्ष 2016 से ईश्वरी यादव एफसीआई में मजदूरी कर रहा था।

एक करोड़ मुआवजा देने की मांग

घटना के बाद धरना दे रहे एफसीआई के मजदूरों ने ईश्वरी यादव के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजा और उसके परिवार के एक आश्रित को सरकारी नौकरी, सभी कार्यरत श्रमिक का इंश्योरेंस करने आदि शामिल हैं। मजदूर संतोष यादव, प्रदीप यादव, नंदलाल राम, विनय कुमार, हरेन्द्र बैठा, संजय बैठा, रामसुंदर बैठा, संतोष कुमार यादव, विक्रम सिंह, रविन्द्र यादव, आकाश कुमार, नरेश राम, राहुल कुमार सिंह सहित करीब 33 मजदूरों ने ठेकेदार से सभी मांग की। साथ ही कहा कि सभी श्रमिक मां तारा ट्रांसपोर्ट कंपनी के अधीन कार्यरत हैं और इसके ठेकेदार संजय शर्मा है। ठेकेदार के मौके पर नहीं आने के कारण मजदूरों में भारी आक्रोश देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि एफसीआई गोदाम में साढे.तीन सौ मजदूर कार्यरत हैं।

आजसू के केंद्रीय सचिव ने अपने भाई को मारी गोली, आरोपी गिरफ्तार

LOHARDAGA : जिला में शहरी क्षेत्र के रघुनंदन लेन में गुरुवार देर रात आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल ने अपने छोटे भाई चंदन अग्रवाल उर्फ टीनू अग्रवाल को गोली मार दी। घटना की सूचना सदर थाना पुलिस को मिली, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। घायल का इलाज लोहरदगा सदर अस्पताल में चल रहा है। बताया जाता है कि रघुनंदन लेन निवासी स्वर्गीय संतोष अग्रवाल के पुत्र सूरज अग्रवाल का उनके छोटे भाई टीनू अग्रवाल उर्फ चंदन अग्रवाल के बीच किसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा था। इसी बीच देर रात विवाद काफी बढ़ गया, जिसके बाद सूरज अग्रवाल ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से चंदन अग्रवाल को गोली मार दी, जिसके बाद अफरा-तफरी मच गई।

खूंटी जिला का शिक्षा दर काफी कम सरकार कर रही पक्षपात : अमर महतो

PHOTON NEWS KHUNTI : जिस तरह से पढ़ाई लिखाई महंगी हो रही है। उसके अनुपात गांव में रहने वाले छात्रों की पढ़ाई महंगी होती जा रही है। खूंटी जिले के 6 प्रखंड के छात्र रांची में आकर उच्च शिक्षा की पढ़ाई करते हैं। रहना-खाना मिलकर 4 से 5 हजार खर्च होता है। खूंटी जिला का शिक्षा दर काफी कम है। खूंटी, गुमला, सिमडेगा जिले में एक भी विश्वविद्यालय नहीं, इस मामले में सरकार का रवैया पक्षपातपूर्ण है। उक्त बातें अमर महतो ने कही।

उन्होंने कहा कि खूंटी जिला मे आज भी बुनियादी स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि रोजगार क्षेत्र में बढ़ोतरी नहीं हुई है। खूंटी में भी स्वास्थ्य चिकित्सा की कमी के कारण राजेंद्र आयुर्विज्ञान रांची के भरोसे रहना पड़ता है। जमीन संबंधित विवाद में भी तेजी आई है। ग्रामीण लोगों में सरकारी योजना का लाभ 20% तक ही पहुंच पाता है। कृषि आधारित फसल सिर्फ बारिश के भरोसे है। सिंचाई विभाग द्वारा किसी तरह का सिंचाई संबंधित विषय पर रुचि ना लेना ग्रामीणों के साथ पक्षपात को दर्शाता है।

चेक डैम बनाने की प्रक्रिया भी सिंचाई विभाग के पदाधिकारी नहीं करते हैं। नेशनल पीपुल्स पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश मुंडा ने कहा अधिकारी धरातल पर नहीं आते हैं। जिससे ग्रामीणों के बीच परस्पर बैठक नहीं हो पता है।

पार्टी के नेता प्रदीप नाग, रवि मुंडा एवं विश्राम मुंडू ने संयुक्त रूप में कहा जिला उपायुक्त क्षेत्र भ्रमण नहीं करते। कल्याण विभाग द्वारा भी आदिवासी छात्र-छात्राओं को समय के अनुसार छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं होती है। पलायन भी एक गंभीर समस्या है। दूसरे राज्य में जाकर आजीविका हेतु कार्य करते हैं। जिससे आदिवासियों की संख्या में काफी कमी आई है।

अल इसरा टूर एंड ट्रेवल्स से 32 जायरीन उमराह पर गए

PHOTON NEWS RANCHI : अल इसरा, टूर एंड ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड अंजुमन प्लाजा, बी सेकंड फ्लोर कंपाउंड, मेन रोड, रांची जो बंगाल, असम झारखंड और बिहार का सबसे बड़ा हज उमराह ट्रैवल एजेंसी है। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से 32 जायरीन को हज और उमराह पर सारी सुविधा के साथ ले जाया जा रहा है, यह बातें ट्रेवल्स के निदेशक हाजी रफीक अहमद ने कही। उन्होंने कहा कि हमारे यहां से इस बार 32 जायरीन बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हैदराबाद जाएंगे और पांच जायरीन कोलकाता से हैदराबाद आएंगे। हैदराबाद से कुल 37 जायरीन जद्दा के लिए सीधे फ्लाइट पकड़ कर उमराह के लिए जाएंगे। जिसमें होटल, मक्का और मदीना दोनों में ही 650 से 300 मीटर की दूरी पर ठहराया जाएगा, जिससे कि जायरीन को इबादत करने में आसानी हो। उन्होंने कहा कि हमारे यहां प्रत्येक जयारीन को पैकेज में एयरलाइंस की टिकट, वीजा इंश्योरेंस के साथ, ट्रांसपोर्ट, नाश्ता दिन और रात का खाना, लॉन्ड्री की सुविधा मक्का और मदीना

दोनों जगह ,सारे प्रमुख स्थलों की जियारत एसी बस में एक दिन मक्का और एक दिन मदीना का कराया जाता है। इसके अलावा खास मुकाम का भी जियारत मक्का और मदीना में कराया जाता है इस मौके पर अल इसरा टूर एंड ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड के रांची हेड सरफराज अहमद ने कहा कि हमारे यहां उमराह का कुल 15 दिन का है। हर बार उमराह के जत्था पर लकी ड्रा से निकल गए एक जायरीन को ले जाया जायेगा। इस बार मोहम्मद मुजाहिद जा रहे हैं जिनका नाम लक्की ड्रा से हुआ वह जा रहे। उन्होंने कहा कि हमारे यहां से अगला उमराह का टूर जनवरी 2024 लास्ट में होगा। इस मौके पर आदिल खान, मोहम्मद जावेद कोऑर्डिनेटर टूर एंड ट्रेवल्स, रफीक अहमद डायरेक्टर, सरफराज आलम रांची हेड, शाहिद रहमान, रब्बानी समेत कई लोग मौजूद

हत्याकांड का खुलासा, चार गिरफ्तार

RANCHI : कांके थाना पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में राजू गोप, देवठान महतो, रामकिशुन महतो और सोमा उरांव शामिल है। इनके पास से एक देशी कट्टा, एक गोली और दो मोबाईल फोन बरामद किया गया है। मामले में एक संतोष नामक अपराधी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। डीएसपी मुख्यालय-1 प्रभात रंजन बरवार ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कांके थाना क्षेत्र के होचर गांव में श्रवण महतो के घर में एक किरायेदार दिलीप महतो की गला काटकर हत्या कर दी गयी थी। मृतक की पत्नी अपने माइके गयी हुई थी, इसी दौरान 24 दिसम्बर की रात आपसी मतभेद के कारण पांच अपराधी साजिश के तहत पार्टी करने के नाम पर दिलीप के घर पहुंचकर मुर्गा शराब पिला खिलाकर घर में ही गला काटकर हत्या कर घर को बंद कर भाग गये।

गिरिडीह में अवैध लॉटरी के दो धंधेबाज गिरफ्तार

दो मोबाइल, 110 लॉटरी टिकट, एक स्कूटी बरामद

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह पुलिस ने अवैध लॉटरी टिकट के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के पास से दो मोबाइल फोन, 110 लॉटरी टिकट 13,530 रुपये नकद और एक स्कूटी बरामद किया है। सदर एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी।

गिरफ्तार आरोपितों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरवाडीह निवासी मोहम्मद रजाक अंसारी और मास्टरमाइंड मधुपुर निवासी मोहन कुमार गुप्ता शामिल हैं। बताया गया कि अवैध लॉटरी का मास्टरमाइंड मोहन कुमार गुप्ता मधुपुर से लॉटरी को ऑपरेट करता था। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को सूचना प्राप्त हुई थी कि अवैध लॉटरी का कारोबार फिर से फल-फूल रहा है। उनके निर्देश के बाद एक टीम गठित कर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरवाडीह पहाड़ीडीह स्कूल के पास खदेड़कर मोहम्मद रजाक अंसारी को पकड़ा गया। उसके पास से 50 पीस लॉटरी एक मोबाइल, जिसमें ऑनलाइन लॉटरी से संबंधित एप्प तथा लॉटरी का साक्ष्य पाया गया।

पूछताछ में उसने मास्टरमाइंड मोहन कुमार गुप्ता की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लॉटरी के अवैध कारोबार करने वाले मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया गया। बताया कि तीन माह पहले अवैध कारोबार करने वाले धंधेबाजों को पकड़ा गया था।

इस मौके पर मुफस्सिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान, एसआई अभिषेक कुमार, एएसआई सरजू पासवान आदि मौजूद थे।

पत्नी के मायके जाते ही शराबी पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

PHOTON NEWS PALAMU : पत्नी के मायके चले जाने से दुखी पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद पति ने आत्महत्या कर ली। मृतक अनिल मोची (30) हुंटार के उड़रीटांड़ निवासी रामचंद्र मोची का पुत्र था। अनिल को शराब की लत थी और प्रतिदिन पत्नी के साथ बेवजह

बैठक कर फैसला लेना चाहती थी पत्नी

पत्नी पति के शराब की लत से परेशान थी वह चाहती थी कि किसी तरह पति की लत छूट जाए। पत्नी की शिकायत थी वह पत्नी और चार बच्चों की परवरिश पर भी ध्यान नहीं देता था। पत्नी को घर से चले जाने के लिए कहता था। पति के इस व्यवहार से परेशान होकर पत्नी ने पंचायत के मुखिया और ग्रामीणों की बैठक पति को समझाने के लिए गुरुवार को बुलाई थी। अनिल ने शराब के नशे में बैठक के लिए आए लोगों को भगा दिया।

नाराज होकर पत्नी चली गयी मायके

नाराज होकर अनिल की पत्नी बच्चों को लेकर अपने मायके सतबरवा थानाक्षेत्र के बोहिता चली गई। इसके बाद शाम में अनिल अपने घर के कमरे में बिजली के तार का फंदा बनाकर उससे लटक गया। जब तक घर वाले उसे इस हाल में देखते उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेजा।

मोबाइल छिन कर भाग रहे दो युवक धराए

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह जिले के सिहोडीह में बुधवार को महिला से मोबाइल झपटकर भाग रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को नगर थाना पुलिस ने जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि सूचना मिली थी कि मुफसिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह से महिला का मोबाइल झपट कर दो अपराधी मोटरसाइकिल से बरंगडा की ओर भाग रहे हैं। सूचना प्राप्त होते ही गश्ती दल के साथ थाना प्रभारी नगर बरगंडा चौक पर पहुंचे तथा स्थानीय लोगों के सहयोग से मोटरसाइकिल से भाग रहे दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों आरोपियों से जब पूछताछ के बाद तलाशी ली गई तो दोनों अपराधियों के पास से कुल चार स्मार्ट मोबाईल फोन और बिना रजिस्ट्रेशन नंबर का होंडा बाइक बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मंगरोडीह निवासी प्रेम कुमार उर्फ राजा और हरसिंहरायडीह का रहने वाला अजय दास है। पुलिस ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपी अपने मोटरसाइकिल से रजिस्ट्रेशन नंबर का प्लेट खोल कर राहगीरों से मोबाईल झपट कर भाग जाते हैं तथा झपटे गए मोबाइल को उंचे दामों में बेचकर ऐस मौज करते थे। इनके द्वारा प्रयोग में लाये गए दो पहिया वाहन होंडा रढ 125 को भी जब्त कर थाना लाया गया है, जिस पर नंबर प्लेट अंकित नहीं है।

बेहद खास रहा वर्ष 2023, उपायुक्त चंदन कुमार ने नव वर्ष की दी शुभकामनाएं, बोले-

2024 में शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण के साथ होगा विकास

PHOTON NEWS RAMGARH : नव वर्ष 2024 के अवसर पर उपायुक्त चंदन कुमार ने सभी जिले वासियों को शुभकामनाएं दी है। उपायुक्त ने कहा है कि वर्ष 2023 की तरह ही 2024 में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर जिले का विकास किया जाएगा। वहीं उन्होंने सभी जिलावासियों से भी रामगढ़ जिले के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपील की है। वर्ष 2023 में जिले के विकास के लिए डीएमएफटी के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत की 320 योजनाओं का चयन किया गया। वहीं वर्ष 2024 के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 45 करोड रुपए की 120 योजनाओं के चयन के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। विभिन्न चरणों की बैठक के उपरांत अंतिम रूप से स्वीकृत योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए कार्य किया जाएगा। वर्ष 2023

उपायुक्त चंदन कुमार।

जिले के युवाओं के लिए खास रहा। लंबे समय के बाद उपायुक्त चंदन कुमार के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों में रिक्तियों को भरने हेतु अभियान मोड़ में नियुक्तियां की गई। जिसमें स्वास्थ्य विभाग, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण सहित विभिन्न परियोजनाओं में 100 से ज्यादा युवाओं की नियुक्तियां की गई। शिक्षा के क्षेत्र में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 14500 से ज्यादा बच्चियों को योजनाओं से जोड़ा गया है।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने चलाई योजना

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत रामगढ़ जिले में लगभग 180 लाभुकों को 4 करोड़ रुपए की राशि का ऋण उपलब्ध कराया गया है। रामगढ़ जिले के सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रवेश दिलाने हेतु जिले में डीएमएफटी के तहत कोचिंग परियोजना संचालित है। उपायुक्त द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में जिले के वरीय अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से कोचिंग सेंटर का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया जा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण एवं सरकारी जमीनों को अतिक्रमण से बचाने के मद्देनजर उपायुक्त चंदन कुमार द्वारा किए गए पहल के आलोक में जिले के अलग-अलग प्रखंडों में लोग स्वयं आगे आकर वृक्षारोपण अभियान चला रहे हैं। अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए लोग न केवल लगाए गए पौधों की देखभाल कर रहे हैं। बल्कि संबंधित क्षेत्र को पार्क के रूप में विकसित करने की दिशा में भी किया जा रहा है। 2024 में इसमें और भी प्रभावी तरीके से कार्य किया जाएगा।

अबुआ आवास योजना से 61000 लोग हुए लाभान्वित

राज्य के योग्य व जरूरतमंद लोगों को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा संचालित अबुवा आवास योजना का जिले में व्यापक रूप से प्रचार प्रसार किया गया है। योजना के तहत अब तक 61000 से ज्यादा लाभुकों का चयन जिले में किया गया है। जिसके उपरांत अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जा रही है। वही जिले के प्रत्येक योग्य व्यक्ति को पेंशन के लाभ से आच्छादित करने हेतु सर्वजन पेंशन योजना का संचालन वर्ष 2023 में बेहद ही प्रभावी तरीके से किया गया है। गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत जिले के विद्यार्थियों को लाभान्वित करने हेतु अब तक 6000 से ज्यादा आवेदन एकत्रित किए गए हैं। वहीं 2024 में भी इस योजना के तहत प्रत्येक योग्य विद्यार्थी को लाभान्वित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

वर्ष 2023 में जहां जिले में टाउन हॉल, इंडोर स्टेडियम, मौलाना अब्दुल आजाद कलाम आजाद पार्क सहित अन्य सौगातें जिले वासियों को मिली। वहीं 2024 में बिरसा बस स्टैंड का जीर्णोद्धार कार्य, छत्तरमांडू स्थित स्विमिंग पूल, दुलमी प्रखंड में गारमेंट फैक्ट्री परियोजना, सेंट्रलाइज्ड किचन परियोजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से जिले वासियों को लाभ मिलेगा। इन सब के अलावा उपायुक्त के निर्देश के आलोक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों को चिन्हित कर उन्हें विकसित करने का भी कार्य किया जा रहा है। जिसका असर वर्ष 2024 में दिखने लगेगा। इन सबके अलावा राज्य सरकार द्वारा हाल ही में लाई गई ग्राम गाड़ी योजना का भी संचालन वर्ष 2024 में खास रहेगा।

खेल मैदान के पीछे हो रहे निर्माण कार्य को कांके विस्थापन समिति ने रूकवाया

संघर्ष समिति के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

कांकेः सुकुरहुटू कदमा स्थित कांटा खेल मैदान के पीछे हो रहे आयुष भारत द्वारा राज्य स्तरीय अस्पताल का निर्माण कार्य को पिछले दिनों खेल मैदान का कुछ भूखंड जद में आने के कारण स्थानीय कदमा कांके विस्थापन संघर्ष समिति द्वारा निर्माण कार्य को रूकवाया गया था। शुक्रवार को दोपहर 2:00 बजे संबंधित उपरोक्त हॉस्पिटल निर्माण विभाग के इंजीनियर सु कुमार मंडल एवं कदमा कांके विस्थापन संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो के नेतृत्व एक प्रतिनिधिमंडल के बीच निर्माण कार्य क्षेत्र पर वार्ता हुई।

दोनों पक्षों की आपसी समझौता में सहमति बना की वर्तमान में हो रहे निर्माण को खेल मैदान से लगभग 20-25 फीट पीछे हट कर पुराना बाउंड्री लाइन के सीध से कार्य करेंगे और भविष्य में भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा खेल मैदान की तरफ पार्किंग, गेट या अन्य किसी भी प्रकार का गतिविधि नहीं करने पर सहमति बनी। साथ ही भविष्य में स्थानीय लोगों को रोजगार एवं नौकरी में प्राथमिकता देने पर भी अस्पताल प्रबंधन के साथ विस्थापन संघर्ष समिति के पदाधिकारीयों का सकारात्मक पहल और चर्चा के लिए सहमति बना।

BRIEF NEWS

छह आईएएस सचिव रैंक में प्रोन्नत

RANCHI : राज्य सरकार ने छह आईएएस अफसरों को सचिव रैंक में प्रोन्नति दी है। वहीं आठ आईएएस अफसरों को स्पेशल सेक्रेटरी रैंक में प्रोन्नति दी गई है। सेक्रेटरी रैंक में प्रमोशन पाने वाले अफसरों में चंद्रशेखर, जीतेंद्र कुमार सिंह, कमलेश्वर प्रसाद सिंह, यतींद्र प्रसाद, चंद्रकिशोर उरांव और सुनील कुमार के नाम शामिल हैं। वहीं आठ अफसरों को स्पेशल सेक्रेटरी रैंक में प्रोन्नति दी गई है। प्रोन्नति पाने वाले अफसरों में माधवी मिश्रा,अनन्य मित्तल,आदित्य रंजन, रामनिवास यादव,विजय नारायण राव,आर रॉनिटा, नमन प्रियेश लकड़ा और अंजली यादव के नाम शामिल हैं। कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है।

छह आईएएस को चयन ग्रेड लेवल में दी प्रोन्नति

RANCHI : राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के छह पदाधिकारी को चयन ग्रेड लेवल 13 में प्रोन्नति देते हुए उनके वर्तमान पद पर ही पदस्थापित किया है। इस संबंध में शुक्रवार को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। इन पदाधिकारियों में रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, दुमका के उपायुक्त ए दोड्डे, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री, मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी, झारखंड ट्राईबल डेवलमेंट सोसायटी के परियोजना निदेशक नेलसम एयोन बागे, और समाज कल्याण के निदेशक प्रकाश झा शामिल है।

वर्ष 2023 में 834 साइबर अपराधी गिरफ्तार

RANCHI : झारखंड में वर्ष 2023 में पुलिस ने 834 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पूरे राज्य में साइबर अपराध से संबंधित कुल 1172 केस दर्ज किये गये हैं। पुलिस ने जांच के क्रम में 1417 मोबाईल फोन, 2328 सिम कार्ड, 470 एटीएम कार्ड, 128 पासबुक, 23 लैपटॉप, 37 चेकबुक, 18 डेविट कार्ड, 14 पीओएस मशीन, 69 वाहन, नगद 54 लाख 31 हजार 490 रुपए और 3300 ताईवानी डॉलर बरामद किया गया है। साथ ही विभिन्न मामलों में शिकायतकर्ता का 7908081 रुपये वापस कराया गया। इस दौरान पांच करोड़ सात लाख बीस हजार 557 रुपए बैंक अकाउंट में फीज कराया गया। इसके अलावा राज्य में कुल 717 बदमाशों के खिलाफ सीसीए के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने के लिए गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। झारखंड पुलिस के प्रवक्ता एवी होमकर ने शुक्रवार को बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ राज्य पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। साथ ही लोगों को जागरुक करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे हैं। इसके अलावा सीआईडी की ओर से पुलिस पदाधिकारियों को साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए हमेशा ट्रेनिंग भी दी जाती है।

ज्योति कुमार बने कांग्रेस के झारखंड कम्युनिकेशन को-आर्डिनेटर

RANCHI : कांग्रेस के महासचिव मीडिया एंड कम्युनिकेशन के प्रभारी जयराम रमेश और मीडिया पब्लिसिटी के चेयरमैन पवन खेड़ा ने ज्योति कुमार सिंह को आगामी लोकसभा चुनाव का झारखंड का कम्युनिकेशन को-आर्डिनेटर नियुक्त किया है। ज्योति एआईसीसी के प्रवक्ता भी हैं। एआईसीसी ने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर 24 राज्यों में कम्युनिकेशन को-आर्डिनेटर नियुक्त किया है। सभी कम्युनिकेशन को आर्डिनेटर अपने प्रभार वाले प्रदेशों में प्रदेश के मीडिया कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट को एआईसीसी की ओर दिए गए गाइडलाइन के मुताबिक काम करने में समन्वय स्थापित करेंगे । ज्योति कुमार सिंह को झारखंड का कम्युनिकेशन को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए जाने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर और मंत्री आलमगीर आलम ने शुक्रवार को उन्हें बधाई दिया।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

सीएम सोरेन ने गिनायीं चार साल की उपलब्धियां, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

आवास के आवंटन को लेकर नाक रगड़ते रह गए, लेकिन हमारा हिस्सा यूपी को दे दिया : CM

PHOTON NEWS RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन ने झारखंड सरकार की चौथी वर्षगांठ पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह में चार साल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इस दौरान एक तरफ जहां चुनौतियों के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनायीं, वहीं राज्य में पूर्व की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर उन्होंने कहा कि 8 लाख गरीबों के आवास के आवंटन को लेकर वे नाक रगड़ते रह गए, लेकिन हमारे हिस्से का आवंटन यूपी को मिल गया। इसके बाद उन्होंने खुद की अबुआ आवास योजना की शुरूआत करने की ठानी। जो कहा है, वो कर के दिखाएंगे। गरीबों को अबुआ आवास का लाभ देंगे, चाहे जितना समय लग जाए। झारखंड की बेटियों के भविष्य की चिंता करने की जरूरत अब परिजनों को नहीं है। इसकी जिम्मेदारी हेमंत सोरेन सरकार ने ली है। अब घर में जितनी भी बेटियां हैं, सभी को सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ मिलेगा। इस मौके पर लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का भी वितरण कियाग या। धोती, साड़ी-लुंगी योजना, कंबल वितरण, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, गुरुजी स्टूडेंट कार्ड योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, फूलो- झानो आशीर्वाद योजना, साइकिल के लिए डीबीटी, सामुदायिक व व्यक्तिगत वन पट्टा, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, केसीसी योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के तहत इन योजनाओं का लाभ लोगों को दिया गया है।

सरकार की चौथी वर्षगांठ पर रिपोर्ट कार्ड किया गया पेश

खास बातें

- गरीबों को अबुआ आवास का लाभ देंगे, चाहे जितना समय लग जाए
- बेटियों के भविष्य की चिंता करने की जरूरत अब परिजनों को नहीं
- बेटियां को सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का मिलेगा लाभ
- लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण

चारों तरफ बन रहे फ्लाईओवर

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि सड़क की समस्या झारखंड में लंबे समय से थी, लेकिन किसी ने इसके समाधान पर काम नहीं किया। आज रांची में ही देखिए चारों तरफ फ्लाईओवर का निर्माण हो रहा है। सरकार की छवि खराब करने के लिए राष्ट्रपति के आगमन के वक्त बिजली काट दी जाती है, लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा। आने वाले डेढ़ वर्षों में हम खुद से बिजली उपलब्ध करवाने में सक्षम हो जाएंगे। हमने माध्यमिक शिक्षक, दंत चिकित्सक, कोषागार समेत अन्य की नियुक्ति की है। 20 वर्षों में पहली बार बिना किसी विवाद के जेपीएससी का रिजल्ट निकाला है। ये दूसरे राज्यों के साथ मिलकर हमारी नियोजन नीति में बाधा डालते हैं। राज्यपाल के पास जाकर कानाफूसी करते हैं। उन्होंने बीजेपी से पूछा कि युवाओं को रोजगार मिले, तो उन्हें क्या दिक्कत है? उद्योग विभाग द्वारा मंच पर टिनप्लेट कंपनी व झारखंड सरकार के बीच एमओयू किया गया।

पहले की सरकार ने खाली कर दिया था खजाना

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि जब हमारी सरकार थी तो हमे पता था कि राज्य की स्थिति कितनी खराब हो चुकी थी, लेकिन हमने लोगों को राशन कार्ड दिया। जरूरतमंदों को पेंशन दी, लेकिन इससे भी काम नहीं चलेगा। कई ऐसे गरीब हैं जो आज के समय में भी मुसीबत से जूझ रहे हैं। आज इस राज्य के हमारे आदिवासी भाइयों की पेंशन लिमिट को 60 साल से घटा कर 50 साल कर दिया जाएगा। अबसे झारखंड में 50 साल की उम्र से ही लोगों को पेंशन मिलनी शुरू हो जाएगी। आज दूसरे राज्यों को केंद्र से पैसा मिलता है हमें नहीं मिलता है। हमने मात्र 4 वर्षों में 20 लाख किसानों को केसीसी से जोड़ दिया। अब झारखंड सरकार किसानों को बीमाकृत जानवर बांटेगी। अगर जानवर मरा भी तो इसका पैसा सरकार देगी, लेकिन पहले ऐसा नहीं था। पहले की सरकार किसानों को कमजोर जानवर देती थी, जो जल्दी ही मर जाते थे। जिस राज्य में डबल इंजन की सरकार नहीं है उनके साथ सौतेला व्यवहार

किया जाता है। जब राज्य अलग हुआ था तो गरीब राज्य अलग नहीं हुआ था, खजाने में पैसे थे, लेकिन उस वक्त की सरकार ने खजाना खाली कर दिया और हमें मरने के लिए छोड़ दिया।

महिला सशक्तिकरण को लेकर किए कई काम

सीएम ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को लेकर हमने कई काम किये हैं। पूर्व की सरकारों ने महिला समूहों को 20 वर्षों में सिर्फ 600 करोड़ रुपए बांटने का काम किया। जबकि हमारी सरकार ने दीदी-बहनों के बीच में 4 साल में 8 हजार करोड़ बैंक क्रेडिट के जरिए वितरित किए। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य के गरीब, मजदूर, किसान को सबसे ज्यादा पीड़ा होती है कि उनके बच्चे कैसे पढ़ेंगे। गरीब मां-बाप तो बेटियों की शादी भी जल्दी कर देते हैं। मैं उन सभी माता-पिता से कहना चाहूंगा कि आप अपनी बेटियों की पढ़ाई की चिंता सरकार पर छोड़ दीजिए। बेटियों की शिक्षा की पूरी

जिम्मेदारी आपकी सरकार की है। 8 लाख से अधिक बेटियों को किशोरी समृद्धि योजना से जोड़ने का काम भी किया गया है। राज्य के छात्र-छात्राओं के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड भी हमने शुरू किया है जहां लाखों का ऋण बच्चों को पढ़ने के लिए मिलेगा। हमने उत्कृष्ट विद्यालय भी बनाए हैं। जिसकी संख्या 5 हजार तक जाएगी। कल्याण विभाग के हॉस्टल्स को भी बेहतर बनाया जा रहा है। पूर्व की सरकारों ने हॉस्टलों का बुरा हाल कर रहा था। उनका कभी जीर्णोद्धार नहीं होता था। आपकी सरकार में कहीं छात्रावासों का जीर्णोद्धार हो चुका है और कहीं काम अभी भी जारी है। आने वाले समय में हम वहां राशन की भी व्यवस्था करेंगे।

हेमंत सरकार में दिख रहा है विकास : श्रम मंत्री

श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि झारखंड सरकार लोगों को अबुआ आवास दे रही है। सर्वजन पेंशन योजना के लिए कई लोग भटकते रहते थे, लेकिन लोगों को इन योजनाओं का लाभ हेमंत सरकार के आने के बाद ही मिल रहा है। हेमंत सरकार ने युवाओं को रोजगार से जोड़ने का काम किया है। इसके पूर्व में जो सरकार रही, उसने क्या किया, वह किसी को नहीं पता। हमारे आने के बाद से ही झारखंड में विकास दिख रहा है।

भाजपा सरकार ने कमजोर की नींव : आलमगीर

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा, हमारे सरकार के चार साल पूरे हो गये। झारखंड के सभी लोग जानते हैं कि गठबंधन की सरकार बनी और लगातार चार सालों तक काम करती रही। हमारे नये राज्य के गठन के बाद अब 23 सालों का राज्य युवा राज्य के रूप में जाना जाता है। हमारे साथ तीन राज्य बने थे हम तीनों राज्य की तुलना करें तो दोनों राज्य हमसे आगे बढ़ रहे हैं। हमारी सरकार आने के बाद हमने यह देखा है। जब झारखंड बना तो भाजपा की सरकार थी उसने नींव ही कमजोर की। नींव कमजोर हुआ तो इमारत कमजोर होगा लेकिन हेमंत सोरेन ने इसे मजबूत किया है। मंत्री ने कहा, हेमंत सोरेन ने मजबूती से काम किया है। हमने कई

योजनाओं की सौगात दी। हमारी कोशिश थी कि गांव में रोजगार मिले। मनरेगा के तहत अगर पुराने रिकार्ड देखा जाए तो 11 करोड़ 76 लोगों को हमने काम किया। हमने पहली की सरकार से डबल रोजगार दिया। हमें पता था कि जब तक हम गांव के लोगों को खुशहाल नहीं कर सकते तब तक झारखंड के विकास की कल्पना करना गलत होगा। आलमगीर आलम ने कहा, मुख्यमंत्री जी ने इस पर जोर दिया और गांव में रोजगार के लिए हमने प्रयास किया। हमें पता है कि जबतक कनेक्टिविटी बेहतर नहीं होगी तबतक विकास नहीं होगा। किसान अपनी फसल नहीं बेच पायेगा। हमने गांव में सड़क बनाए। हम सरकार आपके द्वार के कार्यक्रम के तहत लोगों तक पहुंच गये हैं।

वादा खिलाफी के कारण राज्य में निराशा छाई, सरकार जश्र में डूबी : प्रतुल शाहदेव

हर मोर्चे पर विफल दिख रही सरकार, कानून से भाग रहे सीएम

प्रेंस कांफ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत करते भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव।

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की वादा खिलाफी के कारण निराशा छा गई है और सरकार जश्न में डूबी है। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार के चार वर्षो के कार्यकाल पूरा होने पर जश्न मनाने पर कहा कि 20 लाख नौकरियां देने का वादा करने वाली सरकार हर मोर्चे पर विफल दिख रही है।

शाहदेव भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप जिस आदिवासी-मूलवासियों को हक देने की बात कर रहे उसे ही लाठी-डंडों से पीटा जा रहा है। संगीन के साये में मन रहा यह जश्न का क्या औचित्य है। शाहदेव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल से मिलकर कहा था कि अब हेमंत सोरेन के ऊपर कार्रवाई करने का वक्त आ गया है। क्योंकि, एक मुख्यमंत्री कानून से भागता फिर रहा है। इसलिए राज्य की जनता ने इस भगोड़ेपन के लिए दोषी मान लिया है।

शाहदेव ने कहा कि इस सरकार में ईमानदार अफसरों की कोई पूछ नहीं होती है। सरकार बनने के चंद महीना बाद लोहरदगा में जब दंगा हुआ था तब विजिलेंस के एक डीएसपी ने एक रिपोर्ट दी थी। इस दंगा के पीछे रोहिंग्या मुसलमान का हाथ है तो उसका रातों-रात ट्रांसफर कर दिया गया।

जनता को जितनी उम्मीदें थी उसमें कमी रही : माकपा

RANCHI : हेमंत सरकार के चार वर्ष के कार्यकाल पर माकपा राज्य सचिवमंडल ने बयान जारी किया है। बयान में सचिव प्रकाश विप्लव की ओर से कहा गया है कि राज्य सरकार जनता की उम्मीदों पर पुरी तरह खरी नहीं उतरी है। हेमंत सरकार ने चार साल पहले शपथ लेते ही खूंटी में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा हजारों आदिवासियों पर दायर किए गए मुकदमों को वापस लिए जाने का आदेश देकर एक प्रशंसनीय काम किया था। सरकार के इस फैसले का सभी लोकतांत्रिक शक्तियों ने स्वागत किया था। हालांकि कोरोना महामारी के चलते सरकार को अपना ध्यान उस समय इस महामारी से निपटने में लगाने के चलते कई जरूरी कामों को टालना एक मजबूरी भी थी। झारखंड में उन्माद पैदा कर उत्पात मचाने वाली सांप्रदायिक ताकतों से निपटने में भी हेमंत सरकार का प्रशासनिक रिकॉर्ड अच्छा रहा है। हेमंत सरकार के जन पक्षीय सभी कामों का माकपा ने केवल समर्थन ही नहीं किया बल्कि उसके पक्ष में मजबूती से खड़ी रही।

सुख-दुख की सच्चा साथी हैं किताबें : महुआ माजी

PHOTON NEWS RANCHI : किताबें सुख-दुख की सच्ची साथी हैं। दोस्ती करनी है तो किताबों से करिए वो कभी धोखा नहीं देतीं हैं। ये बातें शुक्रवार को जिला स्कूल मैदान में लगे राष्ट्रीय पुस्तक मेले के उद्घाटन के मौके पर राज्यसभा सदस्य महुआ माजी ने कही। समय इंडिया, नई दिल्ली के तत्वावधान में जिला स्कूल मैदान में 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला शुरू हो गया है। डॉ. महुआ माजी ने कहा कि झारखंड में साहित्य अकादमी की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगी और यथासंभव सांसद निधि से पुस्तकें खरीदी जाएं, इसकी व्यवस्था करूंगी। विशिष्ट अतिथि झारखंड ग्रामीण बैंक की निदेशक सह सुप्रसिद्ध कवयित्री डा. राजश्री जयंती ने कहा कि यूं तो दुनिया में इश्क होते हैं, किताबों से इश्क हो जाए तो बात बने। विचारों के क्रम को आगे बढ़ाते हुए सुप्रसिद्ध कवयित्री डा. वीना श्रीवास्तव ने कहा कि पुस्तकें ज्ञानवर्द्धन करती हैं। पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पांडेय ने कहा कि संसार में सर्वाधिक पवित्रतम वस्तु ज्ञान है।

विकसित भारत है संकल्प यात्रा का उद्देश्य : संजय

RANCHI : रांची के सांसद संजय सेठ वार्ड नंबर एक गोंडा के कांके में विकसित भारत संकल्प यात्रा में शुक्रवार को शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य देश की आजादी के 100 वर्ष होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाना है। इस उद्देश्य को पूरा करने में किसान, युवा, महिलाओं की अहम भूमिका होगी। जब तक देश के युवाओं की शक्ति को हम दिशा नहीं दे पाएंगे, तब तक हम विकास की कल्पना नहीं कर सकते। सेठ ने कहा कि उज्ज्वला योजना, पीएम सम्मन निधि, पीएम जीवन सुरक्षा बीमा, आयुष्मान भारत, और प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही इस यात्रा का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को इसका लाभ नहीं मिला है। जो अब तक वंचित रह गए हैं, उनको इसका लाभ प्राप्त हो, इस उद्देश्य के साथ मोदी की गारंटी वाली गाड़ी हर गांव, टोले, मोहल्ले तक जा रही है।

सुदेश महतो ने गिनाई सरकार की इतनी नाकामियां, चार साल में राज्य के हालात को सामने रखा

झारखंड के 10 सालों का भविष्य खराब कर दिया : सुदेश

PHOTON NEWS RANCHI : एक तरफ हेमंत सरकार के 4 साल पूरे हो रहे हैं, दूसरी तरफ विपक्ष सरकार की नाकामियों को गिनवाने का काम कर रही है। इसे लेकर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता की। सुदेश महतो ने कहा कि अब इसलिए किसी आम पब्लिक को एक छोटे से काम के लिए भी सरकार पर भरोसा नहीं रहा है। इस सरकार ने आने वाले झारखंड के 10 सालों के भविष्य को खराब कर दिया है। इसके लिए एक इमानदार सरकार को झारखंड पर 10 साल तक मेहनत करनी होगी। हेमंत सरकार ने राज्य में न वैकल्पिक रोजगार के अवसर दिए और न ही खड़े किए। प्रारंभिक काल में मुंबई-दिल्ली का दौरा तो हुआ, उद्योगपतियों को न्यौता तो दिया, लेकिन एक भी चिमनी तक खड़ी नहीं हो सकी। सुदेश महतो ने कहा कि आज हम

प्रेंस कांफ्रेंस कर सरकार की नाकामियों गिनाते सुदेश कुमार महतो।

हेमंत सरकार के 4 साल होने पर यही कहते हैं कि इन चार सालों में सरकार न नीति पर काम कर सकी, न ही नियोजन पर। सरकार न नियोजन नीति बना सकी, न उद्योग नीति बना सकी। इन अवसरों का लाभ लेने वाले नौजवान छात्रों पर इसका असर पड़ा है। इस राज्य में 7 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड बेरोजगार हैं। नौकरी न मिलने पर 8 लाख से ज्यादा पलायन कर गए। नीतियों के लिए मांग कर रहे पारा टीचर 4 साल पहले भी सड़क पर थे और आज भी सड़क पर ही हैं। सुदेश महतो ने कहा कि आज के अखबार में प्रचार पर मैंने देखा युवा झारखंड के बढ़ते कदम, लेकिन मैं कहना चाहता हूं, युवा झारखंड के भटकते कदम। 1932 की दुहाई देने वाली ये सरकार एक भी नौकरी नहीं दे सकी। चूंकि नीति बनी नहीं, तो नौकरी मिली नहीं। एसटी-एससी के वादे करने वाली सरकार अब षड्यंत्र पर उतर आई है। यर हर मुद्दे पर ध्यान भटकाने का काम कर रही है।

सुदेश महतो ने सरकार के चार साल पूरे होने पर एक वीडियो रिपोर्ट प्रस्तुत किया। इस वीडियो में सुदेश महतो ने प्वॉइंटर्स के माध्यम से सरकार की खामियां गिनाई है, जैसे :

- 5 लाख लोगों को रोजगार देने में फेल हुई सरकार
- हर प्रखंड में नशा मुक्ति केंद्र खोलने में नाकाम हुई सरकार
- शहीद के परिवार से एक-एक को नौकरी देने में नाकाम हुई सरकार
- शहीदों के परिवार को पेंशन देने में नाकाम हुई सरकार
- मॉडल स्कूल खोलने में नाकाम हुई सरकार
- बिना दोष के जेलों में बंद आदिवासियों को छुड़वाने में नाकाम हुई सरकार
- अतिक्रमण रोकने में नाकाम हुई सरकार
- विस्थापित लोगों को पुनर्स्थापित करने में नाकाम हुई सरकार
- अनुसूचित जनजातियों के हॉस्टल पुनरुद्धार में फेल हुई सरकार
- स्वास्थ्य सेवा बहाल करने में फेल हुई सरकार
- ट्रैफिक व्यवस्था बहाल करने में फेल हुई सरकार
- रिश्वतखोरी पर लगाम लगाने में फेल हुई सरकार
- अनुबंध कर्मियों को हक देने में फेल हुई सरकार, आदि।

2024 में छह खेलों की मेजबानी करेगा झारखंड, शिड्यूल जारी

PHOTON NEWS RANCHI : वर्ष 2024 में झारखंड को पहली बार राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिलेगा। 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत छह अलग-अलग प्रतिस्पधाओं की मेजबानी करने का राज्य को मौका मिलेगा। इन प्रतियोगिताओं में अनुमानतः 5,600 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे। जिन छह प्रतिस्पधाओं की मेजबानी राज्य को मिली है उनमें फुटबॉल अंदर 14 बालक-बालिका, कबड्डी अंडर 14 बालक, वुशु अंडर 17 एवं 19 बालक/बालिका, खो-खो अंडर 14 बालक-बालिका, साइक्लिंग अंडर 14,17 एवं 19 बालक-बालिका, स्केटिंग अंडर 11,14,14 एवं 19 बालक-बालिका शामिल हैं।

फुटबॉल का आयोजन 17 जनवरी, से 21 जनवरी, कबड्डी और वुशु का आयोजन 24 जनवरी से 28 जनवरी तक, खो-खो का आयोजन 31 जनवरी से चार फरवरी तक, साइक्लिंग का आयोजन आठ फरवरी से 12 फरवरी तक और स्केटिंग का आयोजन 15 फरवरी से 19 फरवरी तक होगा। ये सभी प्रतिस्पधाएं रांची में आयोजित होंगी। राज्य शिक्षा परियोजना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग ने बताया कि यह आयोजन राज्य के लिए गौरव की बात है। आयोजन के संदर्भ में शिक्षा सचिव के रवि कुमार और राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी का निरंतर मार्गदर्शन मिल रहा है। दोनों पदाधिकारियों के सकारात्मक विजन और टीम के निरंतर अभ्यास से हमें अपने होमग्राउंड में पहली बार हो रहे राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतिस्पधाओं में जीतने का मौका मिलेगा। इसे लेकर हम सभी काफी आशान्वित हैं।

BRIEF NEWS

सीतारामडेरा में ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना अंतर्गत कालिंदी बस्ती स्थित कालिंदी क्लब के पास ब्राउन शुगर बेच रहे रवि किशोर पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रवि के पास से 24 पुड़िया ब्राउन शुगर भी बरामद किया है। शुक्रवार को पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। रवि भुइंयाडीह का रहने वाला है। वह पूर्व में भी नशीला पदार्थ बेचने के आरोप में जेल जा चुका है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात वह कालिंदी क्लब के पास ब्राउन शुगर बेच रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के क्रम में उसके पास से 24 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया गया। फिलहाल पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

हत्या मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना अंतर्गत एसडीएसएम स्कूल के पीछे टेल्को कॉलोनी मिलेनियम पार्क के रहनेवाले चंद्रभूषण सिंह पर 31 दिसंबर 2022 की रात जानलेवा हमला किया गया था। इलाज के दौरान चंद्रभूषण की मौत हो गई थी। मामले में फरार चल रहे गुरप्रीत सिंह संधू उर्फ गोल्डी को सिदगोड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को पुलिस ने गुरप्रीत को जेल भेज दिया है। मामले में मृतक के पिता अरविंद सिंह के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। प्राथमिकी में अमित सिंह, विकाश पाठक, हिमांशु सिंह, विशाल सहिस, ऋतिक पांडेय, चिराग, राय टुडू व अन्य 4-5 अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया थी। अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

शहर में पांच दिनों तक होगी विशेष सुरक्षा, नए साल में अतिरिक्त बल होंगे तैनात

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में नए साल के आगमन को लेकर सुरक्षा की भी तैयारियां कर ली गई है। इसको लेकर शुक्रवार से आगामी पांच दिनों तक जिला पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा के इंतजाम किए गए है। इन पांच दिनों में सभी थानेदारों को अपने क्षेत्र में अलग-अलग समय पर एंटी क्राइम चेकिंग, एंटी ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग, पैदल गश्ती, अड्डेबाजों के लिए छापेमारी और रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक विशेष गश्त अभियान चलाने का आदेश दिया गया है। जानकारी देते हुए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि यह पांच दिनों का विशेष अभियान है जिसकी तैयारी की जा चुकी है। इसमें 153 स्थलों और खाली क्वार्टरों को चिन्हित किया गया है जहां अड्डेबाजी होने की संभावना हो सकती है।

आदित्यपुर 2 में नई पाइप लाइन से जलापूर्ति की मांग प्रशासक से मिले पुरेंद्र

JAMSHEDPUR : आदित्यपुर-2 में नई पाइप लाइन से जलापूर्ति किए जाने की मांग को लेकर आज आदित्यपुर- गम्हरिया विकास समिति का एक प्रतिनिधिमंडल आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में प्रशासक, आदित्यपुर नगर निगम आलोक कुमार (भा0 प्र0 से0) से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा है।

MISFF 2023 : अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की ज्यूरी में जमशेदपुर की सिने-विशेषज्ञ विजय शर्मा

क्रिटिक सर्किल ऑफ इंडिया आयोजित फेस्टिवल में विभिन्न देशों की 13 फिल्मों का किया गया प्रदर्शन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मुंबई स्टूडेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की ज्यूरी ने इस समारोह में विभिन्न देशों की 13 फिल्मों का अवलोकन किया और पोलैंड की फिल्मों का चुनाव ज्यूरी की सदस्यों ने किया। तीन सदस्यीय ज्यूरी में डा. विजय शर्मा भी एक थीं। जमशेदपुर फेम समालोचक, लेखक व फिल्म समीक्षक डॉ. विजय शर्मा की पहचान फिल्म इंडस्ट्री के लिए कोई नई नहीं है। हाल में सम्पन्न हुए मुंबई स्टूडेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में डॉ विजय शर्मा ज्यूरी में शामिल रहीं। उनके साथ असम की कई फिल्म समारोह की डॉयरेक्टर रह चुकीं मोनिटा बोरोगोहान तथा रोमानिया से डैनिएल्स रोगोबेटा शामिल थी।

विजय शर्मा।

समारोह में शामिल अन्य सदस्य। • फोटोन न्यूज

लोटो 43 फिल्म का अवलोकन।

ज्यूरी ने पोलैंड की फिल्मों का किया चुनाव : मुंबई स्टूडेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की ज्यूरी ने इस समारोह में विभिन्न देशों की 13 फिल्में देखी। समारोह में सम्मानित करने के लिए बेस्ट शॉर्ट फिक्शन फिल्म के रूप में पोलैंड की रिजरक्शन और ज्यूरी स्पेशल मेंशन के रूप में समर 43 का चुनाव किया गया। इस फिल्म फेस्टिवल का आयोजन फिल्म क्रिटिक सर्किल ऑफ इंडिया की ओर से किया गया था।

जानें डॉ. विजय शर्मा के बारे में : फिल्म समालोचक व लेखिका डॉ. विजय शर्मा की 25 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है। इनमें दस पुस्तकें फिल्मों पर ही आधारित हैं। देश के नामचीन पत्र-पत्रिकाओं में डॉ. विजय शर्मा के लेख प्रकाशित होते रहे हैं। साथ ही आकाशवाणी से भी डॉ. विजय शर्मा की पुस्तक व फिल्म समीक्षाएं प्रसारित होती रही हैं। वे लोयोला कॉलेज ऑफ एजुकेशन जमशेदपुर से रिटायर्ड एसोसिएट प्रोफेसर हैं। वर्तमान में वे सेंट्रल यूनिवर्सिटी और एकेडमिक स्टाफ कॉलेज की विजिटिंग प्रोफेसर हैं।

पहले भी रहीं हैं ज्यूरी में : डॉ. विजय शर्मा इसके पूर्व भी फिल्म फेस्टिवल में बतौर ज्यूरी अपना दायित्व निभा चुकी हैं। इस साल अगस्त महीने में 7वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल सिनसिनाटी-23 का आयोजन किया गया था। इसमें डॉ. विजय शर्मा ज्यूरी में थीं। द इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ सिनसिनाटी अपनी ही तरह का सिनसिनाटी और ओहायो में होनेवाला एकमात्र साउथ एशयन फिल्म समारोह है। इस समारोह में साउथ एशिया में बनीं लघु फीचर फिल्मों व डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया जाता है।

सुबह से लगा एनएच 32 पर जाम, रेंगते रहे वाहन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : चांडिल बाजार में शुक्रवार सुबह से ही एनएच 32 पर जाम की स्थिति है। टाटा-धनबाद राष्ट्रीय राजमार्ग 32 पर वाहन रेंगते हुए चल रही है। सड़क पर करीब 10 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी। बताया जा रहा है कि पितकी रेलवे फाटक के पास सड़क मरम्मत का काम किया जा रहा है। सड़क के आधे भाग को खोदकर फिर से बनाया जा रहा है। वहीं लगभग हर दस मिनट के अंतराल पर रेलगाड़ी के गुजरने के कारण फाटक बंद हो रहा है। ऐसे में सड़क पर वाहनों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। सड़क पर जाम की स्थिति बने रहने के कारण चांडिल बाजार में खरीदारी पर व्यापक असर पड़ा है। यात्री परेशान है और आम लोगों को भी इससे कठिनाई हो रही है।

विदित हो कि चांडिल क्षेत्र की जनता लंबे समय से खस्ताहाल सड़क की मरम्मत कराने की मांग कर रहे थे। इसके बाद एनएचएआई ने सड़क मरम्मती के लिए निविदा निकाला। पिछले दिनों सांसद संजय सेठ और विधायक सविता महतो ने सड़क मरम्मती कार्य का विधिवत शिलान्यास किया था। वर्तमान में चांडिल गोलचक्कर से जामडीह तक बदहाल सड़क की मरम्मत का काम किया जा रहा है।

उरांव समुदाय पूरी श्रद्धा व पूर्वजों के बनाए नेग नियम के साथ कल मनाया हड़बोड़ी

PHOTON NEWS CHAIBASA : आदिवासी उरांव समाज संघ की बैठक शुक्रवार को कुडुख सामुदायिक भवन पुलहातु में संचु तिर्की की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आगामी 31 दिसंबर को उरांव समुदाय के द्वारा मनाए जाने वाले हड़बोड़ी के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान सभी मुखियागणों से मसना की वार्षिक सहयोग राशि के संबंध में जानकारी ली गई। मसना समिति के सचिव राजु तिग्गा ने जानकारी देते हुए कहा की मसना की साफ-सफाई का कार्य पूर्ण हो चुका है। चाहर दीवारी का रंग-रोंगन का कार्य हो चुका है। संघ के अध्यक्ष संचु तिर्की ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष भी हड़बोडी पूरी श्रद्धा एवं पूर्वजों के द्वारा बनाए गए नेग नियम के साथ मनाया जाएगा। संघ के सचिव अनिल लकड़ा ने कहा कि हड़बोड़ी में हम सभी अपने पूर्वजों को याद करते हैं उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करते हैं साथ ही अपने परिवार के सुख समृद्धि के लिए आशीष मांगते हैं ' लकड़ा ने सभी मुखियागणों से आग्रह किया कि 31 दिसंबर को 2 बजे अपराह्न अधिक से अधिक संख्या में उरांव मसना स्थल में पहुंचे एवं हड़बोड़ी अनुष्ठान कर अपने पूर्वजों से पुण्य के भागी बने। बैठक में मुख्य रूप से बाबुलाल बरहा, लालू कुजूर, लक्ष्मण बरहा, दुर्गा खलखो, भगवान दास तिर्की, संचु तिर्की, धर्मा तिग्गा, गणेश कच्छप, विजय लक्ष्मी लकड़ा, लक्ष्मी कच्छप, निर्मला लकड़ा, सावित्री कच्छप, तीजो तिर्की, पंकज खलखो, शंभू कच्छप, खुदिया कुजूर, महावीर बरहा, राजकमल लकड़ा, मोहन बरहा, भीम बरहा, विरेंद्र उरांव आदि उपस्थित थे।

बैठक में शामिल समुदाय के लोग। • फोटोन न्यूज

एजेंट के घर के अलमीरा में रखे कलेक्शन के ₹17 लाख गायब

अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बागबेड़ा कॉलोनी रोड नंबर-1 स्वास्तिक वाटिका निवासी कोहिनूर कंपनी के कलेक्शन एजेंट सत्येंद्र सिंह के घर से चोरों ने 17 लाख नकद की चोरी कर ली। घटना मंगलवार रात की है। बुधवार की देर शाम को बागबेड़ा थाने में कंपनी के पदाधिकारी कदमा रामजन्मनगर निवासी दिलीप कुमार ठाकुर के बयान पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। जांच में पाया गया है कि सत्येंद्र सिंह के घर का सीसीटीवी कैमरा चार माह से खराब है।

सभी बिंदु पर जांच जारी है। सत्येंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि 26 दिसंबर की रात उनका बेटा सन्नी जिम से लौटा और घर का मेनगेट बंद करना भूल गया। बुधवार की सुबह नींद खुली तो देखा कि अलमीरा खुला है और उसमें रखा कलेक्शन का 17 लाख रुपए गायब है। इसके बाद जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस को जांच में चोरी का नहीं मिला सुराग : 26 दिसंबर की रात को कलेक्शन एजेंट के घर की अलमीरा से 17 लाख चोरी की शिकायत मिली है। छानबीन में चोरी का कोई सुराग नहीं मिला। घर का सीसीटीवी कैमरा भी खराब है। सभी बिंदू पर जांच की जा रही है। -अखिलेश मंडल, थाना प्रभारी बागबेड़ा।

कंपनी में पांच साल से कर रहे काम : सत्येंद्र सिंह चां?डल स्थित कोहिनूर स्टील कंपनी में पिछले पांच साल से कलेक्शन एजेंट का काम करते हैं। 26 दिसंबर को उन्होंने जुगसलाई और आसपास के इलाके से कंपनी के बकाया राशि को कलेक्ट किया था। बुधवार को घटना की जानकारी सत्येंद्र सिंह ने कंपनी के अधिकारी को फोन पर दी। कंपनी के अधिकारी दिलीप कुमार ठाकुर ने पहुंचकर अपने स्तर से छानबीन की और फिर बागबेड़ा थाने में अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस इस मामले में सत्येंद्र से भी छानबीन कर रही है।

तीन दिवसीय ताइक्वांडो प्रशिक्षण का शुभारंभ समाजसेवी ने पंच मार कर किया शुरूआत

PHOTON NEWS CHAIBASA : बिरसा मुंडा ताइक्वांडो अकैडमी चाईबासा की ओर से शुक्रवार से बिरसा मुंडा इंडोर स्टेडियम के परिसर में तीन दिवसीय ताइक्वांडो प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। इसका शुभारंभ उरांव समाज रक्तदान समूह के मुख्य संचालक लालू कुजूर ने पंच मारकर किया। इस शिविर में लगभग 50 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मौके पर श्री कुजूर ने कहा कि जिस तरह बिरसा मुंडा ताइक्वांडो अकैडमी के खिलाड़ी अपना प्रदर्शन कर रहे हैं, सचमुच प्रशंसनीय है। विगत दिनों जमशेदपुर में आयोजित प्रतियोगिता तीनों जिला के खिलाड़ियों के बीच में अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन करते हुए मेडल प्राप्त की है। मैं सभी खिलाड़ियों को बधाई देता हूं। मैं विशेष रूप से क्लब के मुख्य कोच का निर्देशक विजय प्रताप के साथ उनके सहयोगी कोच को धन्यवाद देता हूं कि अपने खिलाड़ियों को विभिन्न विधाओं को लेकर प्रशिक्षण दे रहे हैं। मैं यह भी मानता हूं कि हमारे यहां प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है कि उचित मंच, उचित व्यवस्था मिले। इस शिविर में जुड़ी एक निर्धन खिलाड़ी को श्री कुजूर के द्वारा ताइक्वांडो ड्रेस भी प्रदान किया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि मैं अपनी ओर से यह आश्वासन देता हूं कि जब कभी भी मेरी आवश्यकता पड़ेगी मैं हमेशा तत्पर रहूंगा। इस मौके पर मुख्य कोच विजय प्रताप ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा की खिलाड़ियों को अच्छे कोच से प्रशिक्षण दिलाते हुए एक अच्छा माहौल प्रदान कर पाए। शिविर में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए रांची से ताइक्वांडो नेशनल प्लेयर जयश्री मुंडा ने बच्चों को फाइटिंग टैंकिंग एवं पुमसे के बारे में बताया। शिविर को सफल बनाने में कोच भोलू रजक, विलियम्स, जेम्स हेंब्रम, बासु शाह, मनीष कुमार, विवेक खलखो, रूपेश कुमार आदि योगदान दे रहे हैं।

पंच मारकर शिविर की शुरुआत करते अतिथि। • फोटोन न्यूज

बीएमएस का प्रांतीय अधिवेशन धुर्वा में आज से

CHAIBASA : 30 एवं 31 दिसंबर को भारतीय मजदूर संघ, झारखण्ड प्रदेश की प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर, धुर्वा, रांची में होने जा रहा है। इस अधिवेशन में भाग लेने के लिये पश्चिमी सिंहभूम जिला भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधि के रूप में अमित कुमार झा, शिव शंकर सिंह, धनुर्जय लागुरी मेघाहातुबुरु से राँची के लिये रवाना हुये। बीएमएस के मजदूर नेता अमित झा ने बताया की 30 और 31 दिसंबर को सरस्वति शिशु मंदिर, धुर्वा में भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश का आठवां त्रैवार्षिक अधिवेशन आयोजित होगा, जिसमें मजदूरों के वेतन, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार गारंटी को लेकर विशेष प्रस्ताव आने वाला है। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण के मजदूर के लिए जिस प्रकार से कल्याण बोर्ड गठित है, उसी प्रकार से मोटिया मजदूरों के लिए भी कल्याण बोर्ड गठित हो ताकि उनकी सामाजिक सुरक्षा की जाए। जो मिनिमम वेज झारखंड सरकार की है उसको लेकर भी विषय आयेगा की जो सरकार ने तय किया है वह आज की महंगाई में बहुत कम है। जीवन यापन करना भी कठिन हो रहा है।

पंपिंग स्टेशन का निर्माण युद्ध स्तर पर शुरू

PHOTON NEWS CHAIBASA : सेल की किरीबुरु खदान प्रबंधन के सिविल विभाग के महाप्रबंधक डीबी जयकर की देखरेख में सेल अस्पताल के नीचे खाई में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का पम्पिंग स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया है। इस स्टेशन निर्माण का मुख्य कार्य किरीबुरु टाउनशिप स्थित सेलकर्मियों के आवासों के शौचालयों से निकलने वाला सीवरेज लाइन का गंदा पानी को खींच कर पाइप के सहारे लगभग 400 मीटर दूर बिरसा स्मारक के नीचे निमार्णाधीन एसटीपी में भेजेगा। इस गंदा पानी को एसटीपी में फिल्टर व अन्य प्रोसेस कर उसका पुनः उपयोग हेतु बनाया जायेगा। पहले सीवरेज लाइन का गंदा पानी बिरसा स्मारक के नीचे बनाया गया स्टोरेज टैंक में जाता था।

निर्माण कार्य में लगे लोग। • फोटोन न्यूज

वहां से ओवर फ्लो होकर भूमिगत व विभिन्न जलस्त्रोतों को प्रदूषित करता था। लेकिन इसके निर्माण से इस दूषित पानी का पुनः रिसाइकिल अथवा फिल्टर कर उसका उपयोग विभिन्न पार्कों के पौधे को पटाने व अन्य कार्यों के लिये किया जा सकेगा। इससे स्वच्छता व लोगों के स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। इस कार्य पर करोड़ों रुपये खर्च किये जा रहे हैं। ऐसा ही एसटीपी किरीबुरु के मुगार्पाड़ा क्षेत्र में और सेल की मेघाहातुबुरु खदान प्रबंधन द्वारा मेघा क्लब के नीचे जंगल में अलग-अलग तीन स्थानों पर बनाया जा रहा है। महाप्रबंधक डी बी जयकर ने कहा कि पम्पिंग स्टेशन से टाउनशिप का सीवरेज लाइन का दूषित पानी एसटीपी में भेजा जायेगा। यह स्टेशन का निर्माण अत्यन्त जरुरी था।

खरकाई व तोरलो नदी से दिनदहाड़े अवैध बालू का हो रहा उठाव

PHOTON NEWS CHAIBASA : नदियों का अस्तित्व खतरे में है। बालू माफिया और अफसरों के गठजोड़ से दिन-रात खरकाई व तोरलो नदी से अवैध रूप से बालू खनन किया जा रहा है। जिले का खनन विभाग अवैध बालू के खनन, तस्करी समेत ढुलाई रोकने में पूरी तरह विफल है। जिम्मेदार अफसर एयरकंडीशनर चैंबरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। इससे दिनदहाड़े तांतनगर प्रखंड के पंचायत कोकचो इलिगड़ा व कुलाबुरू स्थित खरकाई नदी व चिटिमिटी के तोरलो नदी से रोजाना सुबह से दिन भर 100 से भी ज्यादा ट्रैक्टरों से बालू का अवैध कारोबार किया जा रहा है। इससे सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है।

मानगो एनएच 33 स्थित वसुन्धरा एस्टेट में चल रहे श्री शिवकथा महोत्सव ज्ञान यज्ञ का चौथा दिन

मंदिरों में गौ माता के लिए रखना चाहिए दान पात्र : वृजनंदन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मानगो एनएच 33 स्थित वसुन्धरा एस्टेट में चल रहे श्री शिवकथा महोत्सव ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन शुक्रवार को वृन्दावन से पधारे कथा वाचक स्वामी वृजनंदन शास्त्री महाराज ने श्री गणेश महिमा, पार्वती मंगल, शिव पार्वती विवाह, विश्वनाथ मल्लिका और भगवान भोलेनाथ की परम भक्त सेवंती की कथा का विस्तार से वर्णन किया। कहा कि भगवान शंकर और पार्वती के विवाह का प्रसंग बहुत मंगलकारी है। जो इस कथा को सुनता है, उसके मनोरथ पूर्ण होते हैं। महाराज जी ने कहा कि सेवंती की तरह अगर भगवान शिव पर श्रद्धा और विश्वास हो तो निश्चित ही शिव कृपा होगी। गुरुजी ने गौमाता के संरक्षण हेतु कहा कि हर मंदिर में एक दान पात्र गौ माता की सेवा के लिए रखना चाहिए। धर्म को बचाने के लिए धन की आवश्यकता होती है। उन्होंने सेवा को सबसे बड़ा शस्त्र बताया। कार्तिकेय भगवान गणेश से उम्र में बड़े हैं। लेकिन एक श्राप के कारण कार्तिकेय हमेशा बाल्य रूप में रहते हैं। महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी से शिव पुत्र गणेश कार्तिक महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि धरती में 1 मुख से 14 मुख तक के रुद्राक्ष होते हैं और सभी रुद्राक्ष अलग-अलग होते है। उन्होंने रुद्राक्ष की महिमा का गुणगान किया।

आज विभिन्न राजनीतिक एंव सामाजिक संगठन के गणमान्य क्रमशः बारी मुर्मू, पंकज सिन्हा, रामबाबू तिवारी, डॉ संतोष गुप्ता, विजय आनन्द मूनका, पुनित कांवटिया, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, अंशुल रिंगसिया, विनोउ शर्मा, दीपक गुप्ता देवेंद्र सिंह, विजय सिंह, बबुआ मिश्रा, सुमीत शर्मा, उपेंन्द्र गिरी, रवींद्र सिंह, डॉ अजय मिश्रा, अभय कुमार चौबे, बंटी सिंह, शंकर रेड्डी बम सिंह अमित राज सिंह, राकेश सिंह, महेंद्र पांडेय, कमलेश दूबे, प्रभू नारायण, रामेश्वार सिंह, अरूण पांडेय, नितिन त्रिवेदी, विजय तिवारी, सत्यप्रकाश सिंह, राजू प्रजापति, अरुण चौबे, प्रेम चंद्र भगत, रौशन सिंह, विकास दूबे, गौतम प्रसाद, गणेश दूबे, शुभम सेन, आदि ने शिव और बांके बिहारी के दरबार में हाजरी लगायी और कथा का आनन्द लिया। साथ ही स्वामी वृजनंदन शास्त्री से आशीर्वाद लिया और झारखंड के विकास की प्रार्थना की।

स्वामी वृजनंदन शास्त्री।

ज्ञान यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालु। • फोटोन न्यूज

शिवरात्री को ही शिव जी वैरागी जीवन छोड़ गृहस्त हुए थे

शास्त्री जी ने भगवान शिव और पार्वती विवाह की कथा विस्तार से सुनाई। महाशिवरात्री के दिन भगवान शिव और माता पार्वती विवाह के बंधन में बंधकर सदा के लिए एक हो गए थे। महाशिवरात्री के दिन को बेहद खास माना जाता है क्योंकि इसी दिन शिव जी वैरागी की जीवन छोड़कर गृहस्थ हो गए थे। माता पार्वती को सती का रूप माना गया है और शिव-शक्ति के मिलन का यह संयोग नियति ने पहले ही तैयार कर रखा था। भगवान शिव और पार्वती माता के विवाह का आयोजन बड़े ही भव्य तौर पर हुआ था जिसमें सभी को आने का निमंत्रण था। इस विवाह में शिव की बारात बहुत खास थी। ऐसा कोई प्राणी, पशु और पक्षी नहीं था जो शिव के साथ होकर पार्वती माता के घर बारात में न गया हो। महाराज जी ने कथा के माध्यम से भगवान श्री शिव के अलग-अलग रूपों की जीवंत झांकियों का दर्शन कराया। शिव कथा के दौरान हुए भजन संगीत कार्यक्रम एवं धार्मिक धुन पर श्रद्धालुओं ने नृत्य किया। आज के यजमान किरण-उमाशंकर शर्मा थे। महाराज जी पांचवें दिन शनिवार को महादेव को अर्पित विल्वपत्र महिमा का प्रसंग सुनायेंगे। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में कृष्ण शर्मा काली, जयप्रकाश शर्मा, गोविन्दा शर्मा, राखी शर्मा, रवि शर्मा, चंदन शर्मा, शत्रुधन शर्मा, श्रवण शर्मा का योगदान रहा।

आरपीएफ ने दो टन स्क्रैप के साथ दो को पकड़ा, भेजा जेल

राम मड़ैया स्क्रैप टाल में खपाया जा रहा था रेलवे का स्क्रैप

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) आदित्यपुर पोस्ट ने दो शातिर बदमाशों को चोरी के रेलवे के सामानों के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। गिरफ्त में आए दोनों युवक जमशेदपुर जुगसलाई के रहनेवाले हैं। इनका नाम मोहम्मद सलाउद्दीन उर्फ राजा और मोहम्मद कलीम बताया जाता है। बता दें कि आदित्यपुर थाना क्षेत्र के राम मड़ैया बस्ती में अवैध टाल चल रहे हैं जिसमें चोरी के वाहनों की कटिंग और रेलवे के चुराए स्क्रैप को बेचा जाता है। आरपीएफ आदित्यपुर पोस्ट ने इसी टाल पर छापेमारी कर दोनों आरोपियो को रेलवे के स्क्रैप के साथ गिरफ्तार किया है। रेल पुलिस ने बताया कि इनके पास से करीब दो टन रेलवे का स्क्रैप बरामद हुआ है।

रेल पुलिस इस गिरोह के सरगना की तलाश में जुटी है। बताया जाता है कि राम मड़ैया बस्ती में बड़े पैमाने पर रेलवे के स्क्रैप की खरीद बिक्री का धंधा चल रहा है। रेलवे लाइन से सटे होने के कारण जमशेदपुर और आदित्यपुर के बीच रेलवे के सामानों को उतारा जाता है और यहां से स्क्रैप टाल की आड़ में रेलवे का सामान खपाया जाता है। रेल पुलिस इसको लेकर लगातार नजर बनाए हुए है। रेल पुलिस की इस छापेमारी से स्क्रैप माफियाओं में हड़कंप मच गया है चूंकि आदित्यपुर थाना क्षेत्र में विगत कुछ दिनों से ताबड़तोड़ स्क्रैप टाल चलाये जा रहे हैं जहां चोरी के वाहन और रेलवे के स्क्रैप खपाये जा रहे हैं।

घने कोहरे से ढंका बिहार, लोग ठिठुरे

पटना नहीं उतरी एक भी फ्लाइटः नए साल में सताएगी सर्दी, 2 जनवरी को राजधानी समेत 12 जिलों में बारिश के आसार

पटना। बिहार में मौसम का मिजाज अब धीरे-धीरे बदलना शुरू हो गया है। गुरुवार की सुबह कई जिले में घना कोहरा देखने को मिला। पटना, गया, जहानाबाद, बगहा, गोपालगंज, बेतिया में सुबह से कोहरा छाया है। विजिबिलिटी काफी कम है। लोग फॉग लाइट की मदद से सड़कों पर गाड़ियां चला रहे हैं। हालांकि तापमान में गिरावट नहीं होने से ठंड में कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा। कोहरे के चलते पटना एयरपोर्ट पर दोपहर 12 बजे तक कोई फ्लाइट लैंड नहीं हो पाई है। मौसम विभाग के अनुसार बांग्लादेश और आसपास के इलाके में बना चक्रवातीय हवाओं का क्षेत्र अब दक्षिण बांग्लादेश और आसपास के एरिया पर स्थित है और समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। वहीं एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव 30 दिसंबर से उत्तर पश्चिम भारत पर पड़ने की संभावना है। 2 जनवरी को इसका असर बिहार के मैदानी भाग पर पड़ेगा। इससे दक्षिण-पश्चिम बिहार के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल और दक्षिण मध्य बिहार के पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद जिले के एक-दो स्थानों पर बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिन मौसम शुष्क ही बना रहेगा। वहीं पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस फारबिसगंज का और सबसे कम न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस गया का दर्ज किया गया। वहीं गुरुवार को पटना का न्यूनतम तापमान 13.3 डिग्री और अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जबकि राज्य का औसत अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री और औसत न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा। पटना की हवा एक बार फिर से बेहद ही प्रदूषित हो गई है। पिछले तीन दिनों से पटना का अदक लेवल लगातार बढ़ता ही जा रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार पटना का अदक312 दर्ज किया गया है। वहीं भागलपुर का अदक368, सहरसा 357, छपरा 337,मुजफ्फरपुर 274, अररिया 251, सासाराम 241, पूर्णिया 234, मोतिहारी 213, आरा 337, कटिहार 327, पटना 312, मुंगेर 302, राजगीर 291, हाजीपुर 285 और गया का अदक 280 रिकॉर्ड किया गया है। घने कोहरे के चलते एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स के उतरने पर ब्रेक लग गया है। शुक्रवार को एक भी फ्लाइट पटना एयरपोर्ट पर नहीं उतरी है। एयरलाइंस कंपनियों ने यात्रियों को इसकी जानकारी मैसेज के जरिए दे दी है। अगर विजिबिलिटी इसी तरह बनी रही तो आज कोई फ्लाइट लैंड नहीं हो सकेगी। हालांकि, दिल्ली से आने वाली विस्तारा की फ्लाइट संख्या यूके 717 के पटना 3 घंटे लेट यानी 1 बजे उतरने की संभावना है। विजिबिलिटी ठीक हुई तो ये संभव होगा। अगर ये फ्लाइट उतरती है तो ये आज पटना एयरपोर्ट पर उतरने वाली पहली फ्लाइट होगी। कोहरा और विजिबिलिटी कम रहने पर भी स्मूथ लैंडिंग के लिए जरूरी है इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम।

मजदूरों को सुरक्षित थर्मल पावर प्लांट तक पहुंचाया जाएगा

बक्सर। चौसा के निमार्णाधीन 1320 मेगा वॉट थर्मल पावर प्लांट का कार्य प्रभावित होने के बाद सूचना पर जिला प्रशासन एक्टिव हो गया है। कंपनी के साथ डीएम से बात कर मजदूरों को बुलाने की बात कही है। प्रशासन का कहना है कि थर्मल पावर प्लांट के निर्माण में कार्य कर रहे मजदूरों की कॉलोनी की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। साथ ही सुरक्षित उन्हें थर्मल पावर प्लांट तक पहुंचाने और फिर वहां से वापस लाने का प्रबंध किया जाएगा। ऐसे में कार्यकारी कंपनी के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जल्द से जल्द कार्य शुरू कराई जाए। ADM प्रमोद कुमार के नेतृत्व में सदर रउ्द धीरेंद्र कुमार मिश्र, चौसा सीओ और मुफस्सिल थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने चौसा थर्मल पावर प्लांट पहुंचकर अधिकारियों से बातचीत की। साथ ही मुख्य कार्यकारी कंपनी लार्सन एंड टुब्रो के अधिकारियों से मुलाकात की। मजदूरों की बस्तियों में पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने छ&ळ के अधिकारियों को कहा कि जल्द से जल्द मजदूरों को बुलाया जाए ताकि निर्माण कार्य शुरू हो सके। SDM धीरेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि जानकारी मिली थी कि चौसा थर्मल पावर प्लांट के मजदूरों को कुछ सामाजिक तत्वों द्वारा धमका कर भगाया जा रहा है। जानकारी मिलते ही तुरंत इस संबंध में कम्पनी से मिलकर मामले की जांच की गई। अधिकारियों से बातचीत की गई। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि यदि इस तरह की बात थी तो उन्हें सीधे प्रशासन को सूचित करना चाहिए था। रउ्द ने कहा कि इस बात की भी जांच की जाएगी कि किन परिस्थितियों में इतनी बड़ी संख्या में मजदूर पलायन कर गए हैं। स्थानीय मजदूर कार्य करने क्यों नहीं पहुंच रहे?

इंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों और वंशवादियों की जमात

कैमूर । सर्किट हाउस भभुआ पहुंचे नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा इंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों और वंशवादीयो की जमात है। इनकी 6 दलों की गठबंधन है। ये लोग कितने भी दल का गठबंधन कर ले लेकिन उनका पाप नहीं धूलेंगा। जनता इन पर विश्वास नहीं करेगी । बिहार में प्रशासनिक अराजकता के कारण अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। पूरे बिहार के साथ कैमूर में भी कई हत्याएं हो चुकी है। पूरे बिहार में हत्या और अपहरण का दौड़, लूट, डकैती चल रहा है और पुलिस डकैती को चोरी में कन्वर्ट कर देती है। हत्या को दुर्घटना दिखाया जाता है तो कहीं आपसी विवाद और प्रेम प्रसंग में हत्या दिखाया जा रहा। थाना और पुलिस की यह मानसिकता उनकी विश्वसनीयता को खत्म कर रहा है। शासन में बैठे लोगों के दबाव के कारण आज खुलकर बालू और दारू माफियाओं का मनोबल बढ़ गया है कि अब दरोगा की हत्या हो रहा है। प्रशासन उनसे डरा सहमा है। एक्सीडेंट में कोई मरता है तो हम लोग की सरकार में हाथों हाथ चेक मिलता था। लेकिन इनके रीजन में सुनवाई के बाद समीक्षा होगी तब पैसा दिया जाता है। जबकि आपदा और संकट में तुरंत लाभ पहुंचाना होता है । यह सरकार सत्ता की आपसी लड़ाई में पूरी तरह से डिरेल हो चुकी है और बिहार अराजकता का शिकार हो चुका है। जदयू और राजद में विलय अब नया क्या होगा यह दोनों का पहले ही विलय हो चुका है। दोनों की विचारधारा और मानसिकता एक है। भ्रष्टाचार और अपराध को पोषित करने का इनका स्वभाव और चरित्र है कोई भी यह गठबंधन कर ले चरित्र पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

टीचर ने प्रिंसिपल पर लगाया छेड़खानी का आरोप

मुंगेर । एक महिला टीचर ने स्कूल के प्राचार्य पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। यूपी की रहने वाली महिला की बीपीएससी शिक्षक के तौर पर मिडिल स्कूल में पोस्टिंग हुई है। टीचर का कहना है कि प्रिंसिपल ने अकाउंट नंबर मांगने के बहाने बुलाया। फिर हाथ पकड़ने लगे, मैंने पूछा क्या कर रहे हैं तो गाल खींच कर कहने लगे मिठाई कब खिलाओगी। इधर घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीण आग बबूला हो गए और विद्यालय पहुंचकर प्रधानाचार्य की जमकर पिटाई कर दी। जिसके बाद ग्रामीणों ने प्रधानाचार्य को स्कूल के एक कमरे में लगभग 1 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। वही घटना की जानकारी लगते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर आरोपी प्रधानाचार्य और आरोप लगाने वाले शिक्षिका को साथ लेकर थाने पहुंची और दोनों से पूछताछ की। इस घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच काफी आक्रोश है। जिसे पुलिस पदाधिकारी के द्वारा शांत कराने का प्रयास किया जा रहा है। जमालपुर प्रखंड के फरदा जगदंबापुर मध्य विद्यालय में शुक्रवार की सुबह स्कूल में पहुंची यूपी (बनारस) निवासी बीपीएसी की एक शिक्षिका ने प्रधानाध्यपक धर्मेंद्र कुमार पर छेड़खानी का आरोप लगाया। जिसके बाद शिक्षिका की बात को सुनकर ग्रामीण आग बबूला हो गया और प्रधानाध्यापक का विरोध शुरू कर दिया। जिसके बाद ग्रामीणों ने प्रधानाचार्य के साथ मारपीट भी की और स्कूल के कमरे में ही बंधक बना लिया। हालांकि प्रधानाचार्य पर आरोप लगाने वाले शिक्षिका ने बताया कि उसके साथ 22 दिसंबर को भी प्रधानाचार्य ने छेड़खानी की गई थी। जिसमें प्रधानाचार्य ने उसे कमरे में बुलाकर उसका हाथ पकड़ लिया था और चेहरे पर हाथ सहलाया था। प्रधानाध्यापक ने कहा कि छुट्टी नहीं देने पर शिक्षिका ने यह आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलने पर सफियासराय पुलिस स्कूल पहुंच चुकी है और मामले की छानबीन में जुटी है।

चुनाव से पहले लालू पर बन रही फिल्म

पटना। लालू प्रसाद पर नई फिल्म बनी है 'लाला का लालटेन'। लोकसभा चुनाव से पहले यह फिल्म आ रही है। इस फिल्म की शूटिंग गुजरात में हुई है। लालू का किरदार निभा रहे यश उनसे कभी मिले नहीं हैं, लेकिन हूबहू उन्होंने फिल्म में लालू को कॉपी करने की कोशिश की है। इस फिल्म का फेमस डायलॉग है आज से कुर्ता नीचे, गंजी ऊपर होगी। आरजेडी नेता लालू प्रसाद की बायोपिक भोजपुरी में है। फिल्म 2 घंटे 25 मिनट की है। 30 दिसंबर को फिल्म टीवी पर आएगी। लालू प्रसाद को इसमें लाला यादव कहा गया है। पात्रों के नाम बदले हुए हैं, लेकिन लालू प्रसाद के बचपन से लेकर छात्र जीवन होते हुए मुख्यमंत्री बनने तक की कहानी इसमें है। लालू प्रसाद की भूमिका में बिहार के यश कुमार हैं। राबड़ी देवी की भूमिका में स्मृति सिन्हा हैं। विपक्षी नेता की भूमिका में संजय पांडेय हैं। जयप्रकाश नारायण की अभिनय अनूप अरोड़ा ने निभाई है। फिल्म में सात गाने भी हैं। धनंजय मिश्रा फिल्म के संगीतकार हैं। दिलचस्प यह कि फिल्म की शूटिंग नरेन्द्र मोदी के गृह क्षेत्र गुजरात में हुई है। बिहार से कुछ फुटेज भर लिए गए हैं। लालू प्रसाद और नरेन्द्र मोदी के बीच राजनीति में छत्तीस का संबंध रहा है। जानकारी है कि बिहार में फिल्म बनाने का स्कोप नहीं के बराबर है इसलिए इसकी शूटिंग गुजरात में की गई है। कुछ दिन पहले तेजस्वी यादव ने बिहार में फिल्म पॉलिसी लाने की बात कही है। 'लाला का लालटेन' फिल्म के निमार्ता सुमन शर्मा हैं और निर्देशित किया है धीरू यादव ने। लाला यादव का यह डायलॉग फिल्म में जान फूंकने वाला है कि 'लाला यादव का आज से यही मुहिम होगा कुर्ता नीचे और गंजी ऊपर।' फिल्म में लालू प्रसाद के परिवार की गरीबी तो दिखाई ही गई है।

बुजुर्ग की दबंगों ने की पिटाई

गया । चंदौती थाना ks केशरू धर्मपुर गांव में एक वृद्ध को गांव के ही दबंगों ने घर में घुसकर पीटा है। बीच बचाव करने आए परिजन को भी पिटाई कई गई है ।बताया जाता है कि पैक्स में पीड़ित ने 184 बोरा धान बिक्री के लिए दी थी। उसके पैसे बार-बार मांगने पर भी नहीं दिए जा रहे थे। इसी क्रम में पीड़ित ने इसकी शिकायत जिला मुख्यालय में कर दी। इसके बाद केशरु धर्मपुर गांव स्थित पैक्स गोदाम का निरीक्षण और मामले की जांच पड़ताल करने संबंधित पदाधिकारी पहुंच गए। तो वृद्ध ने उनके सामने ही बकाया धान के पैसे की मांग की। इसके बाद दबंगों ने वृद्ध की घर में घुसकर जमकर मारपीट की। परिजन और गांव वालों के सहयोग से घायल को इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में ले जाया गया। पीड़ित ने कहा पिटाई करने वालों में पैक्स अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद पिता अली अहमद, महसर पिता अली अहमद, अली अहमद पिता आमिर मियां, मोहम्मद जाकिर पिता जावेद मियां, मोहम्मद समीर पिता जावेद, समीम मियां पिता मुतुर्जा मियां, निसार पिता रजक मियां सहित अन्य शामिल थे।

संक्षिप्त डायरी

कोहरे की वजह से कई गाड़ियों की भिड़ंत

मुजफ्फरपुर । कोहरे की वजह से अलग-अलग जगहों पर एक्सिडेंट की खबर सामने आई है। आधा दर्जन से जायदा लोग चोटिल हैं। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। मामला जिले के बोचहा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, शुक्रवार की अहले सुबह बोचहा थाना के एनएच 57 पर आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियों की आपस में भिड़ंत हो गई। मामले की जानकारी बोचहा थाना की पुलिस को दी गई। स्थानीय लोगों के द्वारा आनन फानन में चोटिल हुए लोगो को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां सभी का इलाज चल रहा है। दो ट्रक, दो बस, एक पिकअप हादसे का शिकार हुई हैं। दुर्घटना के कारण हाईवे पर काफी दूर तक जाम लग गया। मौके पर क्रेन को बुलाकर क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हाईवे से हटाया गया। पूरे मामले पर बोचहा थाना अध्यक्ष ने बताया कि कुहासा के कारण हाईवे पर कई गाड़ियां आपस में टकड़ा गई हैं। इस कारण कुछ लोग आंशिक रूप से घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पटना में जादू-टोने में बच्ची की हत्या

पटना । दीदारगंज के निजामपुर गांव में जादू-टोना करने के बाद आठ साल की छात्रा शीशा कुमारी उर्फ प्रिया की हत्या कर दी गई। उसका शव दीदारगंज के निजामपुर गांव से करीब एक किमी दूर खेत में स्थित 20 फीट गहरे कुएं से गुरुवार की देर शाम बरामद किया गया। हत्या करने से पहले प्रिया के गले में फूल की माला पहनाई गई थी और चेहरे पर अबीर लगाया गया था। कुएं के पास पूजा की गई थी। आसपास गेंदा का फूल छिड़का हुआ था। शराब की खाली बोतल और अबीर का पैकेट भी था। उसके शरीर पर कहीं भी जख्म के निशान नहीं हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जादू-टोना करने के बाद उसकी हत्या कर कुएं में फेंक दिया गया। चौथी क्लास की छात्रा प्रिया निजामपुर गांव के चंद्रमणि राय की इकलौती बेटी थी। चंद्रमणि चालक हैं। उन्हें दो बेटे हैं जो प्रिया से छोटे हैं। सूचना मिलने के बाद फतुहा के एसडीपीओ सियाराम यादव और दीदारगंज के थानेदार पहुंचे। डॉग स्क्वायड के साथ ही एफएसएल टीम को बुलाया गया। एसडीपीओ ने बताया कि हर एंगल पर मामले की छानबीन की जा रही है। थानेदार ने बताया कि प्रिया के शरीर पर मारपीट या किसी तरह के जख्म के निशान नहीं हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चलेगा कि उसकी मौत कैसे हुई? परिजनों की ओर से आवेदन नहीं दिया गया है। प्रिया के मौसा हैबी यादव ने बताया कि बुधवार की शाम करीब पांच बजे प्रिया घर से हाथ में रोटी लेकर निकली थी। उसके माता-पिता को लगा कि वह गांव में खेलने गई होगी। रात तक नहीं लैटी तो परिवार वालों ने उसकी खोजबीन शुरू की। सगे-संबंधियों से उसके बारे में पूछा गया, पर किसी ने कुछ नहीं बताया। गुरुवार की देर शाम ग्रामीणों ने कुएं में शव देखा।

राज भवन पर लगे घड़ी की होगी मरम्मती

बेतिया । राज भवन के सबसे ऊपरी गुंबद पर लगे घड़ी की मरम्मती होगी। हर घंटे बजने वाले घड़ी की टन-टन की आवाज एक बार लोग फिर सुन सकेंगे। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने इसकी पहल शुरू की है। घड़ी की मरम्मती के लिए महापौर ने बेतिया राज के व्यवस्थापक को पत्र भेज कर पेशकश किया है। इसके अनुमोदन के लिए राज व्यवस्थापक ने राजस्व पर्षद को पत्र भेजा है। जल्द ही इसकी स्वीकृति मिल जाने की संभावना है। घड़ी की मरम्मती के बाद भी इसका मालिकाना हक बेतिया राज का ही रहेगा। घड़ी की मरम्मती नहीं होने की स्थिति में नगर निगम की ओर से राज के गुंबद पर पुराने डिजाइन की पुरातात्विक महत्व की नई घड़ी लगाई जाएगी। महापौर ने बताया कि एक समय था कि बेतिया राज भवन के गुंबद पर लगे घड़ी की आवाज सुनकर लोग अपनी दिनचर्या शुरू करते थे। हर घंटे घड़ी की टन-टन की आवाज पूरे शहर में सुनाई पड़ती थी। राज की ओर से घड़ी की मरम्मती या नई घड़ी लगाने की स्वीकृति मिलते ही वहां पुराने स्वरूप और आकार के घड़ी को लगाया जाएगा। घड़ी से आने वाली आवाज दूर-दूर तक सुनाई देगी। जिससे लोगों को समय का भान होता रहेगा। उन्होंने बताया कि वैभवशाली बेतिया राज का वजूद आज भी कायम है।

सड़क निर्माण के 7 दिन बाद ही उगी घास

भागलपुर। जिले के सन्होला प्रखंड के धुआवे पंचायत के सोहेल गांव में 81 लाख 86 हजार की लागत से बन रहे मुख्यमंत्री संपर्क योजना भी करीब डेढ़ किलोमीटर तक भ्रष्टाचार का भेट चढ़ गया। यहां के ग्रामीणों सड़क को उखाड़ कर कर सरकारी काम की पोल खोल दी। 81 लाख 46000 की लागत से मुख्यमंत्री संपर्क योजना का निर्माण हो रहा है, लेकिन लोगों का आरोप है कि ठेकेदार और स्थानीय जनप्रतिनिधि ने मिलकर सड़क अलकतरा डाल कर सड़क निर्माण कर दिया। इस सड़क पर महज एक हफ्ते में ही अंदर से घास उगने लगी। ग्रामीणों सड़क की गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मांग की है।। जिसके लिए स्थानीय लोगों ने हंगामा भी किया लोगों का साफतौर पर आरोप है कि एक इंच अलकतरा देकर सड़क का निर्माण कराया गया है। स्थानीय सुभाष ने बताया कि बेकार रोड बनाई गई है केवल अलकतरा डाल कर छोड़ दिया गया है। इसको लेकर ठेकेदार और मुंशी को बोला गया तो उन्होंने कहा कि काम में बाधा डालोगे तो झूठे मुकदमे में फंसा देंगे। इसके बाद हम लोग शांत हो गए।

संसार का हित ही धर्म है: दलाई लामा

गया। जिला प्रशासन की कड़ी सुरक्षा के बीच धर्मगुरु दलाई लामा ने शुक्रवार को कालचक्र मैदान में प्रवचन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कलेश ही सारी समस्याओं की जड़ है। यह बोधिचित्त के अभ्यास से ही दूर हो सकता है। कलेश है तो धर्म नहीं है। कलेश नहीं है तभी धर्म है। धर्म बन्धु को चहिए कि वे बोधिचित्त का अभ्यास करें। निश्चित तौर पर लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हर जीव के अंदर बुद्ध है। बस उसे जागृत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल कहने मात्र से बोधचित की प्राप्ति नहीं हो सकती है। मनुष्य को चाहिए कि दूसरे का हित करे। संसार का हित ही धर्म है। परहित से सुख शांति मिलती है। उससे बड़ा सुख और धर्म नहीं है। यह सब बोधिचित्त के अभ्यास से ही प्राप्त होता है। बुद्ध कर सभी उपदेश परहित पर आधारित है। तंत्र के दृष्टिकोण से देखें तो भी यह अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहां भी दूसरे के हित को प्रधानता है। दलाई लामा को सुनने के लिए लगभग 50 हजार श्रद्धालु बोधगया पहुंचे हैं। यह कार्यक्रम 31 दिसम्बर तक चलेगा। टीचिंग का अनुवाद 25 अलग-अलग भाषाओं में एफएम के जरिए सुना जा सकता है।

शेखपुरा के 9 खिलाड़ी और 2 कोच बैतूल रवाना

राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भाग लेने निकले, 31 दिसंबर से 5 जनवरी तक आयोजन

शेखपुरा । 31 दिसंबर से 5 जनवरी 2024 तक मध्यप्रदेश के बैतूल मे आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ताईक्वांडो चैंपियन शिप में भाग लेने शुक्रवार को जिला से 9 खिलाड़ियों का दल रवाना हुआ। सभी खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर बिहार के राज्य टीम में किया गया है।

शेखपुरा जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव विश्वजीत कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए जिला से नौ खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिसमे अंडर 14 आयु वर्ग मे हिमांशु कुमार, ऋषिकेश कुमार, अभिराज नायक, प्रिया कुमारी, अंडर 17 आयु वर्ग में वर्षा कुमारी, अंडर 19 आयु वर्ग मे सृष्टि कुमारी, पीयूष राज, अभिजित आनंद, हर्षवर्धन का नाम शामिल हैं। बिहार टीम की कमान शेखपुरा के ही दो कोच अमर कुमार और खुशबू कुमारी को सौंपी गई है। सचिव ने बताया कि पिछले 10 दिन से कैंप लगाकर प्रशिक्षक कुंदन कुमार द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षक कुंदन कुमार ने कहा कि खिलाड़ियों ने मेडल जीतने के लिये बहुत मेहनत की है। बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इस मौके पर जिला के वरीय उप समाहर्ता सह खेल उपाधीक्षक अर्चना कुमारी, खेल प्रभारी राकेश कुमार ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की।

इस मौके पर विनोद कुमार, राहुल कुमार, प्रिंस पी जे , निखिल कुमार, हर्ष उज्वल, आशीष कुमार एवं अन्य खेल प्रेमी मौजूद थे। शेखपुरा से सुरक्षित बस से खिलाड़ियों का दल रवाना हुआ।

न्याय के लिए सजग

कतर में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को सुनाई गई मौत की सजा का कम होना राहत की बात है। भारत सरकार इस सजा के विरुद्ध सक्रिय थी और विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह सुखद खबर दी है। उल्लेखनीय है कि 26 अक्तूबर को आठ भारतीयों को मौत की सजा सुनाई गई थी, इन पर जासूसी संबंधी आरोप लगाया गया था। सजा सुनाए जाने के बाद भारत में चिंता की लहर दौड़ गई थी, क्योंकि यह अपनी तरह का पहला मामला था, जिसमें भारतीयों के प्रति ऐसी कड़ाई बरती गई थी। ये पूर्व नौसेनाकर्मी कतर की ही एक कंपनी की सेवा में जुटे थे और वहां की सेना के प्रशिक्षण से जुड़े थे। इसके बावजूद इन पर जासूसी का आरोप लगाया गया और आनन-फानन में सजा सुना दी गई। कतर ने विस्तार से जानकारी नहीं दी और भारतीय न्याय व्यवस्था की तरह पारदर्शिता के साथ फैसला भी नहीं सुनाया गया। ऐसे में, भारतीय तंत्र की नाराजगी जायज थी। अक्तूबर में सजा सुनाई गई और नवंबर में ही उस कंपनी के मालिक को छोड़ दिया गया, मगर आठ भारतीयों को कैद में रखा गया और उनकी सजा भी कायम रही। अच्छी बात है कि इन भारतीयों के परिजनों को साथ में रखकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपनी ओर से हरसंभव प्रयास किए। मामला अपील अदालत में पहुंचा, जिसके नतीजे सामने हैं कि सजा कम की जा रही है। सजा के कम होने के बाद भी भारतीय विदेश मंत्रालय को पूरी सक्रियता के साथ कोशिश करनी चाहिए कि आगे सुनवाई निष्पक्ष और न्यायपूर्ण ढंग से हो। गौर करने की बात है कि इस बार अपील अदालत में भारत के राजदूत, अधिकारी और जेल में बंद पूर्व नौसेनाकर्मियों के परिजन भी मौजूद थे। पूर्व नौसेनाकर्मियों के परिजनों की पीड़ा को समझा जा सकता है, पर उन्हें आगे भी न्याय के लिए सक्रिय रहना होगा। अभी केवल सजा कम हुई है, आरोपों से बरी होने की कोशिश जरूर होनी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्रालय इस मामले में हर तरह से जुटा हुआ है और अच्छे से अच्छे वकीलों का सहारा लेकर यह मुकदमा लड़ना चाहिए। यह भारत के लिए सम्मान और सबक का मामला है। अगर इस मामले में पहले ही सक्रियता बरती गई होती, तो मौत की सजा की नौबत ही नहीं आती। मामला तो करीब एक साल से चल रहा था और पूर्व नौसेनाकर्मी हिरासत में ही थे। भारत के एक-एक नागरिक का महत्व है और उसमें भी सेना में रह चुके जवानों का मूल्य तो कुछ ज्यादा ही है। इस मामले से हम कई सबक ले सकते हैं। पहली बात, संदिग्ध किस्म की विदेशी कंपनियों के साथ भारतीयों को कतई काम नहीं करना चाहिए। ऐसी कंपनियों के साथ ही काम करना चाहिए, जो भारतीयों के हितों के प्रति सजग हों। कतर की अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज ऐंड कंसल्टेंसी सर्विसेज के लिए क्या अभी भी कोई भारतीय काम कर रहा है? ऐसी कंपनियों को काली सूची में डालकर भारतीयों को सचेत करना जरूरी है। दूसरी बात, भारतीयों को अपनी विश्वसनीयता और सेवा का स्तर बनाए रखना चाहिए। किसी भी गलत काम में लगकर जान जोखिम में डालना उचित नहीं है। सुरक्षित और वैध पेशे को अपनाकर ही देश के सम्मान को अक्षुण्ण रखना चाहिए।

अन्यायपूर्ण व नासमझी

जम्मू एवं कश्मीर जैसे संकटग्रस्त सीमावर्ती प्रांत में, सुरक्षा बलों को न सिर्फ आतंकवाद से निपटना होता है, बल्कि सटीक एवं उचित तरीके से आतंकवाद विरोधी अभियानों को भी अंजाम देना होता है। पुंछ और राजौरी जिलों वाली पीर पंजाल घाटी के जंगली इलाकों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुए भीषण मुठभेड़ों में इस साल 28 सैनिकों की मौत हुई है। बीते 21 दिसंबर को सेना के काफिले पर घातक हमले के बाद पुंछ-राजौरी इलाके में सेना द्वारा हिरासत में लिए गए तीन नागरिकों की मौत और सुरक्षा बलों द्वारा कथित यातना की वजह से पांच अन्य नागरिकों के बुरी तरह घायल होने का तथ्य वहां अपनाई जा रही उग्रवाद विरोधी रणनीति पर एक गहरा धब्बा है। आतंकवादी हमलों के जवाब में आम नागरिकों को निशाना बनाने वाली सुरक्षा बलों की ऐसी जघन्य कार्रवाइयां दो लिहाज से साफ तौर पर समस्याजनक हैं। पहला, यह उस शासन की अलोकप्रियता में इजाफा करता है जो उस केंद्र-शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित नहीं हुआ है। वहां आधे दशक से भी ज्यादा समय से प्रांतीय चुनाव नहीं हुए हैं। यह उस इलाके में आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के खिलाफ एक झटका है जो कश्मीर घाटी के मुकाबले अपेक्षाकृत ज्यादा शांत रहा है। दरअसल, पीर पंजाल इलाका डेढ़ दशक तक अपेक्षाकृत शांत रहने के बाद पिछले दो वर्षों के दौरान आतंकवाद का सामना कर रहा है। पिछले सप्ताह घात लगाकर किए गए हमले के बाद जिस तरह की उग्रवाद विरोधी कार्रवाई की गई, उससे उस इलाके के निवासियों में असंतोष पैदा हुआ है जो निकट अतीत में उग्रवाद का समर्थक नहीं रहा है। भारतीय सुरक्षा बलों के खिलाफ छेड़े गए विषम युद्ध में उग्रवादियों का एक मकसद सुरक्षा बलों को नागरिकों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करने के लिए उकसाना और नागरिकों में इसे लेकर पनपी शिकायतों एवं आक्रोश का इस्तेमाल करके अपना समर्थन आधार बढ़ाना है। सुरक्षा बलों की ऐसी कार्रवाइयां आतंकवादियों और सीमा-पार बैठे उनके आकाओं के हाथों में खेलने जैसी हैं। दूसरा, ताकत या हिंसा की वैधता और राज्य द्वारा इसका इस्तेमाल कार्रवाईयों की न्यायसंगतता पर निर्भर करता है। बिना किसी वजह के आम नागरिकों को निशाना बनाकर हिंसा का अंधाधुंध इस्तेमाल किए जाने से लोगों के जेहन में उस वैधता के लेकर सवाल उठने लगते हैं।

स्वच्छ भारत मिशन- साफ होते शहर-गांव

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

140 करोड़ की आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला अगुआ यदि खुद सड़क पर उतर आए, फिर समुद्र तट पर घूम-घूम कर कूड़ा उठाने लग जाए, तो यह समझना कतई मुश्किल नहीं कि देश की हुकूमत का साफ-सफाई को लेकर नजरिया क्या है। बीते कुछ वर्षों में, जाहिर तौर पर स्वच्छता के मोर्चे पर हमने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज शहरों के बीच स्वच्छता को लेकर देशभर में कई प्रतियोगिताएं हो रही हैं। उनमें एक-दूसरे से बेहतर करने की होड़ लगी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने अबतक के कार्यकाल में स्वच्छता अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। शायद यही वजह है कि स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत के बाद भारत में स्वच्छता का पुनर्जागरण हुआ है। मिशन ने न केवल शहरों का कायाकल्प किया बल्कि गांवों में भी स्वच्छता की अलख जगाई। अपने देश को साफ-सुथरा रखने की संवेदनशीलता और भावना आज पूरे देश में दिखती है। गांधीजी आजीवन स्वच्छता की अलख जगाते रहे। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान उन्हें श्वेत निवासियों के इस दावे से लड़ना पड़ा कि भारतीयों में स्वच्छता की कमी है और इसलिए उन्हें अलग रखने की जरूरत है।

करीब नौ साल पहले का वह मंजर यकीनन यादगार था जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं झाड़ू लेकर राजधानी दिल्ली की सड़कों पर सफाई करने उतरे थे। उनके पीछे- पीछे उनके मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों से लेकर सरकारी बाबुओं का हुजूम भी सड़कों पर उतर आया था। 2014 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के दिन प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन का आगाज किया था। यकीनन, महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें इससे बेहतर श्रद्धांजलि शायद दी भी नहीं जा सकती थी। आजाद भारत में संभवतः यह पहला मौका था जब देश में स्वच्छता को लेकर सरकार ने इतनी गंभीरता दिखलाई। 140 करोड़ की आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला अगुआ यदि खुद सड़क पर उतर आए, फिर समुद्र तट पर घूम-घूम कर कूड़ा उठाने लग जाए, तो यह समझना कतई मुश्किल नहीं कि देश की हुकूमत का साफ-सफाई को लेकर नजरिया क्या है। बीते कुछ वर्षों में, जाहिर तौर पर स्वच्छता के मोर्चे पर हमने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज शहरों के बीच स्वच्छता को लेकर देशभर में कई प्रतियोगिताएं हो रही हैं। उनमें एक-दूसरे से बेहतर करने की होड़ लगी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने अबतक के कार्यकाल में स्वच्छता अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। शायद यही वजह है कि स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत के बाद भारत में स्वच्छता का पुनर्जागरण हुआ है। मिशन ने न केवल शहरों का कायाकल्प किया बल्कि गांवों में भी स्वच्छता की अलख जगाई। अपने देश को साफ-सुथरा रखने की संवेदनशीलता और भावना आज पूरे देश में दिखती है। गांधीजी आजीवन स्वच्छता की

अलख जगाते रहे। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान उन्हें श्वेत निवासियों के इस दावे से लड़ना पड़ा कि भारतीयों में स्वच्छता की कमी है और इसलिए उन्हें अलग रखने की जरूरत है। नटाल विधानसभा को लिखे खुले पत्र में गांधी ने कहा था कि जहां तक स्वच्छता मानकों का सवाल है, भारतीय भी यूरोपीय लोगों के बराबर हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें भी उसी तरह का ध्यान और अवसर दिया जाए। 1915 में भारत लौटने पर उन्होंने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अपने कार्यक्रमों के मूल में स्वच्छता के मंत्र को रखा। गांधीजी ने 1941 में कांग्रेस कार्यकताओं के लिए रचनात्मक कार्यक्रम नामक पुस्तिका प्रकाशित की। ग्राम स्वच्छता उन अठारह कार्यक्रमों में से छठा था जो गांधीजी ने उस पुस्तिका में बताए थे। कुछ अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम साम्प्रदायिक एकता, अस्पृश्यता निवारण, आर्थिक समानता, सविनय अवज्ञा आदि थे। आज गांधीजी के स्वच्छ भारत की परिकल्पना को पीएम मोदी साकार कर रहे हैं। यह दुर्भाग्य ही कहा जायेगा कि गाँधी के नाम पर राजनीति करने वाले किसी कांग्रेसी सरकार ने इसके ऊपर कोई ध्यान तक नहीं दिया। स्वच्छ भारत मिशन इन नौ साल में जनआंदोलन बन गया है। आज ज्यादातर सड़कें साफ-सुथरी दिखती हैं, गलियों में कूड़ा नहीं दिखता। चाहे पर्यटन स्थल हों या रेलवे स्टेशन। हर जगह सफाई दिखती है। देश ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। अब देश के कुल गांवों में से तीन-चौथाई यानी 75 प्रतिशत गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा हासिल कर लिया है। ओडीएफ प्लस गांव वह है, जिसने ठोस या तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को लागू करने के साथ-साथ अपनी खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति को बरकरार रखा है। आजतक 4.43 लाख से अधिक गांवों ने खुद को ओडीएफ प्लस घोषित कर दिया है। बात अगर उन राज्यों की करें जिन्होंने 100 प्रतिशत ओडीएफ प्लस गांव हासिल किए हैं वे हैं- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादर एवं नागर हवेली, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, लद्दाख, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में - अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा नगर हवेली और दमन दीव, जम्मू और कश्मीर और सिक्किम में 100 प्रतिशत ओडीएफ प्लस मॉडल गांव हैं। इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा हासिल करने में उल्लेखनीय प्रगति की है और उनके प्रयास इस मील के पत्थर तक पहुंचने में सहायक रहे हैं। इस वर्ष प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किये गये स्वच्छ भारत मिशन के नौ वर्ष पूरे हो गये हैं। 75 प्रतिशत ओडीएफ प्लस गांवों की उपलब्धि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि देश स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण में ही हम ओडीएफ से ओडीएफ प्लस में आ गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन शहरीकरण की चुनौतियों के समाधान की राह दिखा रहा है। ठोस कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण और प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पुराने डंपसाइटों की खस्ताहाल स्थिति को दुरूस्त करने पर भी भरपूर ध्यान दिया जा रहा है। इससे सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स 2030 के लक्ष्यों को भी प्राप्त करने में आसानी होगी। यहां उन सफाई मित्रों का जिक्र जरूरी है, जिनके कंधों पर इसके कार्यान्वयन की बड़ी जिम्मेदारी है। इन नौ सालों में सफाई मित्र सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं। सफाई मित्रों को सुरक्षित एवं स्वस्थ रखने के साथ बेहतर तरीके से जीने की स्थिति और आजीविका के विकल्प प्रदान करने की पहल सरकार ने की है। मेनहोल को मशीन होल में बदलने की दिशा में प्रतिबद्धता से काम किया जा रहा है। इसके लिए कई शहरों में अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। सफाई मित्र अब कीचड़ हटाने वाले उपकरणों से लेकर आधुनिक मशीनों का उपयोग कर रहे हैं। लगभग 25 प्रतिशत शहरों में पहले से ही इस तरह के पर्याप्त उपकरण उपलब्ध थे जिनका सही ढंग से पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा था। लेकिन, अब अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में डवलपमेंट स्टार्टअप्स और उद्यमियों के लिए एक बेहतर वातावरण का निर्माण करने के लिए एएफडी (एजेंस फ्रांसेइस डे डेवलपमेंट) और डिपार्टमेंट ऑफ प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) के सहयोग से एक 'स्वच्छता स्टार्टअप चैलेंज' भी शुरू किया गया था। अपशिष्ट प्रबंधन में अतिरिक्त स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने आईआईटी कानपुर के सहयोग से कुल 75 स्टार्टअप को फंडिंग सहायता प्रदान करने की योजना बनाई है। मूल रूप से एक प्रतिस्पर्धी मॉनिटरिंग टूल के रूप में डिजाइन किया गया और स्वच्छ सर्वेक्षण 2016 में पेश किया गया था, जिसका उद्देश्य शहरों को फास्ट-ट्रैक प्रतिस्पर्धी तरीके से स्थायी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन का लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करना था। वर्तमान में यह अपने 8वें संस्करण में लगभग 4500 शहरी स्थानीय निकायों को कवर करता है। पिछले कुछ वर्षों में मिशन ने समावेशी स्वच्छता को भी सक्षम बनाया है और ह्यस्वच्छता के क्षेत्र में महिलाओं से स्वच्छता के क्षेत्र में महिला लीडर्सह्व के नजरिए में तेजी से परिवर्तन हुआ है। नारी शक्ति के बहुमुखी योगदान ने स्वच्छ भारत मिशन को और मजबूत किया। संक्षेप में कहा जा सकता है कि स्वच्छता को लेकर एक जागरूकता पैदा हुई है। यह कोई सामान्य बात नहीं है। वर्ना हमारे यहां इस महत्वपूर्ण विषय पर तो पहले कभी ध्यान ही नहीं दिया गया।

लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।

आपसी शह-मात के खेल में उलझा विपक्षी गठबंधन

लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरा कर मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने से रोकने के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन के नेता फिलहाल एक-दूसरे के खिलाफ ही षड़यंत्र रचने में जुटे हैं। सामान्य तौर पर राजनीति में भितरघात कुशल रणनीति माना जाता है, लेकिन इंडी गठबंधन में शामिल दलों के नेता इस सामान्य परम्परा का भी पालन करने को तैयार नहीं हैं। वे खुले मंचों से एक- दूसरे के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्षेत्रीय दलों के निशाने पर सबसे ज्यादा कांग्रेस और उसके नेता हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की नेता वृंदा करात, केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव जिस तरह कांग्रेस की नीतियों और नेताओं पर निशाना साध रहे हैं, उससे राजनैतिक हलकों में इस बात की चर्चा होने लगी है कि विपक्षी गठबंधन के ये नेता भाजपा को हराने के लिए एकजुट हुए हैं या फिर उनका उद्देश्य कांग्रेस को खत्म करना है। लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल और नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड को विपक्षी गठबंधन का सबसे मजबूत साथी माना जा रहा था क्योंकि ये पहले से यूपीए का हिस्सा थे लेकिन इंडी गठबंधन में चर्चा के बिना ही इन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बिहार की लोकसभा की सीटों का आपस में बांट कर अपनी मंशा साफ कर दी है। बिहार की लोकसभा की कुल 40 सीटों में से राजद और जदयू ने 17-17 सीटें आपस में बांट ली हैं। बाकी बची छह सीटें कांग्रेस और वामपंथी दलों के लिए छोड़ी गई हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में जदयू भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल थी और उसने अपने हिस्से की 17 सीटों पर प्रत्याशी उतार कर 16 पर जीत हासिल की थी। इसलिए जदयू 17 से कम सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं है। अब यह देखना काफी रोचक होगा कि क्या कांग्रेस और वामपंथी दल महज छह सीटें पाकर संतुष्ट रह पाएंगे। राजद और जदयू ने जिस तरह बिहार की लोकसभा सीटों को आपस में बांट लिया इसे कांग्रेस पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल विपक्षी गठबंधन की बैठक में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव रख दिया। उनके प्रस्ताव का अरविन्द केजरीवाल ने समर्थन कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दलित समाज से आते हैं इसलिए कोई भी नेता उनके इस प्रस्ताव का विरोध करने का साहस नहीं जुटा सका। लेकिन इस प्रस्ताव पर कोई सहमति भी नहीं बन सकी। फिर भी उनके इस दांव से गठबंधन के तमाम नेता चारों खाने चित हो गए। ममता बनर्जी के इस प्रस्ताव ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हुए देखने के सोनिया गांधी के सपने को ही नहीं तोड़ा बल्कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव को भी गहरी चोट दे दी। पटना में पहली बैठक करवा कर विपक्षी गठबंधन की आधारशिला रखने वाले नीतीश कुमार को उम्मीद थी कि उनको विपक्षी गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार या गठबंधन का संयोजक चुन लिया जाएगा, पटना के बाद कई बैठकें हो चुकी हैं लेकिन अभी तक गठबंधन का संयोजक चुनना तो दूर उनके नाम पर गंभीर चर्चा तक नहीं हुई है। लालू प्रसाद यादव को भी उम्मीद थी कि गठबंधन का नेता बन जाने के बाद नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे और बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी उनके पुत्र तेजस्वी यादव को स्वभाविक तौर पर मिल जाएगी। लेकिन ममता बनर्जी और अरविन्द केजरीवाल ने उनकी सारी योजना पर पानी फेर दिया। इसके अलावा ऐसा नहीं है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव के बीच रिश्ते बहुत अच्छे हैं। खबरें तो यहां तक आ रही हैं कि लालू प्रसाद यादव की तरफ से जदयू में सेंधमारी की कोशिशें की जा रही है। राजनैतिक और वैचारिक तौर पर भाजपा और संघ के धुर विरोधी वामपंथी दल भी अब इस विपक्षी गठबंधन में सहज महसूस नहीं कर रहे हैं। सबसे बड़े वामपंथी दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने तो सीधे तौर पर कांग्रेस पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। वामपंथी दलों का सबसे ज्यादा प्रभाव पश्चिम बंगाल और केरल में है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी किसी भी कीमत पर माकपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है इसके वे कई बार साफ संकेत दे चुकी हैं इसलिए पश्चिम बंगाल में माकपा की गठबंधन में बने रहने की संभावना काफी कम हो गई है। इसके अलावा केरल में इस समय माकपा के नेतृत्व वाले वाममोर्चा की सरकार है। यहां के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और केरल माकपा के राज्य सचिव एमवी गोविन्दन लगातार कांग्रेस पर हमलावर हैं। वे नहीं चाहते कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल के वायनाड से दोबारा लोकसभा का चुनाव लड़ें। उनका कहना है कि कांग्रेस को भाजपा के प्रभाव वाले क्षेत्रों में मजबूती से चुनाव लड़ना चाहिये, वायनाड के सांसद को राज्यों की प्रतिद्वंद्विता में नहीं पड़ना चाहिए। दरअसल लोकसभा चुनाव 2019 में राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़े थे। मुस्लिम लीग से उनका गठबंधन था। इसका नतीजा यह हुआ कि केरल की कुल 20 लोकसभा सीटों में से 19 पर कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन जीत गया था और वामदलों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। केरल की राजनीति में पकड़ मजबूत करने को कांग्रेस के नेता भी माकपा पर हमलावर हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केरल की पुलिस और माकपा कार्यकताओं पर कांग्रेस कार्यकताओं का उत्पीड़न करने और उनकी हत्या करने के आरोप लगाए हैं। इसके जवाब में माकपा की तेजतर्रार नेता वृंदा करात ने कांग्रेस पर भाजपा और संघ से मिलीभगत कर केरल षड्यंत्र रचने के गंभीर आरोप लगाए है।

कांग्रेस में सांगठनिक बदलाव के मायने

हालिया चुनावों में झटका खाने के बाद कांग्रेस में केंद्रीय स्तर पर फेरबदल होना तय था, लेकिन बड़े बड़े राजनीतिक पंडितों को भी उम्मीद नहीं थी कि पार्टी की तीसरी सबसे ताकतवर नेता प्रियंका गांधी को तकरीबन किनारे कर दिया जायेगा। बेशक मल्लिकार्जुन खरगे अध्यक्ष हैं, पर कांग्रेस में गांधी-नेहरू परिवार के सदस्यों की हैसियत छिपी नहीं है। ऐसे में अगर प्रियंका गांधी को दायित्व विहीन महासचिव बनाया जाना मामूली बात नहीं है। साल 2004 के आम चुनाव में राहुल गांधी जब संसदीय पारी शुरू कर रहे थे, तब कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एक वर्ग निराश था। कांग्रेस से हमदर्दी रखने वाले आम वोटरों का भी एक वर्ग राहुल की शुरूआत को सहजता से स्वीकार नहीं कर पा रहा था। सबकी चाहत थी कि कांग्रेस में प्रियंका को सक्रिय किया जाना चाहिए था। देश का एक बड़ा वर्ग यह मान चुका था कि राजनीतिक समझ के लिहाज से प्रियंका अपने भाई की तुलना में बीस हैं। कुछ लोगों को यहां तक लगता था कि प्रियंका दूसरी इंदिरा गांधी हैं। साल 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के ठीक पहले जब प्रियंका गांधी को राजनीति में सक्रिय किया गया, तो उन्हें एक बार फिर इंदिरा गांधी के प्रतिरूप के रूप में बताने-जताने की तैयारी हुई। कहना न होगा कि एक दौर में भाजपा भी प्रियंका के राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय होने की आशंका से किंचित सहम जाती थी। लेकिन उत्तर प्रदेश के नतीजों ने साफ कर दिया कि कांग्रेस का प्रियंका रूपी हथियार भी कारगर नहीं है। उत्तर प्रदेश में हाथरस बलात्कार कांड के बाद प्रियंका ने लड़ाका रूख जरूर अख्तियार किया। उनके सलाहकारों ने उनकी छवि गढ़ने के लिए शाब्दिक माहौल बनाने के लिए शानदार नारा भी गढ़ा- ह्यलड़की हूं, लड़ सकती हूं ह्ल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने राज्य को दो हिस्सों में बांट दो महासचिवों को जिम्मा दिया- पश्चिम में ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूरब में प्रियंका गांधी। दिल्ली के चश्मे से देखने वाले वाम बौद्धिकों के साथ ही पत्रकारों के एक वर्ग ने प्रियंका को लेकर उम्मीदों का आसमान खड़ा कर दिया, लेकिन उत्तर प्रदेश ने उन्हें निराश किया। उसके बाद के चुनाव में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस जीत गयी। हिमाचल की कमान कमोबेश प्रियंका ने ही संभाल रखी थी। इसलिए माना गया कि इस जीत की एक वजह प्रियंका भी रहीं। प्रियंका ने एक तरह से पंजाब में भी चुनाव अभियान चलाया। वहां चुनाव से छह माह पहले चरणजीत सिंह चन्नी को दलित होने की वजह से कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे कद्दावर नेता को हटाकर मुख्यमंत्री बनाया गया। लेकिन प्रियंका का दलित दांव नहीं चला। पंजाब की सत्ता ऐसी उखड़ी कि उम्मीद भी नहीं की जा रही कि निकट भविष्य में कांग्रेस वहां वापसी कर सकती है। राजस्थान में सचिन पायलट उनके नजदीकी माने जाते रहे। लेकिन अशोक गहलोत के दांव के आगे उनकी नहीं चली। सचिन के ही अध्यक्ष रहते राजस्थान 2018 का चुनाव जीतने में कामयाब रही। पर जैसे ही राजस्थान में जीत मिली, अशोक गहलोत ने दिल्ली से जयपुर का रुख कर लिया और सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रहे। जब सचिन ने बगावती रुख अख्तियार किया, तो प्रियंका उन्हें मनाने में कामयाब रहीं। राजस्थान में गहलोत से नाराज राहुल गांधी ने महज तीन सभाएं ही की, जबकि प्रियंका घूम-घूमकर प्रचार करती रहीं। लेकिन राजस्थान में भी प्रियंका कोई चमत्कार नहीं कर पायीं। छत्तीसगढ़ में अनौपचारिक रूप से कहा जाता था कि भूपेश बघेल से कुछ हासिल करना है, तो बेहतर है कि प्रियंका गांधी से संपर्क कर लो। वहां भी कांग्रेस को हार मिली। कांग्रेसी अंतःपुर से खबरें उड़कर आती रही हैं कि रणनीति को लेकर परिवार में एका नहीं है। सोनिया गांधी के चहेते नेताओं का अलग समूह है, तो राहुल और प्रियंका का अपना-अपना गुट है।

Social Media Corner

सच के हक में...

सभी को जोहार! आज आपकी सरकार के 4 साल पूरे हुए हैं। आज इस अवसर पर मंच पर उपस्थित राज्य के निमार्ता आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी, उपस्थित मंत्रीगण, राज्य सरकार के पदाधिकारी और राज्य के कोने-कोने से लाखों की संख्या में आये सभी लोगों को मैं हार्दिक अभिनंदन करते हुए जोहार करता हूँ। यह 4 साल का सफर बहुत चुनौती भरा रहा है। सरकार बनते ही कोरोना और सुखाड़ जैसी चुनौतियों से आपकी सरकार डेढ़-दो साल तक लड़ती रही। आपको याद होगा कितना डरावना था वह मंजर। ऐसी आपदाएं गरीबों के लिए, किसानों के लिए, मजदूरों के लिए एक अभिशाप के लिए बराबर होती हैं। झारखण्ड देश के सबसे पिछड़े राज्यों में आता है। राज्य के लिए ऐसी आपदाएं अभिशाप के बराबर होती हैं। मगर उस समय भी झारखण्ड जैसा गरीब राज्य पूरे देश को ऑक्सीजन सप्लाई करने वाला पहला राज्य बना और देश के करोड़ों लोगों की जान बचाने का काम किया गया। लोगों की सेवा करते हुए कोरोना से हमारे दो मंत्री भी शहिद हो गए।

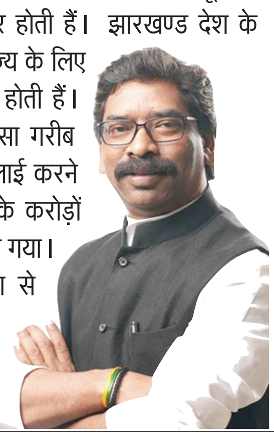

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

फर्जी लोन एप पर कार्रवाई

भारत सरकार ने सोशल मीडिया और इंटरनेट कंपनियों को कर्ज देने वाले फर्जी एप के विज्ञापनों को हटाने का निर्देश दिया है। हालांकि ये कंपनियां यह दावा करती रहती हैं कि वे अवैध और भ्रामक विज्ञापनों को रोकने के लिए प्रयासरत रहती हैं, पर सच यह है कि ऐसे विज्ञापन फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल, एक्स जैसे बड़े प्लेटफॉर्मों पर धड़ल्ले से लगाये जाते हैं। इतना ही नहीं, वहां कई ऐसे एप भी प्रचारित होते हैं, जिनके बारे में सरकार पहले ही चेतावनी दे चुकी है। जब ऐसे मंचों पर अवैध एप और लिंक दिखते हैं, तो लोग उन पर भरोसा भी कर लेते हैं। मनमाने ब्याज पर बिना किसी नियमन के कर्ज देने का जाल व्यापक हो चुका है। कई ऐसे एप हैं, जो अधिकृत एप से मिलते-जुलते नाम रख कर लोगों को फांसते हैं। ये अवैध एप आम तौर पर पांच से पच्चीस हजार रुपये का कर्ज देते हैं। इनकी मासिक ब्याज दर बीस से तीस प्रतिशत होती है। ये शुल्क के नाम पर भी 15 प्रतिशत तक की उगाही करते हैं। पैसा देने के 15 दिन के बाद से वसूली शुरू कर दी जाती है। कई मामले ऐसे भी सामने आये हैं, जिनमें चार से छह दिन में ही रकम और ब्याज चुकाने की मांग होने लगी। कुछ मामलों में तो बिना भुगतान के ही पैसा वापस मांगा गया था। इन फर्जी लोन एप के चंगुल में फंसकर कई लोग आत्महत्या करने पर मजबूर हुए हैं, तो कई परिवार तबाह हो चुके हैं। ये एप मूलधन और ब्याज से अधिक वसूली करते हैं। जब लोग इन अपराधियों की बात नहीं मानते, तो उनके साथ अभद्रता की जाती है, मार-पीट की धमकी दी जाती है। कई मामलों में कर्ज लेने वाले व्यक्ति और उसके परिवार की अश्लील तस्वीरें बनाकर ब्लैकमेल किया जाता है। इस साल सितंबर तक ऐसी ठगी के 46 हजार से अधिक शिकायतें दर्ज करायी गयी थीं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बीमा कंपनियों ने 42,322 करोड़ एजेंटों को दिया कमीशनः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2022-23 में जीवन बीमा कंपनियों ने अपने एजेंटों को 42,322 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। एक साल पहले 35,877 करोड़ कमीशन दिया गया था। यह कुल प्रीमियम की तुलना में 5.41 फीसदी है। एक साल पहले यह 5.38 फीसदी था। बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडाई) की रिपोर्ट के अनुसार प्रीमियम की तुलना में कमीशन की वृद्धि ज्यादा रही है। कुल कमीशन 17.93 फीसदी बढ़ा है जबकि कुल प्रीमियम की वृद्धि 13 फीसदी के करीब रही है। निजी कंपनियों ने सरकारी कंपनियों की तुलना में ज्यादा कमीशन दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक नए प्रीमियम के एवज में निजी कंपनियों का कमीशन 10.94 फीसदी से बढ़कर 15.78 फीसदी हो गया है। जबकि एलआईसी ने इसी समय में 27.61 फीसदी कमीशन दिया है जो एक साल पहले के 26.55 फीसदी की तुलना में एक फीसदी ही ज्यादा है। निजी जीवन बीमा कंपनियां यूलिप की तुलना में एंडोमेंट प्लान और टर्म इंश्योरेंस सहित गैर-लिंक्ड योजनाओं को बेचने पर अधिक ध्यान दे रही हैं, जिसमें कमीशन में अधिक वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र की बीमा कंपनियों ने 20,145 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। नए प्रीमियम में गिरावट के बावजूद कंपनियों ने कमीशन बढ़ा दिया है। 2021-22 में निजी कंपनियों को कुल 73,943 करोड़ प्रीमियम मिला था जो 2022-23 में घटकर 70,834 करोड़ रह गया। सरकारी कंपनियों का प्रीमियम इसी दौरान 36,649 करोड़ से बढ़कर 39,084 करोड़ हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पहले साल के प्रीमियम के लिए 27.61 फीसदी कमीशन एजेंटों को दिया है। यानी अगर आप 100 रुपये प्रीमियम देते हैं तो 27.61 रुपये एजेंटों को कमीशन के रूप में चला गया। गैर लिंक्ड पॉलिसियों से 5.06 लाख करोड़ रुपये का प्रीमियम मिला है जो एक साल पहले 4.46 लाख करोड़ रुपये था। दूसरी ओर लिंक्ड पॉलिसियों से 91,479 करोड़ का प्रीमियम मिला जो एक साल पहले 88,625 करोड़ रुपये था। कुल प्रीमियम में पारंपरिक उत्पादों का योगदान 86.59 फीसदी रहा है। यूलिप का 13.41 फीसदी रहा है। पारंपरिक पॉलिसियों का कारोबार 14.40 फीसदी जबकि यूलिप का केवल 4.61 फीसदी बढ़ा है।

नए साल से पेट्रोल और डीजल 10 रुपए तक सस्ता होगा!

नई दिल्ली ।

नए साल में मोदी सरकार आम जनता को सौगात देने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि नए साल पर मोदी सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ताबड़तोड़ कमी कर सकती है।

सूत्रों के मुतो बिक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 6 से 10 रुपए तक की कटौती की जा सकती है। गौरतलब है कि पिछले लगभग सालभर से अधिक समय से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को नहीं मिला है। जबकि कच्चे तेल के दाम में भारी कटौती हुई है। जानकारी के अनुसार पेट्रोल और डीजल के भाव में कटौती करने के लिए केंद्र सरकार तेल कंपनियों से बात कर रही है, ताकि आने वाले दिनों में जनता को राहत दी जा सके। हालांकि, सरकार यह राहत कब देगी, इसके बारे में कोई तय तारीख नहीं सामने आई है, लेकिन माना जा रहा है कि या तो नए साल की शुरुआत में जनता को पेट्रोल-डीजल के भाव में कमी का तोहफा मिल सकता है। तेल कंपनियां रोजाना समीक्षा करती हैं और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत के हिसाब से पेट्रोल और डीजल के भाव घटते-बढ़ते रहते हैं।

इस समय वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 78.71 डॉलर पर आ गई है। सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के पास तेल के दाम कम करने का खाका तैयार है और सिर्फ प्रधानमंत्री कार्यालय की मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है।

एसबीआई सहित देश के तीन बैंक कभी डूब नहीं सकतेः आरबीआई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अगस्त, 2015 से हर साल इसी महीने में वित्तीय प्रणली के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंकों के नामों की जानकारी देनी पड़ती है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक पिछले साल की तरह ही श्रेणी आधारित संरचना में बना हुआ है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) समेत देश में तीन ऐसे बैंक हैं, जिनमें आपका पैसे सबसे सुरक्षित है। ये तीनों ऐसे बैंक हैं, जो डूब नहीं सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का कहना है कि एसबीआई के अलावा एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक घरेलू वित्तीय प्रणाली के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंक बने हुए हैं। देश में वित्तीय प्रणाली के स्तर पर ये इतने बड़े बैंक हैं कि डूब नहीं सकते। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक पिछले साल की तरह ही श्रेणी आधारित संरचना में बना हुआ है। वहीं एसबीआई और एचडीएफसी बैंक उच्च श्रेणी में चले गए हैं। नियमों के अनुसार ऐसे संस्थानों को प्रणाली के स्तर पर महत्व के आधार पर चार श्रेणी में रखा जा सकता है।

एसबीआई श्रेणी तीन से श्रेणी चार में और एचडीएफसी बैंक श्रेणी एक से श्रेणी दो में स्थानांतरित हो गया। घरेलू स्तर पर व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंक डी-एसआईबी को लेकर एक अप्रैल, 2025 से एसबीआई के लिए अधिभार 0.8 फीसदी होगा। वहीं, एचडीएफसी बैंक के लिए 0.4 फीसदी होगा।

टाटा कॉफी और टाटा कंज्यूमर के शेयर का होगा मर्जर

- टीसीपीएल के साथ होगी शुरुआत

मुंबई ।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और टीसीपीएल बेवरेजेज एंड फूड्स का मर्जर होने वाला है। एक जनवरी से ये मर्जर प्रभावी होगा। इस संबंध में कंपनी ने यह जानकारी साझा की है। कंपनी के मुताबिक इस मर्जर के होने के बाद टाटा कॉफी लिमिटेड का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। कंपनी के बयान के मुताबिक इस मर्जर के साथ ही टाटा कॉफी की बागान इकाई को अलग कर टाटा समूह की दूसरी इकाई टीसीपीएल बेवरेजेज एंड फूड्स में मिला दिया जाएगा। गौरतलब है कि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और टाटा कॉफी के सभी व्यवसायों के विलय के साथ कंपनी की तालमेल और दक्षता को अनलॉक किया जाएगा। इससे पहले टीसीपीएल ने तालमेल और दक्षता में सुधार करने की रणनीतिक प्राथमिकता के मुताबिक पुनर्गठन योजना के तहत टाटा कॉफी के सभी कारोबारों को सहायक कंपनियों के साथ विलय की घोषणा की थी। इसी बीच कंपनियों के निदेशक मंडल ने स्वीकार किया है कि सभी शर्तों को विधिवत पूरा किया गया है। नया मर्जर 1 जनवरी, 2024 को योजना प्रभावी हो जाएगा। इसके बाद कंपनी बिना समापन के भंग हो जाएगी। वहीं कंपनी के निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का कार्यालय उस तारीख को बिना किसी कार्रवाई के खाली हो जाएगा। कंपनी के लिए टीसीएल के शेयरधारकों को निर्धारित करने की रिकॉर्ड तिथि 15 जनवरी, 2024 है। इस तिथि तक ही टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में शेयर प्राप्त करने के पात्र होंगे, जो कि डिमर्जर और समामेलन के अनुसार आवंटित किए जाएंगे। टाटा कॉफी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 28 दिसंबर को अपने 52-सप्ताह के स्तर पर 309.05 रुपये पर पहुंच गए। शेयर 1.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 308.4 रुपये पर बंद हुए। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का स्टॉक 2.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ दिन के उच्चतम स्तर 1,048.55 रुपये पर बंद हुआ।

साल के अंतिम कारोबारी दिन गिराकर बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के दोनों प्रमुख इंडेक्स साल के अंतिम कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुए। शुक्रवार को सेंसेक्स 170 अंक टूट गया। वहीं निफ्टी गिरकर 21,730 के पास आ गया। हालांकि ब्रॉड मार्केट में तेजी रही। इसके चलते निवेशकों को शुक्रवार भी बाजार से करीब 1.11 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.97 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद रहा। टेलीकम्युनिकेशंस, ऑटो, एफएमसीजी और सर्विसेज शेयरों में शुक्रवार को तेजी रही। वहीं दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, बैंकिंग और आईटी शेयरों के इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। कारोबार के अंत में बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 170.12 अंक की गिरावट के साथ 72,240.26 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का 50 शेयरों का वाला सूचकांक, निफ्टी 72,240.26 अंक टूटकर 21,731.40 के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 29 दिसंबर को बढ़कर 364.11 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 28 दिसंबर को 363 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप शुक्रवार को करीब 1.11 लाख करोड़ या करीब 1,110 अरब रुपये बढ़ा है। सरल शब्दों में समझे तब निवेशकों की वेल्थ में करीब 1.34 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

नौ क्रिप्टो एक्सचेंज को भारत सरकार से मिला नोटिस

नई दिल्ली ।

भारतीय वित्त मंत्रालय ने क्रिप्टो एक्सचेंज ऑपरेटर बाइनेंस सहित नौ ऑफशोर वर्चुअल डिजिटल एसेट्स सर्विस प्रोवाइडर्स को शोकॉज नोटिस भेजा है। इसके अलावा आईटी मंत्रालय से कहा है कि स्थानीय मनी लों ड्रिंग कानूनों का पालन किए बिना देश में अवैध रूप से संचालन करने के लिए उनके यूआरएल को ब्लॉक कर दिया जाए। हाल ही में जारी किए गए एक बयान में वित्त मंत्रालय ने कहा कि ऑफशोर और ऑनशोर वर्चुअल डिजिटल एसेट सेवा प्रदाता भारत में काम कर रहे हैं और वर्चुअल डिजिटल एसेट्स और फिएट मुद्राओं के बीच आदान-प्रदान, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स या इंस्ट्रूमेंट्स के हस्तांतरण और प्रशासन सहित गतिविधियों में शामिल हैं। उन्हें फाइनेंशियल इंटेली जेंस यूनिट-इंडिया के साथ पंजीकृत होना होगा और प्रिवेंशन ऑफ मनी लों डिंग एक्ट 2002 के प्रावधानों का पालन करना होगा। वित्त मंत्रालय के बयान में कहा गया है, ऑब्लिगेशन एक्टिविटी बेस्ड है और भारत में भौतिक उपस्थिति पर निर्भर नहीं है।

मार्च 2025 तक तुअर, उड़द दाल आयात पर प्र तिबंध नहींः सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कहा कि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को काबू में रखने के प्रयासों के तहत मार्च, 2025 तक तुअर और उड़द दाल के आयात पर कोई प्रे तिबंध नहीं होगा। तुअर और उड़द दाल को मुक्त श्रेणी में रखा गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि उड़द और तुअर की मुक्त आयात नीति को 31 मार्च, 2025 तक बढ़ा दिया गया है। फिलहाल इन दालों के लिए मुक्त आयात नीति मार्च, 2024 तक लागू है। सरकार ने 15 मई, 2021 से मुक्त श्रेणी के तहत तुअर, उड़द और मूंग दाल के आयात की अनुमति दी थी और यह 31 अक्टूबर, 2021 तक वैध थी। इसके बाद तुअर दाल और उड़द दाल के आयात के संबंध में मुक्त व्यवस्था बढ़ा दी गई।

ब्रेनबीज ने आईपीओ के जरिये पैसे जुटाने सेबी के पास दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली । आईपीओ बाजार में एक और कंपनी प्रवेश करने जा रही है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फर्स्टक्राई की मूल कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये पैसे जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के समक्ष दाखिल दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ में 1816 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा 5.44 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। ये है डिटेलः बिक्री पेशकश में शेयर बेचने वालों में महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम), टीपीजी, न्यूक्रेस्ट एशिया, एसवीएफ फ्रॉग (केमैन) लिमिटेड, एप्रीकॉट इन्वेस्टमेंट्स, वैलेंट मॉरीशस, टीआईएमएफ, थिंक इंडिया अपॉर्चुनिटीज फंड, श्रोडर्स कैपिटल और पीआई अपॉर्चुनिटीज शामिल हैं। कंपनी के अनुसार नए आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल भारत के साथ-साथ सऊदी अरब में नई दुकानें और गोदाम खोलने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा पूंजी का उपयोग बिक्री, विपणन पहल के लिए किया जाएगा। बता दें कि फर्स्टक्राई मां-बच्चों से जुड़े उत्पाद बेचती है। आईपीओ का प्राइस बैंड तय होने वाला है। शेयरों की बिक्री कीमत बुक रनिंग लीड मैनेजर्स के परामर्श से ब्रेनबीज द्वारा निर्धारित की जाएगी। कोटक, मॉर्गन स्टेनली, बोफा सिक्योरिटीज, जेएम फाइनेंशियल और एवेंडस फर्स्टक्राई के प्रमुख प्रबंधक हैं। कंपनी को उम्मीद है कि विपणन, विस्तार, खुदरा वितरण, स्टॉक विकल्प पर उसके खर्चों से उनकी वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इंफ्रा का शेयर लिस्ट होने के तुरंत बाद ढहा

मुंबई । मैनेजमेंट कंपनी, इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट कंपनी इंफ्रा लिमिटेड के शेयर बाजार में लिस्ट हो गए। 72 रुपये की कीमत पर इसका शेयर एनसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुआ। गौरतलब है कि यह कीमत कंपनी के आईपीओ के प्राइस बैंड से करीब 11 फीसदी ज्यादा है। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद ही शेयर टूटने लगे 5 फीसदी से ज्यादा कि गिरावट के बाद शेयर 68.40 रुपये पर आ गया और लोअर सर्किट लग गया। इंफ्रा का आईपीओ 14.04 करोड़ रुपये की कीमत पर 21 दिसंबर को खुला था और 26 दिसंबर को बंद हुआ। 65 रुपये प्रति शेयर पर बोली लगाने के लिए प्राइस बैंड फिक्स था। इंडिफ्रा का आईपीओ 7.21 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ। रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व हिस्से को 12.07 गुना और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व हिस्से को 2.34 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। 21.6 लाख नए शेयर पब्लिक इश्यू में जारी किए गए। बता दें कि 2009 में बनी इंडिफ्रा लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट कंपनी है। गुजरात के आणंद स्थित यह कंपनी मुख्यतः इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्टिंग, गैस पाइपलाइन लेयिंग और इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट डिस्ट्रीब्यूशन सर्विसेज मुहैया कराती है। इंडिफ्रा पुराना नाम स्टारलीड्स कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 30 जून 2023 तक कंपनी का राजस्व 64.28 लाख रुपये और मुनाफा 3.54 लाख रुपये था।

एलन मस्क ने प्रति घंटे 100 करोड़ और अंबानी ने 8.80 करोड़ कमाए

नई दिल्ली ।

विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क इस साल अब तक 101 अरब डॉलर की आय अर्जित कर चुके हैं। मस्क का नेटवर्थ अब 238 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस साल अब तक 361 दिन में मस्क 84,10,27,00,00,000 रुपये कमा चुके हैं। उनकी हर घंटे की कमाई भारतीय रुपये में करीब 100 करोड़ होती है। दूसरी ओर एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी ने हर घंटे अपनी संपत्ति में ₹8.80 करोड़ जोड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क की कुल संपत्ति 27 दिसंबर 2023 तक 239 अरब डॉलर हो गई है। इसमें केवल इस साल ही 101 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इसको 83.27 रुपये प्रति डॉलर के हिसाब से देखें तो यह रकम 84,10,27,00,00,000 करोड़ होती है। अगर इसे 361 से भाग दें तो यह रकम 23,29,71,46,814 होगी। यानी पिछले इस साल हर दिन मस्क ने औसतन 23.29 अरब रुपये अपनी संपत्ति में जोड़े। और अगर इसे घंटे के हिसाब से देखें तो एलन मस्क ने 2023 में हर घंटे 97,07,14,450.60 रुपये कमाया। यानी हर मिनट मस्क की संपत्ति 1,61,78,574.17 रुपये बढ़ती गई। वहीं अगर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की बात करें तो उनकी संपत्ति में इस साल अब तक 9.16 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इनकी संपत्ति 762,753,200,000 रुपये बढ़ी। अंबानी की हर दिन की औसत कमाई 2,11,28, 89,750.69 रुपये और घंटे 8,80,37,072.94 रुपये रही। यानी अंबानी की कमाई हर मिनट 14,67,284.54 रुपये रही।

राम मंदिर उदघाटन पर 50,000 करोड़ के कारोबार होने का अनुमान

– देशभर में तैयारियां जोरों पर, बड़ी संख्या में रामभक्त अयोध्या पहुंचेंगे

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसमें रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 को होगा। इसके लिए देशभर में तैयो रियां जोरों पर चल रही हैं। बड़ी संख्या में रामभक्तों के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। साथ ही इस मौके को यादगार बनाने के लिए पूरे देश में शानदार तैयारियां की जा रही हैं। इसे कारोबार के लिहाज से भी बहुत ही अहम माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि राम मंदिर के उदघाटन के मौके पर देशभर में 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होने की उम्मीद है। कारोबारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन देशभर में 50,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यापार होने का अनुमान है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर देशभर में श्रीराम मंदिर के उदघाटन को लेकर एक जनवरी से अभियान चलाने की घोषणा की गई है।

इससे देशभर के लोगों में उत्साह दिख रहा है। खंडेलवाल ने बताया कि देश के सभी बाजारों में भगवान राम से जुड़ी चीजों की भारी मांग देखी जा रही है। इनमें श्री राम ध्वजा, श्री राम अंगवस्त्र सहित श्रीराम के चित्र से अंकित मालाएं, लॉकेट, चाबी की रिंग, राम दरबार के चित्र, राम मंदिर के मॉडल के चित्र, सजावटी लटकनें और कड़े सहित अनेक प्रकार का सामान शामिल हैं। साथ ही श्रीराम मंदिर के मॉडल की भी भारी मांग है। इसे हार्डबोर्ड, पाइनवुड और लकड़ी से अलग-अलग साइज में तैयार किया जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में महिलाओं और स्थानीय कारीगरों को रोजगार मिल रहा है। साथ ही कुर्ते, टी-शर्ट एवं दूसरे कपड़ों पर श्रीराम मंदिर के मॉडल की हाथ से कढ़ाई या फिर छपाई हो रही है। कुर्ते बनाने में खादी का उपयोग किया जा रहा है। 22 जनवरी को देशभर में दिवाली मनाने का आह्वान किया गया है। इससे मिट्टी के दिये, रंगोली बनाने के सामान, फूल, बाजारों एवं घरों में रोशनी के लिए बिजली के सामान की भारी मांग है। इससे कारोबार में तेजी आएगी। साथ ही बड़ी संख्या में होर्डिंग, पोस्टर, बैनर, पत्रक और स्टीकर बगैरह तैयार किए जा रहे हैं।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स 3,244 करोड़ के नए ठेके मिले

नई दिल्ली ।

इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी कल्पतरु को उसकी विदेशी अनुषंगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के साथ 3,244 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। कंपनी ने इसके साथ ही भूमिगत मेट्रो रेल सुरंग क्षेत्र में भी प्रवेश की घोषणा की है। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) के अनुसार एक भूमिगत मेट्रो रेल परियोजना के डिजाइन तथा निर्माण का ठेका मिला है। कंपनी इसके साथ ही टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) टनलिंग स्कोप तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी व्यवसाय में प्रवेश कर रही है। बयान के अनुसार केपीआईएल को अपने संयुक्त उद्यमों (जेवी) और विदेशी अनुषंगी कंपनियों के साथ 3,244 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। इसके अलावा कंपनी को विदेशी बाजारों से ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) व्यवसाय से जुड़े भी ठेके मिले हैं। केपीआईएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बयान में कहा कि हमें विभिन्न व्यवसायों में ठेके मिलने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। भूमिगत मेट्रो रेल सुरंग परियोजना में हमारा प्रवेश टिकाऊ शहरी बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का दर्शाता है। कंपनी वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं पर काम कर रही है। इसकी 70 से अधिक देशों में पहुंच है।

गुजरात में पिछले कुछ वर्षों से लगातार बढ़ रहा है प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

- गुजरात को अक्टूबर 2019 से मार्च 2023 तक 2.39 लाख करोड़ का एफडीआई प्राप्त हुआ

अहमदाबाद ।

गुजरात एफडीआई आकर्षित करने वाले शीर्ष भारतीय राज्यों में से एक है, उसे अक्टूबर 2019 से मार्च 2023 के बीच 2.39 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल हुआ। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार राज्य सरकार के प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों में गुजरात में एफडीआई में लगातार वृद्धि हुई है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) ने इसे प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वीजीजीएस का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी के बीच राज्य की राजधानी गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। एक वेबसाइट के अनुसार राज्य में 2022-23 में सालाना आधार पर एफडीआई में करीब 84 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में सर्वाधिक है। वेबसाइट के अनुसार 2021 में लागू किए गए कुल औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन या आईईएम (1.04 लाख करोड़ रुपये) में गुजरात का योगदान 30 प्रतिशत रहा। यह सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक था। अधिकारियों ने बताया कि अपने उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे, संपर्क और योग्य कार्यबल के साथ राज्य सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पहल के तहत गुजरात में कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इसमें निवेशक सुविधा मंच की स्थापना, स्वीकृतियां तथा लाइसेंस ऑनलाइन जारी करना, डिजिटलीकृत भूमि बैंक तथा स्व-प्रमाणन शामिल है। अे धिकारी के अनुसार वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के पहले संस्करणों में कोई भागीदार देश नहीं थे। 2019 से व्यापक निवेशक बैठक में 15 भागीदार देश शामिल हुए।

अरबी की उन्नत आर्गनिक जैविक खेती

अरबी एक बहुवर्षीय कंदीय फसल है। इसके बड़े आकार के पत्तों एंव कंद (गांठों)को सब्जी के रूप में खाते है। इसकी खेती मुख्यत: 1600 मीटर तक की ऊँचाई वाले क्षेत्रों में की जाती है। इन क्षेत्रों के लगभग सभी परिवार इसको गृह–वाटिका में उगाते हैं। अरबी अच्छे भाव बिकती है तथा इसका भण्डारण काफी समय तक कमरों में ही किया जा सकता है।

अरबी कि फसल को गर्म और आर्द्र जलवायु कि आवश्यकता होती है यह ग्रीष्म और वर्षा दोनों मौसमों में उगाई जा सकती है इसे उष्ण और उप उष्ण देशों में उगाया जा सकता है उत्तरी भारत कि जलवायु अरबी कि खेती के लिए सर्वोत्तम मानी गई है।

भूमि

अरबी के लिए पर्याप्त जीवांश वाली रेतीली दोमट मिटटी अच्छी रहती है इसके लिए गहरी भूमि होनी चाहिए ताकि इसके कंदों का समुचित विकास हो सके

प्रजातियाँ

आजकल भी अरबी कि स्थानीय किस्मे उगाई जाती है देश के प्रत्येक क्षेत्र में कुछ स्थानीय किस्मे उगाई जाती है अब कुछ उन्नत किस्मे भी उगाई जाने लगी है .

फैजाबाद, लाधरा वंशी, बंगाली बड़ा, देशी बड़ा, पंचमुखी, गुर्री काचू, आस काचू, काका काचू, सर काचू, एन.डी.सी.-1, एन.डी.सी.-2

बोने का समय

अरबी कि बुबाई फरवरी, मार्च, जून जुलाई में की जाती है

बीज की मात्रा

अरबी के लिए 8-10 क्विंटल बीज प्रति हे 0 कि फदर से उप्योद करे बुबाई के लिए केवल अंकुरित बीज का उपयोग करे।

बोने की विधि

अरबी कि बुबाई निम्नलिखित दो बिधियों से की जाती है .

समतल क्यारी

भली भाँती तैयार करके पंक्तियों कि आपसी 45 से 0 मि 0 और पौधों कि आपसी दुरी दुरी 30 से 0 मि 0 रखकर बीज बलि गांठों को 7.5 से 0 मि 0 गहराई पर मिटटी के अन्दर बो दे .

डौलों पर

45 से.मी. की दुरी पर डौलीयां बनायें डौलीयों के बिच दोनों किनारों 30 पर से.मी. की दुरी पर गांठे बो दें।

कन्दों को एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी 30-45 सैं. मी. तथा कंद से कंद की दूरी 20-30 सैं. मी. रखें तथा 5-6 सैं. मी. गहराई में बोयें। बीजाई के लिए 50-60 ग्राम भर वाले कन्दों का प्रयोग करें। बड़े कन्दों को काटकर प्रयोग किया जा सकता है। प्रत्येक टुकड़े में 1-2 आँखे होनी चाहिए। बीजाई के तुरन्त बाद घास पत्तियों या गोबर की खाद से ढकना आवश्यक है।

सिंचाई व निराई-गुड़ाई

गर्मी की फसल में सिंचाई हर सात दिन बाद तथा वर्षा) ॠ्तु की फसल में सिंचाई वर्षा बीत जाने पर हर 10 दिन के बाद करनी चाहिए । फसल की एक दो बार उथली गुड़ाई करें तथा प्रत्येक निराई के बाद खुली हुई जड़ों और कन्दों के ऊपर मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए ।

आर्गनिक जैविक खाद

गोबर की सड़ी हुयी खाद 25-30 टन प्रति हे . खेत में सामान मात्रा में बिखेर कर जुताई कर आर्गनिक 2 बैग भू पावर 50 किलो ग्राम, 2 - बैग माइक्रो फर्टी सिटी कम्पोस्ट वजन 40 किलो ग्राम, 2 - बैग माइक्रो भू पावर 10 किलोग्राम वजन, वजन खाद 2 बैग सुपर गोल्ड कैल्सी फर्ट वजन 10 किलो ग्राम, 2 बैग माइक्रो नीम वजन 20 किलो ग्राम और 50 किलो ग्राम अरंडी कि खली इन सब खादों को मिला कर मिश्रण तैयार कर प्रति एकड़ खेत में सामान मात्रा में बिखेर कर जुताई कर खेत तैयार कर बुवाई करें।

फसल 20 - 25 दिन कि हो जाये तब 2 किलो सुपर गोल्ड मैग्नीशियम 500 मी.ली. माइक्रो झाइम 400 लीटर पानी में मिलाकर अच्छी तरह घोलकर पम्प द्वारा तर बतर कर छिड़ काव करे दूसरा और जब - तीसरा हर छिड़काव 20 - 25 दिन पर लगातार करते रहें।

सिंचाई

ग्रीष्म ॠतु की फसल को अधिक सिचाइयों कि आवश्यकता होती है जबकि वर्षा ॠतु वाली फसल को कम सिचाइयों कि आवश्यकता पड़ती है गर्मियों में सिचाई 6-7 दिन के अंतर से 10-12 करते रहना चाहिए और वर्षा वाली फसल कि सिचाई दिन या आवश्यकतानुसार करते रहना चहिये अंतिम जून या जुलाई के प्रथम सप्ताह तक मिटटी चढ़ा देनी चाहिए यदि तने अधिक मात्रा में निकल रहे हों तो एक या दो मुख्य तनों को छोड़कर शेष सभी छटाई कर देनी चाहिए .

खरपतवार नियंत्रण

आवश्यकतानुसार प्रत्येक सिचाई के बाद - निराई गुड़ाई करे आमतौर पर 2-3 बार निराई गुड़ाई करने से काम चल जाता है .

कीट नियंत्रण

अरबी कि पत्तियां खाने वाले कीड़ों (सुंडी व मक्खी) द्वारा हानी होती है क्योंकि ये कीड़े नयी पत्तियों को खा जाते है .

रोकथाम

नीम का काढ़ा या गौ मूत्र का माइक्रो झाइम के साथमिलाकर छिडकाव करे .

रोग नियंत्रण

अरबी का झुलसा– यह रोग फाइटोफ्थोरा कोलोकेसी नामक फफूंदी के कारण होता है इसका प्रकोप - जुलाई अगस्त में होता है पत्तियों पर पहले गोल काले धब्बे पड़ जाते है बाद में पत्तियां गलकर गिर जाती है कंदों का निर्माण बिलकुल नहीं होता है।

रोकथाम

उचित फसल चक्र अपनाना चाहिए, रोगी पौधों को उखाड़ कर जाला देना चाहिए। नीम का काढ़ा या गौ मूत्र का माइक्रो झाइम के साथ मिलाकर लगातार 15 - 20 दिन के अंतराल पर छिड़काव करते रहना चाहिए।

नीम का काढ़ा

25 ग्राम नीम कि पत्ती ताजा हरा तोड़कर कुचल कर पिस कर किलो 50 लीटर पानी में पकाएं जब पानी 20 - 25 लीटर रह जाये तब उतार कर आधा लीटर प्रति पम्प पानी में मिलाकर प्रयोग करे।

गौ मूत्र

देसी गाय का गौ मूत्र 10 लीटर लेकर पारदर्शी बर्तन कांच या प्लास्टिक में लेकर 10 - 15 दिन धुप में रख कर आधा लीटर प्रति पम्प पानी मिलाकर प्रयोग करे।

खुदाई

अरबी कि जड़ों कि खुदाई का समय जड़ों के आकार, जाति, जलवायु और भूमि कि उर्बर शक्ति पर निर्भर करता है इसकी फसल बोने के लगभग 3 महीने बाद खुदाई के लिए तैयार हो जाती है पत्तियां सुख जाती है तब उनकी खुदाई करनी चाहिए .

उपज

प्रति हे 0 300-400 क्विंटल तक उपज मिल जाती है ।

भण्डारण

अरबी कि गांठों को ऐसे कमरे में रखना चाहिए जहा गर्मी न हो गांठों को कमरे में फैला दे गाठों को कुछ दिन के अंतरसे पलटते रहना चाहिए सड़ी हुयी गांठों को निकालते रहें इस प्रक्रिया से मिटटी भी झड जाती है आवश्यकतानुसार बाजार में बिक्री के लिए भी निकालते रहे - कही कही अरबी को सुखाने बाद स्वच्छ बोरों में भरकर भंडार गृह में रखते है

नए साल पर कुल्लू-मनाली में 90 फीसदी होटल बुक, 1 लाख टूरिस्ट आने की उम्मीद

कुल्लू । हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली में 90 फीसदी होटल बुक हो गए हैं । यहां एक लाख के लगभग पर्यटकों के आने की संभावना बनी हुई है । होटल मा ?लिकों ने पर्यटकों सुविधा के लिए सभी तरह के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं । ऐसे में माना जा रहा है कि कुल्लू और मनाली में नए साल के जश्न के लिए लाखों टूरिस्ट आने की उम्मीद जगी है । जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुनयैना शर्मा ने बताया कि बीते सप्ताह क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए कुल्लू में डेढ़ लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे । कुल्लू-मनाली में पर्यटकों में नए साल के लिए भारी उत्साह दिख रहा है और हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं । उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह ग्रीन टैक्स बैरियर से 12000 से अधिक पर्यटक वाहन गुजरे हैं। इसमें लोकल टैक्सियां और वोल्वो बसें शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि कुल्लू मनाली में 90 प्र ?तिशत से अधिक ऑक्युपेंसी न्यू ईयर के लिए एडवांस बुक हुई है। ऐसे में पिछली बार से इस बार ज्यादा संख्या में टूरिस्ट कुल्लू मनाली पहुंच रहे हैं। यहां गौरतलब है कि अटल टनल पर 24 और 25 दिसंबर को 40 हजार से अधिक टूरिस्ट वाहनों की आवाजाही दर्ज हुई थी। मनाली में न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर खासा क्रेज है। ऐसे में हर साल यहां नए साल का जश्न मनाने के लिए सैलानी पहुंचते हैं । इतनी भीड़ होती है कि कई बार तो देखा गया है कि टूरिस्ट की रात गाड़ी में ही कटी है। शहर से 15 किमी दूर के होटल भी फुल रहते हैं। हिमाचल में नए साल पर बर्फबारी के आसार हैं । मौसम विभाग ने 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है । ऐसे में बर्फबारी की उम्मीद से भी सैलानी पहुंच रहे हैं । साथ ही लंबा सप्ताहांत भी एक वजह बताई जा रही है ।

रामलला के दर्शन की चाहत लेकर मुंबई से अयोध्या के लिए पैदल निकल पड़ी मुस्लिम युवती

मुंबई । भगवान श्रीराम किसी एक धर्म या व्यक्ति के नहीं है । वे घट घट में बसते हैं । जो उन्हे आदरभाव से याद करता है वे उसी के हो जाते है । यही राम की खासियत है। कुछ इसी तरह का आदरभाव मुंबई की शबनम के दिल में है। उन्होंने बिना किसी की परवाह किए रामलला के दर्शन करने मुंबई से पैदल ही 1425 किलोमीटर के सफर पर निकल पड़ी हैं । उनकी भक्ति की राह में उसका मुस्लिम होना रोड़े नहीं बन सका है । फिलहाल शबनम रोजाना 25-30 किलोमीटर का सफर तय कर मध्य प्रदेश के सेंधवा पहुंच चुकी है। शबनम ने 21 दिसंबर को अपनी यात्रा शुरू की थी । उसके साथ सहयोगी रमन राज शर्मा व विनीत पांडे भी हैं, जो साथ-साथ पैदल चल रहे हैं। शबनम की यात्रा को जो चीज अद्वितीय बनाती है, वह उसकी मुस्लिम पहचान के बावजूद भगवान राम के प्रति उसकी अटूट भक्ति है । शबनम गर्व से कहती हैं कि राम की पूजा करने के लिए किसी को हिंदू होने की आवश्यकता नहीं है, एक अच्छा इंसान होना मायने रखता है। फिलहाल वह करीब आधी यात्रा पूरी कर चुकी हैं। अयोध्या यात्रा के पीछे की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर शबनम कहती हैं, भगवान राम सभी के हैं, चाहे उनकी जाति या धर्म कुछ भी हो । शबनम ने कहा कि उनका लक्ष्य इस गलत धारणा को चुनौती देना भी है कि केवल लड़के ही ऐसी कठिन यात्राएं कर सकते हैं । शबनम की इस नेक यात्रा में पुलिस ने न केवल उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की है बल्कि उसके भोजन और आवास की व्यवस्था करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।लंबी तीर्थयात्रा से होने वाली थकान के बावजूद, तीनों युवाओं का कहना है कि राम के प्रति उनकी भक्ति उन्हें प्रेरित करती है । ये तीनों पहले से ही सोशल मीडिया स्टार बन चुके हैं और उनसे मिलने वाले कई लोग उनकी कहानी और तस्वीरें साझा कर रहे हैं। शबनम की इस यात्रा में बाधाएं भी आईं। महाराष्ट्र में संवेदनशील इलाकों से गुजरते समय पुलिस ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और उन्हें कुछ परेशानी भरी स्थितियों से बाहर निकालने में भी मदद की। सोशल मीडिया पर कुछ घृणित टिप्पणियों के बावजूद, शबनम अपनी यात्रा के प्रति ना सिर्फ अटल और अविचल हैं बल्कि अयोध्या पहुंचने को लेकर उत्साहित हैं ।

नए साल के पहले सप्ताह में लैग्रेंज पॉइंट पर उतरेगा आदित्य एल1, इसरो प्रमुख ने बताया सौर मिशन

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि सौर मिशन आदित्य एल1 6 जनवरी को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज पॉइंट 1 (एल1) पर पहुंचेगा। यहां से स्पेस शिप बिना किसी बाधा के सूर्य का अध्ययन करेगी। यह मिशन इसी साल सितंबर में शुरू किया गया था ।आईआईटी बंबई के एनुअल साइंस और टेक्नॉलजी प्रोग्राम 'टेकफेस्ट 2023' में बतौर गेस्ट पहुंचे इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा, आदित्य एल1 अब करीब-करीब वहां पहुंच चुका है। आदित्य एल1 6 जनवरी को शाम 4 बजे लैग्रेंज पॉइंट पर पहुंच जाएगा। हम आदित्य एल1 के इंजन को बहुत नियंत्रित तरीके से ऑपरेट करेंगे, ताकि वह हेलो ऑर्बिट नामक कक्षा में प्रवेश कर सके।'बता दें कि 'लैग्रेंज पॉइंट' वह क्षेत्र है जहां पृथ्वी और सूर्य के बीच गुरुत्वाकर्षण निष्क्रिय हो जाएगा। सोमनाथ ने कहा कि गुरुत्वाकर्षण पूरी तरह बेअसर होना संभव नहीं है, क्योंकि चंद्रमा, मंगल, शुक्र जैसे अन्य पिंड भी हैं। उन्होंने कहा कि सभी छह पेलोड का परीक्षण किया जा चुका है और वे अच्छे से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी से बहुत अच्छी जानकारी मिल रही है। भारत के चंद्रयान-3 के बारे में सोमनाथ ने कहा कि डेटा एकत्र करने में अपने योगदान के 14 दिनों के बाद प्रज्ञान रोवर चंद्रमा की सतह पर हमेशा के लिए खत्म हो चुका है । हम उम्मीद कर रहे थे कि यह फिर से एक्टिव हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ ।

नए साल में लोगों को यह तोहफा देने को तैयार मोदी सरकार

नई दिल्ली । साल 2024 में लोकसभा चुनाव हैं । इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार जनता को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ी राहत देने की तैयारी में है। मोदी सरकार ने नए साल के मौके पर पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती करने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी हो सकती है, वित्त मंत्रालय इस संबंध में अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है । अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी जा रही है, जिससे भारत में ईंधन की कीमतें कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय जल्द ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की योजना बना रहा है। बताया जा रहा हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी हो सकती है । इसके पहले करीब दो साल पहले केंद्र सरकार ने पेट्रोल की कीमत में 8 रुपये और डीजल की कीमत में 6 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.71 रुपये जबकि डीजल की कीमत 89.62 रुपये प्रति लीटर है। फिलहाल महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु सहित देश के कई शहरों में ईंधन की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर के आसपास हैं ।

पूर्व सांसद जयाप्रदा पर कसा कानूनी शिकंजा

रामपुर । रामपुर से पूर्व सांसद जया प्रदा पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। दो मामलों में वारंट के बाद भी कोर्ट में हाजिर न होने पर उनकी गिरफ्तारी को पुलिस ने जयाप्रदा के दिल्ली और मुम्बई के ठिकानों पर छापे मारे । जया प्रदा अभी तक पुलिस के हाथ नहीं आयी हैं । पुलिस 10 जनवरी को उन्हें कोर्ट में पेश करना चुनौती है । जया प्रदा रामपुर सीट से लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा के टिकट से उतरी थीं। उनके खिलाफ स्वार और केमरी थाने में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ था । स्वार में दर्ज मामले में उन पर आचार संहिता लागू होने के बावजूद 19 अप्रैल को नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन करने का आरोप है । दोनों मामलों में पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिए थे । मामले की सुनवाई रामपुर एमपी- एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रही है। इन मामलों में पिछली कई तारीखों से जया प्रदा कोर्ट में पेश नहीं हो रही थीं । इस पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए थे । कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को एक टीम का गठन कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट से निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने एक टीम को दिल्ली और मुंबई के लिए रवाना किया।

पीएम मोदी की हिन्दुवादी छवि और राष्ट्रवाद के तिलिस्म को तोड़ पाएगी कांग्रेस

14 जनवरी से भारत न्याय यात्रा पर निकल रहे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में कुछ माह का समय शेष रह गया है। सियासी दलों ने इसके लिए अपनी-अपनी गोटी सेट करनी शुरु कर दी है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की धुरी कांग्रेस ने भी अब अपने सबसे बड़े नेताओं में से एक पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मैदान में उतारने का ऐलान कर दिया है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के मणिपुर से महाराष्ट्र के मुंबई तक राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा की घोषणा कर दी है।

राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को महाराष्ट्र के मुंबई पहुंचकर संपन्न होगी। राहुल 67 दिन की यात्रा के दौरान 6200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले हैं। कांग्रेस की रणनीति यात्रा के जरिए 14 राज्यों की 355 लोकसभा सीटों को कवर करने की है। मणिपुर टू मुंबई यह भारत न्याय यात्रा नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरेगी।

भारत न्याय यात्रा का जो रूट कांग्रेस ने तैयार किया है, इसमें शामिल राज्यों में फिलहाल कांग्रेस की स्थिति बहुत खराब है। इन 14 राज्यों में लोकसभा की कुल 355 सीटें हैं। मणिपुर में 2, नगालैंड में 1, असम में 14, मेघालय में 2, पश्चिम बंगाल में 42, बिहार में 40, झारखंड में 14, ओडिशा में 21, छत्तीसगढ़ में 11, उत्तरप्रदेश में 80, मध्यप्रदेश में 29, राजस्थान में 25, गुजरात में 26 और महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं। इन राज्यों में कांग्रेस की हालत पतली है। जिस मणिपुर से कांग्रेस की यात्रा शुरू होनी है, 2019 के चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। नगालैंड में भी पार्टी शून्य पर सिमट गई थी। वहीं असम की 14 में से कांग्रेस को तीन सीटों पर जीत मिली थी।

कांग्रेस के लिए हिंदी बेल्ट, खासकर यूपी और बिहार जैसे राज्यों में मंडल बनाम कमंडल यानी राममंदिर की लहर की काट तलाशने के लिए चुनौती होगी। भारत न्याय यात्रा नाम को इस बात का इशारा माना जा रहा है कि कांग्रेस का जोर जातीय, खासकर ओबीसी पॉलिटिक्स को धार देने की रणनीति पर होगा। जातीय जनगणना की मांग संसद से लेकर राज्यों के चुनाव तक, हर संभावित मंच पर कांग्रेस उठाती रही है।

सामाजिक न्याय यूपी और बिहार की राजनीति में एक बड़ा फैक्टर रहा है। यूपी में बीजेपी की गठबंधन सहयोगी सुभासपा, अपना दल सोनेलाल और निषाद पार्टी जैसे दलों के साथ ही बिहार में राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों की सियासत का आधार भी सामाजिक न्याय ही है। कांग्रेस की रणनीति अब कमंडल की काट के लिए जातीय वोट बैंक में आधार तलाशने की हो सकती है। बीजेपी ने तीन राज्यों की सरकार के द्वारा जातीय समीकरणों का जो गुणा-गणित सेट किया है, उस नई सोशल इंजीनियरिंग की काट भी कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। बीजेपी ने मध्य प्रदेश में सरकार की कमान मोहन यादव को सौंपकर यूपी और बिहार के यादव मतदाताओं को भी एक संदेश दे दिया है, वहीं भजनलाल शर्मा को सीएम बनाकर ब्राह्मणों और विष्णुदेव साय के जरिए आदिवासियों को संदेश दे दिया हैं। इसके बाद कांग्रेस के लिए चुनौती और भी कड़ी मानी जा रही है।

लद्दाख में 29 सड़कों के निर्माण के लिए 1100 करोड़ आवंटित : गडकरी

नई दिल्ली । सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में यातायात को सुगम बनाने के लिए वहां सड़कों का जाल बिछाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त कर कहा कि राज्य के लिए 29 सड़क परियोजनाओं के निर्माण के लिए धनराशि आवंटित कर दी है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि लद्दाख में राज्य राजमार्ग, प्रमुख और अन्य जिला सड़कों सहित 29 सड़क परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा और इसके लिए 1170.16 करोड़ रुपए आवंटित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्य में सड़कों को जोड़ने के लिए पुलों के निर्माण को भी महत्व दिया गया है और इसके तहत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत और पुलों का निर्माण भी किया जाएगा और इस काम के लिए 181.71 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का सबसे बड़ा केंद्र शासित प्रदेश और दूसरा सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य है। उनका कहना था कि लद्दाख इन अनुमोदित पहलों के माध्यम से अपने दूरदराज के गांवों तक बेहतर कनेक्टिविटी का साक्षी बनेगा। श्री गडकरी ने कहा कि इस वृद्धि से विशेष रूप से कृषि और पर्यटन में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की आशा है, जिससे लद्दाख के समग्र ढांचागत विकास में योगदान मिलेगा।

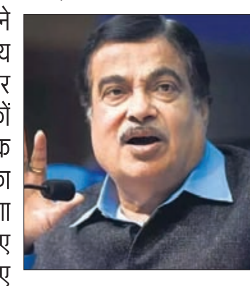

तेजस्वी को सीएम बनाना चहते हैं लालू यादव, हड़बड़ी देख असहज हुए नीतीश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लालू प्रसाद यादव द्वारा तेजस्वी यादव को सीएम बनाने की हड़बड़ी देख नीतीश कुमार भी असहज हो गए। हालांकि वह लगातार नीतीश से मिल रहे हैं, लेकिन किंग्रेस की व्यस्तता के कारण गठबंधन इंडिया ने कोई खास काम नहीं किया। अब जबकि 1974 के आंदोलन से निकले समाजवादी नेता और बिहार की राजनीति में बड़े भाई-छोटे भाई के नाम से मशहूर लालू यादव और नीतीश कुमार 74 दिन से एक-दूसरे के घर नहीं गए हैं। 16 अक्टूबर को जेडीयू के सर्वोच्च नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आखिरी बार लालू यादव से मिलने पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास गए थे। उससे पहले कभी लालू सीएम आवास तो कभी नीतीश राबड़ी आवास लगातार आ-जा रहे थे। विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस की व्यस्तता के कारण सितंबर से नवंबर तक इंडिया गठबंधन में सन्नाटा पसरा रहा। नतीजों में कांग्रेस की तगड़ी हार के बाद से दोनों पटना में नहीं मिले हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए दोनों अलग-अलग दिल्ली गए और लौटे। मीटिंग में जो मिले बस वही मुलाकात हुई है।

राजनीतिक गलियारों में इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले और उसके बाद नीतीश की 19 दिन लंबी चुप्पी ने कई सवाल पैदा किए हैं। उनमें सबसे बड़ा सवाल है कि क्या आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव के राजनीतिक दबाव से नीतीश कुमार असहज हो रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि 2022 में महागठबंधन में जेडीयू की वापसी के बाद से आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह समेत कई नेता नए साल में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने की जो बात कर रहे थे, वो बात अब साल का अंत आते-आते विवाद का कारण बन गई है। सूत्रों के अनुसार लालू चाहते हैं कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाकर नीतीश राष्ट्रीय राजनीति का रुख करें ताकि उनके बेटे को 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सरकार चलाने का अनुभव हासिल हो सके। हालांकि लालू यादव को लगता है कि नीतीश की परछाई से बाहर आकर तेजस्वी बतौर सीएम अपने काम, अपनी योजनाओं और अपनी नीतियों से खुद को और आरजेडी को मजबूत कर सकेंगे। यह मौका तेजस्वी को देने का वक्त आ गया है। सूत्रों का कहना है कि लालू यह भी चाहते हैं कि जेडीयू का आरजेडी में विलय हो जाए ताकि बिहार में एक ही मजबूत समाजवादी दल रहे। अब नीतीश जेडीयू के विलय पर किसी भी चर्चा से असहज हो जाते हैं। यही वजह है कि लालू से उनकी मुलाकात थम सी गई हैं। जहां तक तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने का सवाल है, नीतीश कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि तेजस्वी उनके सब कुछ हैं और उनके उत्तराधिकारी भी। नीतीश ने बहुत पहले ये साफ कर दिया था कि 2025 का विधानसभा चुनाव तेजस्वी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

सिद्धारमैया ने उठाई राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की मांग, कहा विभिन्न मुद्दों का समाधान केवल कांग्रेस के पास

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाए जाने की जमकर वकालत की। उन्होंने इसके पीछे के कारण बताते हुए कहा कि आज देश जिन मुद्दों का सामना कर रहा है, उन्हें केवल कांग्रेस ही हल कर सकती है और इसके लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए।

बात दें कि सिद्धारमैया का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ ही दिन पहले इंडिया अलायंस भीतर कुछ नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन का पीएम चेहरा बनाने की वकालत की थी।

बेंगलुरु में कांग्रेस के 139वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा, देश में किसी ने भी भारत जोड़ो यात्रा जैसा नहीं किया है। अब वह (राहुल गांधी) भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा वर्जन लाए हैं- न्याय यात्रा। ऐसा इसलिए क्योंकि देश में सबको न्याय नहीं मिला है। देश में हर किसी को- पिछड़े वर्ग, दलितों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को न्याय मिले, इसलिए यह यात्रा राहुल गांधी की ओर से की जा रही है।सिद्धारमैया ने कहा, देश की खातिर, संविधान की रक्षा के लिए, देश की बहुसंस्कृतिवाद और संप्रभुता को बचाने के लिए और सभी को न्याय दिलाने के लिए अपने सभी मतभेदों को भुलाकर हमें एक साथ लड़ना होगा और कांग्रेस को सत्ता में वापस लाना होगा। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले भी सिद्धारमैया ने राहुल गांधी को पीएम बनाने की वकालत की थी। सॉफ्ट (नरम) हिंदुत्व के मुद्दे पर सिद्धारमैया ने कहा, हिंदुत्व तो हिंदुत्व है। मैं एक हिंदू हूं। हिंदू और हिंदुत्व अलग-अलग हैं। क्या हमने अपने गांवों में राम मंदिर नहीं बनाए? क्या हम राम की पूजा और भजन नहीं करते? मैं भी अपने गांव में भजन करने जाता था। क्या हम हिंदू नहीं हैं? हम भी हिंदू हैं।

कांग्रेस को आंख दिखाकर बोली ममता, बंगाल में टीएमसी ही भाजपा को हरा सकती

कोलकाता (एजेंसी)। जनवरी के पहले सप्ताह में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा कर सकती है। इस बीच पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी लगातार कांग्रेस को आंखें दिखाने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को फिर से ममता बनर्जी ने दो टूक कहा है कि बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा को सबक सिखा सकती है। इसका मतलब साफ है कि दीदी ने कांग्रेस के साथ-साथ इंडिया गठबंधन में शामिल लेफ्ट के नेताओं को भी संदेश दे दिया है कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और इंडिया गठबंधन में भी राज्य में इसकी भूमिका बड़ी रहनी चाहिए। बता दें कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस आमने-सामने होते हैं। इसके अलावा वामपंथी दल और कांग्रेस के बीच गठबंधन भी बंगाल में रहता है, जिसका सीधा मुकाबला ममता की पार्टी टीएमसी से होता है। ममता ने कहा इंडिया गठबंधन पूरे देश में होगा। बंगाल में टीएमसी लड़ेगी और बीजेपी को हराएगी। उन्होंने कहा कि याद रखें, बंगाल में केवल टीएमसी ही बीजेपी को सबक सिखा सकती है, कोई अन्य पार्टी नहीं। इसके पहले उन्होंने कहा था कि भाजपा नागरिकता के मुद्दे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए कर रही है। भाजपा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है। पहले, जिलाधिकारी नागरिकता से जुड़े मामलों का फैसला करते थे, लेकिन अब राजनीति के लिए उनसे ये शक्तियां छीन ली गई हैं। ममता ने आरोप लगाया कि नागरिकता का मुद्दा उठाने के पीछे भाजपा का एजेंडा धार्मिक आधार पर लोगों को बांटना है।

नौकरियों की कमी, महंगाई के आरोप पर सामने आया पीएम मोदी का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाधाओं और वैश्विक संकटों के बावजूद, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लिए उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने नौकरियों की कमी और बढ़ती महंगाई के विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आइए आरोपों को किनारे रखें और तथ्यों पर चर्चा करें। सदी में एक बार आने वाली महामारी और वैश्विक संघर्षों के कारण वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को बाधित करने और यहां तक ??कि दुनिया भर में मंदी का दबाव पैदा करने वाले दो वर्षों के बावजूद, भारत ने उल्लेखनीय फ्लेसीबिल्टी पर बात करें।

पीएम मोदी ने कहा कि भारी बाधाओं, वैश्विक संकटों, आपूर्ति श्रृंखला टूटने और बुनियादी वस्तुओं की वैश्विक कीमतों पर असर डालने वाले भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, 2014-15 से 2023-24 (नवंबर तक) तक औसत मुद्रास्फीति केवल 5.1 प्रतिशत थी, जबकि पिछले 10 वर्षों के दौरान यह 8.2 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में चार महीने के निचले स्तर 4.8 प्रतिशत पर गिरने के बाद नवंबर में 5.55 प्रतिशत थी। नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति 8.70 प्रतिशत दर्ज की गई।

नौकरियों की कमी के आरोप पर पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को रोजगार मुहैया कराना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। पीएम मोदी ने कहा कि यह सर्वविदित है कि बुनियादी ढांचे में निवेश का विकास और रोजगार पर कई गुना प्रभाव पड़ता है। इसलिए, हमने पूंजी निवेश परिव्यय में लगातार वृद्धि की है। 2023-24 के बजट ने इसे 1.9 रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। 2013-14 में लाख करोड़। मेरा मानना ??है कि आपको अपने पाठकों को बताना चाहिए कि यह व्यय कैसे उत्पादक है और आम आदमी के लिए इतने सारे अवसर पैदा करता है।

ठंड से भारत, पाकिस्तान और चीन के लोगों की हो रही सर्वाधिक मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)।भारत,पाकिस्तान और चीन में कड़ाके की ठंड से सैकड़ों लोगों की हर साल जान चली जाती है। विभिन्न शोधों से पता चलता है कि भारत,पाकिस्तान और चीन के लोग में ठंड सहन करने की क्षमता काफी कम है। जिसके कारण होने वाली मौत के आंकड़े डराने वाले हैं। भारत में ऐसे भी स्थान हैं जहां पारा -50 डिग्री तक गिर जाता है। यहां साल 2020 में ठंड से होने वाली मौत का आंकड़ा गर्मी के मौसम में होने वाली मौतों से 76 गुना ज्यादा था । भारत में ठंड का मौसम आमतौर पर दिसंबर से फरवरी तक रहता है। इस दौरान, भारत के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस (32 डिग्री फॉरेन्हाइट) तक चला जाता है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी मौसम का लगभग यही ग्राफ रहता है। तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आते ही लोग ठिठुरने लगते हैं। गर्म कपड़े या गर्म चीजें खाकर खुद को ठंड से बचाने की जद्दोजहद करने लगते हैं लेकिन भारत में कई ऐसे भी स्थान हैं जहां पारा 0 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे चला जाता है। द्रास और सियाचिन ग्लेशियर भारत के सबसे ठंडे क्षेत्र माने जाते हैं। यहां पारा -50 डिग्री तक गिर जाता है। यही नहीं, ये क्षेत्र गर्मी के मौसम में भी ठंडे रहते हैं।

भारत में हर साल ठंड की चपेत में आने से सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। भारतीय मौसम विभाग आईएमडी के अनुसार, साल 2020 में ठंड से होने वाली मौत का आंकड़ा गर्मी के मौसम में होने वाली मौतों से 76 गुना ज्यादा था। इस अनुपात में इस साल ठंड से मौतें 20 सालों में सबसे अधिक हुईं। इस साल 99 दिन तक ठंडी हवाएं चलीं। 1980-2018 तक गर्मी के मौसम की तुलना में सर्दी ने ज्यादा भारतीयों की जान ली। 2017 से 2020 तक शीत लहरों के दिनों की संख्या में लगभग 2।7 गुना बढ़ोतरी हुई। 2017 के बाद से दिनों की संख्या लगातार बढ़ती रही। 2018 में 63 दिन तक शीत लहर का प्रकोप चला था, जो अगले साल 2019 में 1.5 गुना बढ़कर 103 दिन हो गई। 8 जनवरी 2006 को राजधानी दिल्ली और उत्तर भारत में बीते 20 सालों में सबसे ठंडे दिन के तौर पर रिकॉर्ड किया गया था। तब तेज बर्फीली उत्तर पश्चिमी हवाओं के कारण दिल्ली का तापमान 0।2 पर पहुंच गया था। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021 में ठंड की वजह से पूरे देश में 618 मौतें हुईं। साल 2020 में कुल 776 लोगों ने ठंड की वजह से अपनी जान गंवाई। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले दशक में, देशभर में ठंड के कारण सबसे ज्यादा मौत साल 2015 में हुईं थी, तब एक हजार से ज्यादा की जिंदगी चली गई थी।

वहीं चीन इस वक्त भीषण ठंड की मार झेल रहा है। राजधानी बीजिंग में तापमान जीरो से नीचे चला गया है। ठंडी हवाओं के चलते पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों में तापमान -40 सेल्सियस पहुंच गया है। बर्फीली हवाओं ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। यहां ठंड ने पिछले 72 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले साल 1951 में चीन में इस तरह की भयंकर ठंड ने लोगों का जीना मुश्किल किया था। अमेरिका के अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में लोग अलग-अलग तरह की ठंड का सामना करते हैं। यहां कुछ राज्यों में सालभर ठंडी का मौसम रहता है। पश्चिमी क्षेत्र कैलिफोर्निया अक्सर गर्म और शुष्क रहता है, लेकिन उच्च पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी देखी जा सकती है। यहां उत्तरी क्षेत्रों में सर्दीयों में बर्फबारी और ठंड आम बात है, यहां गर्मियों के मौसम में भी अधिक ठंडक होती है। अमेरिका के दक्षिणी क्षेत्र फ्लोरिडा गर्म और शुष्क रहता है। न्यूयॉर्क में ठंडी हवा और बर्फबारी सामान्य है, जो सर्दियों में अधिक रहती हैं। जनवरी 1912 में अमेरिका में भीषण शीत लहर चली थी, तब सबसे लंबे समय तक -17.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे पारा दर्ज किया गया था।

दुनिया का एक शहर ऐसा भी है जहां खून जमा देने वाली ठंड पड़ती है, जहां लोग अपनी कार बंद ही नहीं करते हैं। ये शहर है- याकुत्स्क। रूस की लेना नदी (स्ह्रठ्ठड्ड ऋद्ब1द्गह्ल) के पास बसा ये शहर राजधानी मॉस्को से 5 हजार किमी पूर्व में स्थित है। यहां न्यूनतम तापमान -83 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड हो चुका है। याकुत्स्क में इंसान का जिंदा रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। यहां हर वक्त बर्फ ही जमी रहती है तो खेती के बारे में तो कोई सोच ही नहीं सकता। इसलिए खाद्य सामग्री बहुत कम ही पहुंच पाती है। मछलियां ही याकुत्स्क शहर के लोगों के लिए खाने का अहम हिस्सा है।

हमास के लड़ाकों ने इजरायली महिलाओं से की दरिंदगी

-फटे कपड़े, जले चेहरे और गुप्तांगों पर हमला, यह है हकीकत

यरुशलम । हमास के लड़ाकों ने इजरायली महिलाओं के साथ दरिंदगी की हद पार कर दी । उनके पकड़े फाड़े गए, चेहरों को दागा गया और गुप्तांगों पर चोट पहुंचाई गई। हमले के बाद जांच में अब खुलासा हुआ है कि इस दौरान दक्षिणी इजरायल की महिलाओं को यौन हिंसा का सामना करना पड़ा। इसे लेकर 2 महीने लंबी जांच की गई । इसमें पता चला कि हमास के लड़ाकों ने टारगेटेड लोकेशन पर क्रूर हत्याएं की और महिलाओं को यौन हमले से गुजरना पड़ा । सेंट्रल इजरायल की रहने वाली और 2 बच्चों की मां गैल अब्दुश पीड़ितों में से एक हैं । वह एक पार्टी से गायब हो गई थीं जहां हमास के आतंकियों ने कत्लेआम मचाया था । घटना को लेकर वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक महिला अपनी दोस्त की तलाश करती दिखी । वीडियो में देखा गया कि अब्दुश सड़क पर पड़ी हुई थीं । उनके कपड़े फटे हुए थे और चेहरे को जलाया गया था । इजरायल के पुलिस अधिकारी वीडियो के आधार पर यह मानते हैं कि गैल अब्दुश का रेप किया गया था । हमास ने इजरायल में घुसकर किस तरह की क्रूरता की अब्दुश की कहानी उसे सामने रखती है । जांच के दौरान ऐसी करीब 7 जगहें पता चली हैं जहां पर इजरायली महिलाओं और लड़कियों के साथ यौन हिंसा की गई । इनमें से कई को शारीरिक तौर पर गंभीर चोट पहुंचाई गई । अब तक ऐसी 30 महिलाओं और लड़कियों की मिली बॉडी जिनके साथ क्रूरता की गई । सर्वेक्षण ने इस बारे में जानकारी हासिल करने के लिए मौके पर मौजूद लोगों, डॉक्टर्स, सैनिकों और रेप काउंसलर्स से बातचीत की । रिपोर्ट के मुताबिक, हाईवे रूट नंबर 232 पर गैल अब्दुश के अलावा और भी कई पीड़ित महिलाएं मिलीं जिनके साथ बलात्कार हुआ था । जांचकर्ता को इजरायली सैनिकों की ओर से यह बताया गया कि उन्हें 30 ऐसे महिलाओं और लड़कियों की बॉडी मिली । इनके साथ मारपीट हुई थी, इनके कपड़े फाड़े गए थे और जननांगों के पास भी गहरी चोट के निशान थे । इनके जो वीडियो और फोटो सामने आए वो बहुत ही भयानक स्थिति को बयां करते हैं । हालांकि, हमास इजरायल के ऊपर हमले के दौरान यौन हिंसा से इनकार करता रहा है । उसका कहना है कि इजरायल की ओर झूठी कहानियां बनाई गई हैं जो नाकाफी है ।

कोरियन एक्ट्रेस ने किया सुसाइड, सदमें में परिवार

हॉन्ग कॉन्ग । पॉपुलर हॉन्ग कॉन्ग एक्ट्रेस लाई सुक यिन ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने क्रिसमस मनाने के बाद 26 दिसंबर को सुसाइड कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार 47 साल की एक्ट्रेस अपने बेटे के पास अनकॉन्शियस हालत में पाई गई । कहा जा रहा है कि लाई सुक यिन ने घर पर कोयले जलाए थे। जिसके बाद उन्होंने सुसाइड करने की कोशिश की । एक्ट्रेस को आनन-फानन में जब अस्पताल लेकर गया तो उन्हें मृत घोषित कर दिया । पुलिस सुसाइड को लेकर छानबीन में जुटी हुई है, और घटना की जांच कर रही है । लाई सुक यिन के परिवार को झटका लगा है, सभी सदमें में हैं। उनका कहना है कि एक्ट्रेस एक दिन पहले उनके घर साथ में क्रिसमस सेलिब्रेट करने के लिए आई थीं । इस दौरान के कुछ मोमेंट्स इंस्टाग्राम पर भी शेयर किए थे, जिसमें उनके साथ पति और दोनों बेटे भी नजर आ रहे थे । इसके अलावा लाई सुक यिन ने अपेन पेट डॉग के साथ और क्रिसमस मील की भी एक फोटो शेयर की थी जो फैन्स के बीच काफी पॉपुलर हुई थी । साल 1995 में एक्ट्रेस लाई सुक यिन ने एंटरटेनमेंट की दुनिया में कदम रखा था । वह मिस एशिया ब्यूटी पेजेंट में रनरअप रही थीं । लाई सुक यिन ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और वैंपायर एक्सपर्ट 2 और यंग एंड डेंजरस 3 में काम किया । साल 1996 तक इन्होंने फैन्स के बीच अपनी जगह बना ली थी । काफी पॉपुलैरिटी मिल गई थी । इसके बाद साल 1998 में लाई सुक यिन ने शादी कर ली । हॉन्ग कॉन्ग के एक्टर लाऊ से इन्होंने शादी रचाई, जिसके बाद दो बेटे हुए । हालांकि, साल 2006 में दोनों का तलाक हो गया ।

सनकी तानाशाह ने सेना को जंग के लिए तैयार रहने को कहा

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना, युद्ध सामग्री उद्योग और परमाणु हथियार क्षेत्र को अमेरिका के अभूतपूर्व टकराव वाले कदमों का मुकाबला करने के लिए युद्ध की तैयारियों में तेजी लाने का आदेश दिया है । सरकारी मीडिया ने कहा कि देश की सत्तारूढ़ पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक में नए साल के लिए नीति निर्देशों पर बोलते हुए, किम ने कहा कि प्योंगयांग साम्राज्यवाद विरोधी स्वतंत्र देशों के साथ रणनीतिक सहयोग का विस्तार करेगा । उत्तर कोरिया दूसरों के बीच रूस के साथ संबंधों का विस्तार कर रहा है, क्योंकि वाशिंगटन ने प्योंगयांग पर यूक्रेन के साथ युद्ध में उपयोग के लिए मास्को को हथियार और सैन्य उपकरण की आपूर्ति करने का आरोप लगाया है, जबकि रूस उत्तर को अपनी सैन्य क्षमताओं को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है । वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की 8वीं केंद्रीय समिति की 9वीं पूर्ण बैठक मंगलवार को एक साल पूरे होने पर शुरू हुई, जिसके दौरान पृथक उत्तर ने अपने संविधान में परमाणु नीति को स्थापित किया, एक जासूसी उपग्रह लॉन्च किया और एक नया अंतरमहाद्वीपीय प्रक्षेपण किया । इससे पहले पिछले हफ्ते, किम जोंग उन ने कहा था कि उनके देश की नीति उकसाए जाने पर अपने प्रतिद्वंद्वियों पर परमाणु हमला करने में संकोच नहीं करने की है, साथ ही उन्होंने अपने हालिया अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण में शामिल सैनिकों की प्रशंसा की ।

भारतीय-कनाडाई व्यक्ति पर हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ और नकदी चुराने का आरोप, गिरफ्तार

टोरंटो । कनाडा के डरहम और ग्रेटर टोरंटो में हाल के महीनों में हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ मामले में 41 वर्षीय भारतीय-कनाडाई व्यक्ति को गिरफ्तार किया । डरहम पुलिस ने कहा कि ये अपराध घृणा या नफरत से प्रेरित नहीं लग रहे हैं । जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार हुए 41 वर्षीय भारतीय-कनाडाई व्यक्ति की पहचान ब्रैम्पटन शहर के जगदीश पंढेर के रूप में हुई है । आठ अक्टूबर को उसके अधिकारियों ने पिकरिंग में बैली स्ट्रीट और क्रोस्नो बुलेवार्ड के क्षेत्र में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ और प्रवेश की रिपोर्ट पर रिस्पांस किया । पुलिस के मुताबिक, सुरक्षा निगरानी में पंढेर को मंदिर में घुसते और दान पेटियों से बड़ी मात्रा में नकदी चुराते देखा गया । हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह भाग निकला । बयान के मुताबिक, पंढेर सुबह निगरानी फुटेज में पिकरिंग और अजाक्स में हिंदू मंदिरों में अतिरिक्त तोड़फोड़ करते हुए देखा गया था । पुलिस ने बताया कि संदिग्ध सालभर में हिंदू मंदिरों में कई अन्य तोड़फोड़ और घुसपैठ से जुड़ा हुआ है । यह तमाम घटनाएं डरहम और ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र के आसपास हुई हैं ।

पाकिस्तान में नए साल के जश्न पर लगाई रोक, पीएम काकड़ का फैसला

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में नए साल के जश्न पर रोक लगा दी गई है । पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकड़ ने यह फैसला लिया है । उन्होंने गाजा के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए देश में नए साल के जश्न पर प्रतिबंध लगाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की । काकड़ ने राष्ट्र के नाम एक संक्षिप्त संबोधन में देशवासियों से फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने का आग्रह किया । उन्होंने कहा कि सरकार फलस्तीन की गंभीर चिंताजनक स्थिति को ध्यान में रखते हुए और हमारे फलस्तीनी भाइयों एवं बहनों के साथ एकजुटता दिखाने के मकसद से नए साल का जश्न मनाने के लिए आयोजित होने वाले हर तरह के आयोजन पर सख्त प्रतिबंध लगाती है । पीएम काकड़ ने कहा कि सात अक्टूबर को इजरायली बमबारी शुरू होने के बाद से इजरायली सेना ने 'हिंसा और अन्याय की सभी सीमाएं लांघते हुए लगभग 9,000 बच्चों समेत 21,000 से अधिक फलस्तीनियों की जान ले ली ।'

उन्होंने कहा कि पूरा पाकिस्तान और मुस्लिम जगत गाजा एवं वेस्ट बैंक में निर्दोष बच्चों एवं निहत्थे फलस्तीनियों के नरसंहार से बेहद दुखी है । पीएम काकड़ ने कहा कि पाकिस्तान ने फलस्तीन को दो सहायता पैकेज भेजे हैं और तीसरा पैकेज तैयार किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि पाकिस्तान फलस्तीन को समय समय पर सहायता प्रदान करने और गाजा में मौजूद घायलों को निकालने के लिए जॉर्डन एवं मिस्र के साथ बातचीत में लगा हुआ है ।

तेहरान में लोग ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के वरिष्ठ सलाहकार, सैय्यद रज़ी मौसवी के ताबूत को अंतिम संस्कार के लिए ले जाते हुए, जो सीरियाई राजधानी दमिश्क के बाहर एक इजरायली हवाई हमले में मारे गए थे।

कोलोराडो के बाद अब मैने ने ट्रंप के चुनाव लड़ने पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव लड़ पाना कठिन होता जा रहा है । एक के बाद एक, उन पर चुनाव न लड़ने के प्रतिबंध लगते जा रहे हैं । पहले कोलोराडो ने उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाई अब मैने ने भी इस पर प्रतिबंध लगा दिया है ।अगले साल राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने की कोशिश कर ट्रंप को चुनौती दे रही राष्ट्रपति बाइडेन की पार्टी लगातार मुश्किले खड़ी कर रही है । डेमोक्रेट शासित एक और राज्य मैने ने राज्य में ट्रंप के चुनाव लड़ने पर बैन लगा दिया है । स्टेट सेक्रेटरी ने कहा कि ट्रंप के बयान की वजह से ही 2021 में यूएस कैपिटल पर हमला हुआ था । मैने के अलावा कोलोराडो ने डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव लड़ने पर रोक लगा रखा है । अब ट्रंप के पास सुप्रीम कोर्ट जाने के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं बचा है । कोलोराडो और मैने – इन दोनों ही राज्यों में डेमोक्रेट का दबदबा है और अगर सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिलती और ट्रंप चुनाव भी लड़ते हैं तो उनकी हार होना लाजिम है ।

मैने सेक्रेटरी ने कहा कि ट्रंप ने चुनाव के बाद और खासतौर पर 6 जनवरी 2021 को चुनावी धांधली का झूठा नैरेटिव गढ़ा और अपने समर्थकों को कैपिटल में घुसने के लिए उकसाया था और इसलिए उन्हें चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं होना चाहिए । डोनाल्ड ट्रंप इस बीच चुनावी रैलियों में जुटे हैं और तेजी से अपना अभियान चला रहे हैं । उनके कैंपेन हेड ने स्पष्ट किया है कि वे मैने सेक्रेटरी के फैसले पर लीगल कार्रवाई करेंगे । पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव से रोकने के लिए डेमोक्रेट पार्टी तमाम कोशिशों में जुटी है । मसलन, कई राज्यों में 14वें संविधान संशोधन के तहत उन्हें चुनाव से रोकने की कोशिश की जा रही है । सबसे पहले कोलोराडो में डोनाल्ड ट्रंप पर इस संविधान संशोधन के तहत कार्रवाई की गई ।

जासूसी कर रहे गूगल को देना पड़ सकता है 41,000 करोड़ का जुर्माना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कैलिफोर्निया (ईएमएस)। चोरी छिपे अपने यूजर्स की जासूसी कर रहे गूगल को 41,000 करोड़ का जुर्माना लग सकता है। दरअसल गूगल यूजर्स की प्राइवेसी में सेंध लगाकर डाटा इकट्ठा कर रहा है। इसके लिए उसे 5 बिलियन डॉलर यानी करीब 41 हजार करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करना पड़ सकता है। गूगल पर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि कंपनी यूजर्स के डेटा की सीक्रेट ट्रैकिंग कर रही है। इसलिए गूगल के खिलाफ एक केस दायर किया गया, जिसका निपटारा करने का आदेश गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट को दिया गया है। हालांकि गूगल का कहना है कि उसने केस का निपटारा कर लिया है, लेकिन कैलिफोर्निया की अदालत ने कंपनी को 24 फरवरी 2024 तक केस के निपटारे के डोक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का टाइम दिया है। अगर गूगल आदेशों की पूर्ति नहीं कर पाया तो उसे जुर्माना भरना पड़ेगा। केस करने वाले व्यक्ति का कहना है कि गूगल एनालिटिक्स, कुकीज़ और ऐप्स के माध्यम से

यूजर्स को ट्रैक किया जा रहा है।

इतना ही नहीं, गूगल यूजर्स की पसंद और नापसंद, दोस्तों, शौक, पसंदीदा भोजन, खरीदारी की आदतों और कुछ अन्य निजी बातों के बारे में जानता है, जिनके बारे में यूजर्स ऑनलाइन सर्च करते हैं। गूगल ने अपनी तरफ से मुकदमे को ख़ारिज करने की कोशिश की, लेकिन कोर्ट ने मामले की तह तक जाने के लिए गूगल की दलील को खारिज कर दिया। न्यायाधीश रोजर्स ने कहा कि साल 2020 में दायर इस मुकदमे में 1 जून 2016 से अब तक के लाखों गूगल यूजर्स को पार्टी बनाया गया है। केस में प्रत्येक यूजर को कम से कम 5 हजार डॉलर मुआवजा देने की मांग की गई है।

गौरतलब है कि गूगल पर अकसर यूजर्स की जासूसी करने के आरोप लगते रहे हैं। अमेरिकी सीनेटर रॉन विडेन ने इसे सरकार के इशारे पर किया गया कृत्य करार दिया। साथ ही मामले को लेकर न्याय विभाग को एक पत्र भी लिखा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि गूगल पुश नोटिफिकेशन के जरिए यूजर्स की जासूसी कर रहा है। बता दें ?कि पुश नोटिफिकेशन एक पॉप अप मैसेज है, जो होम स्क्रीन पर नया मैसेज आने का अलर्ट होता है, लेकिन इसके जरिए जासूसी संभव है। अगर यूजर ने पुश नोटिफिकेशन ऑन किया है तो टेक कंपनियां पता लगा सकती हैं कि आपके फोन में कौन-सा ऐप इंस्टॉल है, आप के आईडी पासवर्ड क्या हैं तथा दोस्त कौन हैं? आपके फोन में किस-किस का नंबर सेव है।

चीन में नेवी चीफ डोंग जून बने नए रक्षा मंत्री, 'गायब' ली शांगफू को हटाने के 2 महीने बाद हुई नियुक्ति

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने शुक्रवार को ली शांगफू की जगह डोंग जून को अपना नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया, जिन्हें अगस्त से लापता होने के बाद दो महीने पहले बिना किसी स्पष्टीकरण के हटा दिया गया था। नए रक्षा मंत्री की नियुक्ति तब हुई जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग चीन को एक प्रमुख विश्व शक्ति बनाने के अपने प्रयास के तहत सेना को उन्नत कर रहे हैं, एक ऐसा उद्देश्य जिसने कई पड़ोसियों को चिंतित कर दिया है। 62 वर्षीय डोंग हाल ही में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के नौसेना प्रमुख थे। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले उन्होंने उत्तरी समुद्री बेड़े, पूर्वी समुद्री बेड़े के साथ-साथ दक्षिणी कमांड थिएटर सहित पीएलए के सभी प्रमुख डिवीजनों में काम किया है।

चीन के रक्षा मंत्री की भूमिका मीडिया और अन्य सेनाओं के साथ पीएलए का सार्वजनिक चेहरा बनना है, जैसा कि रॉयटर्स ने बताया है। हालाँकि, अन्य देशों के विपरीत, मंत्रालय का रक्षा नीति या सैन्य प्रबंधन में बहुत अधिक योगदान नहीं है।

ली शांगफू को क्या हुआ?

इस साल अक्टूबर में चीन ने ली शांगफू को बिना किसी स्पष्टीकरण के रक्षा मंत्री और स्टेट काउंसिलर के पद से हटा दिया था। उन्होंने मार्च में रक्षा मंत्री का पद संभाला था, लेकिन 25 अगस्त के बाद से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया था। रिपोर्टों के अनुसार, ली रूस से हथियार खरीद की देखरेख से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत थे, जो उन्हें देश में प्रवेश करने से रोकते थे। तब से, चीन ने अमेरिकी सेना के साथ संपर्क काट दिया। ली के कार्यकाल के दौरान भी वह प्रतिबंधों के कारण अपने अमेरिकी समकक्ष से नहीं मिले थे. विशेष रूप से, चीन के रक्षा मंत्री के काम का एक महत्वपूर्ण तत्व ताइवान और दक्षिण चीन सागर पर संघर्ष के जोखिम को कम करने के लिए अमेरिकी सेना के साथ जुड़ना है।

आतंकी हाफिज सईद के प्रत्यार्पण की मांग पर पाकिस्तान का लचर रवैया

इस्लामाबाद । भारत ने मुंबई के 26/11 और पुलवामा आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा सरगना हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से मांग की है । पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारत के हाफिज को मांगने की खबर पर कहा कि यह पूरी तरह से अटकलों पर आधारित है । पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जहरा बलोच ने हाफिज सईद के भारत प्रत्यर्पण के सवाल पर कहा, यह अटकलों पर आधारित रिपोर्टिंग के तहत पूछा गया सवाल है । हम इस तरह की रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे । इससे पहले भारतीय सूत्रों और पाकिस्तानी मीडिया ने खुलासा किया है कि भारत के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान की सरकार से हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग की है । हाफिज सईद इस समय जेल में बंद है । बताया जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह हाफिज सईद के प्रत?यर्पण के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करे । गौरतलब है कि हाफिज सईद भारत की मोस्ट वांटिड आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल है । यही कारण है कि अब भारत हाफिज सईद को भारत लाने की तैयारी में है ।

इजरायली हमलों से खाली होने की कगार पर गाजा, 19 लाख लोग बेघर हुए

तहरान (एजेंसी)। गाजा (ईएमएस)। इजरायली हमलों से गाजा खाली होने की कगार पर पहुंच गया है। यहां लगभग 19 लाख लोग बेघर होकर ?विस्थापन का ?शिकार हुए हैं। गौरतलब है ?कि इजरायल-हमास युद्ध तीसरे महीने में प्रवेश करने वाला है और फिलहाल संघर्ष रुकने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र ने चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि गाजा खाली होने की कगार पर है, क्योंकि क्षेत्र की करीब 85 फीसदी आबादी विस्थापित हो चुकी है। इधर हमास के हमले के बाद से ही इजरायली बलों की कार्रवाई जारी है। संयुक्त राष्ट्र के यूनोका का कहना है कि गाजा में जारी इजरायल के सैन्य हमलों में करीब 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। यह क्षेत्र की कुल आबादी का अनुमानित 85 फीसदी हिस्सा है। इसके अलावा यूनोका ने गाजा में महिलाओं और बच्चों की बुरी स्थिति का ब्योरा भी दिया है। यूएन का कहा है कि यहां कई बच्चों पर बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

यूएन ने ट्वीट किया, कि गाजा में अधिकांश लोग विस्थापित हो चुके हैं। कई परिवार सुरक्षा के लिए बार-बार जगह बदलने पर मजबूर हो रहे हैं। आगे कहा गया ?कि सीमित खाद्य आपूर्ति, जीवन के लिए बुनियादी चूजों की कमी, और साफ-सफाई की कमी बुरे हालात को और बढ़ा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के अनुसार गाजा में चार में से एक फिलिस्तीनी भूख से पीड़ित है। बता दें ?कि इजराइल के हमले में उत्तरी गाजा का अधिकांश भाग तबाह हो चुका है, बड़े पैमाने पर यहां से लोगों का पलायन हो चुका है और कई हफ्तों से यह क्षेत्र शेष गाजा से कटा हुआ है। कई लोगों को डर है कि गाजा के दक्षिण क्षेत्र में भी ऐसा ही हश्र होगा। इजरायली सेना ने गाजा में गुरुवार को शहरों, कस्बों और शरणार्थी शिविरों को निशाना बनाकर जमीनी और हवाई हमले किए, जिसमें कई फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं और हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। नागरिकों की मौत हो चुकी है।

चीन की प्रताड़ना से परेशान हॉन्ग-कॉन्ग का नेता पहुंचा ब्रिटेन

लंदन (एजेंसी)। चीन का विवाद हॉन्ग-कॉन्ग से पुराना है। यहां के लोगों को प्रताड़ित करना चीन के लिए नई बात नहीं है। चीन ने 2021 में चीन ने बड़े स्तर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र समर्थकों को जेल में डाल में डाल दिया था। उन्हीं में एक थे टोनी चुंग, जो अब जेल से बाहर हैं और शरण के लिए ब्रिटेन पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि जेल में रहने के दौरान किस तरह चीनी पुलिस उन्हें टॉर्चर करती थी, जिसका उनके दिमाग पर गंभीर असर पड़ा।बता दें कि टोनी चुंग, लोकतंत्र समर्थक समूह स्टूडेंटलोकेलिस्म के नेता हैं। इस पार्टी को चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की वजह से 2020 में भंग कर दिया गया था। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर खुलासा किया कि चीनी पुलिस उन पर हाजिरी लगाने का दबाव बना रही थी। वह पिछले कुछ महीने से दिमागी समस्याओं का सामना कर रहे थे। उन पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी। जेल से रिहा किए जाने के बाद पुलिस ने उन्हें मुखबिर बनने का ऑफर दिया।

टोनी चुंग को नवंबर 2021 में 43 महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। वह तब 20 साल के थे। आरोप था कि वह उस ग्रुप का हिस्सा थे जो हॉन्ग-कॉन्ग को चीन से अलग करना चाहते थे। दरअसल, 2020 में हॉन्ग-कॉन्ग में बड़े स्तर पर लोकतंत्र समर्थक सड़कों पर आ गए थे। इसको लेकर चीन ने यहां एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू कर दिया। इसी कानून के तहत टोनी चुंग और उनके साथियों पर मामले थोपे गए और उन्हें जेल में डाल दिया गया। इसी साल जून में वह रिहा किए गए। टोनी चुंग ने बताया कि जेल में चीनी पुलिस अलग से कट्टरपंथी पर एक क्लास चलाती थी, जिसमें सभी कैदियों को शामिल होना पड़ता था। यहां खासतौर पर चीन के प्रति वफादारी सिखाई जाती थी। बीमारी की वजह से चुंग को कुछ दिनों की छुट्टी पर जापान भेजा गया था, जहां से वह ब्रिटेन पहुंच गए। चुंग ने बताया कि उन्होंने ब्रिटेन में राजनीतिक शरण के लिए अप्लाई किया है। पिछले कुछ सालों में हॉन्ग-कॉन्ग छोड़ने वाले टोनी चुंग पहले शख्स नहीं हैं। इससे पहले उनके कई साथियों ने शहर छोड़ दिया है और दूसरे देशों में शरण लिए हुए हैं।

अलविदा 2023- अमेरिका की आबादी 2023 में 17 लाख बढ़ी, अब 34 करोड़ हुई जनसंख्या

वॉशिंगटन (एजेंसी)। विश्व की जनसंख्या इस साल लगभग 1 फीसदी के ग्रोथ रेट से बढ़ी है। अमेरिकी सरकार के एक आंकड़े के मुताबिक 2024 की शुरुआत में हर सेंकेंड दुनिया में 4.3 बच्चे जन्म लेंगे जबकि इसी दौरान दो लोगों की मौत हो जाएगी। अगर अमेरिका की बात करें तो उसके आबादी की रफ्तार 2023 में 0.53 फीसदी रही है। यह दुनिया का जो औसत है, उससे लगभग आधा है। अमेरिका की आबादी 2023 में 17 लाख बढ़ी है। बढ़ी हुई संख्या के बाद अमेरिका की आबादी करीब 34 करोड़ हो गई है। अगर इसी तरह अमेरिका की आबादी बढ़ती रही तो यह दशक अमेरिकी इतिहास में सबसे कम आबादी की ग्रोथ रेट वाला होगा। अनुमान है कि इस दशक में अमेरिकी आबादी में तकरीबन 4 फीसदी का इजाफा होगा।

1930 से पहले अमेरिकी आबादी एक दशक में 7 फीसदी से भी ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज कर रही थी। फिर 1930 के ग्रेट डिप्रेशन के बाद अमेरिकी जनसंख्या की रफ्तार कम होनी शुरू हुई। ध्यान रहे जिस साल की बात अभी हम कर रहे हैं फिलहाल यानी 2023 का, यह कोविड के बाद उबरने वाला साल है। कोविड के दौरान दुनियाभर में लोगों की असामयिक मौतें हुईं थी। इस से हुआ जनसंख्या बहुत प्रभावित हुई थी। 2024 में अमेरिका की आबादी की अगर बात करें तो, यहां हर 9 सेकेंड में एक बच्चा जन्म लेगा जबकि प्रति 9.5 सेकेंड में एक मौत हो सकती है। अमेरिका में आबादी के बढ़ने की एक वजह जन्म और मृत्यु से दूसरी है। अमेरिका में लगातार अवैध तरीके से लोग दाखिल हो रहे हैं। इमिग्रेशन वैध तरीके से भी हो रहा है। यह अमेरिका में जनसंख्या को बढ़ा रह है। एक अनुमान के मुताबिक हर 28 सेकेंड में अमेरिका में एक व्यक्ति इमिग्रेंट के तौर पर दाखिल होने जा रहा। इस तरह अगर जन्म, मृत्यु और नेट इमिग्रेशन के मद्देनजर देखें तो अमेरिका की आबादी में हर 24 सेकेंड पर एक आदमी और जुड़ेगा।

तीन साल से जारी यूक्रेन-रूस का युद्ध अभी सालों साल चलेगा

-पुतिन की बम बरसाते रहने की धमकी के बावजूद अमेरिका ने खोला खजाना

वाशिंगटन (एजेंसी)। फरवरी 2024 में यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को तीन साल पूरे हो जाएंगे। जानकार बता रहे हैं कि यूक्रेन और रूस में चल रही जंग अभी सालों तक और चलेगी। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पुतिन अभी यूक्रेन में जंग रोकने की नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन पर बम बरसाते रहने की धमकी दी है। यह रिपोर्ट हाल ही में पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात के बाद सामने आई है। उधर, यूक्रेन पर गहराते संकट के बीच अमेरिका ने अपना खजाना खोल दिया है। अमेरिका ने यूक्रेन को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की नई मदद भेजी है। गौरतलब है कि अब तक अमेरिका यूक्रेन को 44 बिलियन अमेरिका डॉलर की मदद कर चुका है। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से चल रहा युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। लाखों की संख्या में रूसी सेना यूक्रेन के अलग-अलग इलाकों में खूबसूरत शहरों पर बम बरसा रहे हैं। इस युद्ध में हजारों की संख्या में लोगों की जान जा चुकी है और लाखों की संख्या में लोग विस्थापित हो चुके हैं। हालांकि रूस को भी इस युद्ध में काफी नुकसान हुआ है।

इसमें खास बात यह है कि अमेरिका और पश्चिम देशों की मदद से यूक्रेनी लड़ाके रूसी हमले का मुंह तोड़ जवाब दे रहे हैं। गुरुवार को युद्ध के ताजा अपडेट में पता लगा है कि बुधवार देर रात यूक्रेन के दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में रूसी बलों ने रात भर दर्जनों हवाई हमले किए। ईरानी ड्रोन अटैक से दो लोगों की मौत की खबर है, जबकि चार अन्य बुरी तरह घायल हैं। यूक्रेन वायु सेना ने मामले में बयान दिया कि उसने रूस द्वारा लॉन्च किए गए 46 ईरानी निर्मित ड्रोनों में से 32 को मार गिराया। स्थानीय गवर्नर ऑलेक्ज़ेंडर प्रोकुडिन ने कहा कि खेरसॉन क्षेत्र और इसकी राजधानी पर हमले से आवासीय क्षेत्रों और एक मॉल बुरी तरह बर्बाद हो गए।

इस बीच दावा किया है कि मार्च में मॉस्को में एक बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से कहा था कि रूस यूक्रेन में कम से कम पांच साल तक लड़ा जाएगा। सूत्रों का यह भी कहना है कि पुतिन मौजूदा युद्ध की स्थिति को लेकर रूसी सेना के बैकफुट पर जाने से नाखुश थे। उन्होंने शी जिनपिंग को आश्वस्त किया कि अंत में रूस की ही विजय होगी। गौरतलब है कि फरवरी 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने के बाद यह शी जिनपिंग की रूस की पहली यात्रा थी। चीन द्वारा अपनी जीरो कोविड नीति को हटाए जाने के बाद जिनपिंग ने पहली बार किसी विकसित और अग्रणी देश का दौरा किया।

टीम इंडिया ने सेंचुरियन टेस्ट हारकर गंवाई नंबर वन की पोजीशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंचुरियन टेस्ट हारकर भारतीय क्रिकेट टीम ने नंबर वन की पोजीशन गंवा दी है। अब वह पांचवे नंबर पर पहुंच गई है। टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार का खामियाजा भुगतना पड़ा है। जानकारी के अनुसार सेंचुरियन में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को पारी और 32 रन से हराकर 2 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टीम इंडिया इस हार के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 प्वॉइंट टेबल में 5वें नबर पर फिसल गई है। इस टेस्ट मैच से पहले भारत डब्ल्यूटीसी प्वॉइंट टेबल में पहले नंबर पर था। साउथ अफ्रीका की टीम 8वें से पहले नंबर पर पहुंच गई है। इस टेस्ट मैच से पहले भारत का पहली टेस्ट सीरीज के बाद जीत का प्रतिशत 66.67 प्रतिशत था। सेंचुरियन टेस्ट हार के बाद भारत का जीत का प्रतिशत घटकर 44.44 पर पहुंच गया है। बता दें ?कि प्वॉइंट टेबल में बांग्लादेश की टीम अब टीम इंडिया से आगे हो गई है।

टीम इंडिया डब्ल्यूटीसी के नए चक्र में अभी तक 3 टेस्ट मैच खेल चुकी हैं जहां उसे एक में जीत मिली है जबकि एक टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा है वहीं एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। साउथ अफ्रीका ने मौजूदा चक्र में एक टेस्ट मैच खेले और उसे जीते। साउथ अफ्रीका की टीम का जीत का प्रतिशत 100 है और वह नंबर वन पर पहुंच गया है वहीं दूसरे नंबर पर पाकिस्तान की टीम है। पाकिस्तान ने 3 टेस्ट में से 2 जीते हैं जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान की जीत का प्रतिशत 61.11 है। इस लिस्ट में न्यूजीलैंड की टीम 50.00 विनिंग पर्सेंटेज के साथ तीसरे नंबर पर है।

हालांकि बांग्लादेश की टीम 2 में से एक टेस्ट जीत चुकी है। बांग्ला टाइगर्स की विनिंग पर्सेंटेज 50.00 है और वह प्वॉइंट टेबल में चौथे नंबर पर है जबकि टीम इंडिया बांग्लादेश से नीचे पांचवें नंबर पर है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका का नंबर आता है। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के तहत ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक सर्वाधिक 6 टेस्ट मैच खेले हैं जहां उसे 3 में जीत मिली है वहीं दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है। एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। बता दें कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट 3 जनवरी से मेलबर्न में खेला जाएगा। इस टेस्ट का रिजल्ट आने के बाद प्वॉइंट टेबल में बदलाव होगा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की ईनामी राशि में भारी बढ़ोतरी, अब मिलेंगे 8.65 करोड़ डॉलर

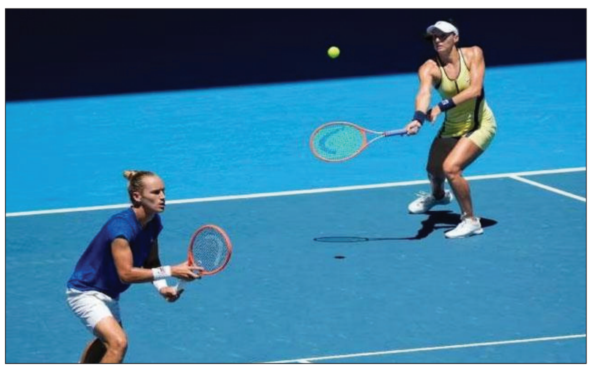

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस अधिकारियों ने 14 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू हो रहे वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम की ईनामी राशि में एक करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का इजाफा करने की घोषणा की है।

टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिले ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि अब इस ग्रैंडस्लैम की ईनामी राशि आठ करोड़ 65 लाख आस्ट्रेलियाई डॉलर होगी। उन्होंने कहा, 'हमने आस्ट्रेलियाई ओपन में हर दौर के लिए ईनामी राशि बढ़ाई है। ज्यादा इजाफा क्वालीफाइंग और शुरूआती दौर के मुकाबलों के लिए किया गया है।'

पहले दौर के क्वालीफायर को 31250 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मिलेंगे जो पहले से 20 प्रतिशत अधिक है। महिला और पुरूष चैम्पियन दोनों को 30 लाख 15 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर बतौर पुरस्कार मिलेंगे। पिछली बार एरिना सबालेंका ने महिला वर्ग में और नोवाक जोकोविच ने पुरूष वर्ग में खिताब जीता था।

तीन महीने पहले हर कोई मेरी आलोचना कर रहा था : राहुल

सेंचुरियन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने सर्जरी के बाद वापसी करते हुए अच्छी बल्लेबाजी की है। राहुल ने इससे पहले एकदिवसीय विश्वकप में भी शानदार प्रदर्शन किया था। राहुल ने अब यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विपरीत हालातों में शानदार शतक लगाया है जिसकी हर कोई प्रशंसा कर रहा है।

इसी के बा राहुल का दर्द छलका है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आज सभी मेरी तारीफ कर रहे है पर तीन माह पहले सब कुछ इसके विपरीत था। तब हर कोई मेरी आलोचना करते हुए कमी निकाल रहा था। राहुल के लिए इस साल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। तब उन्हें टी20 टीम से खराब फॉर्म के कारण बाहर कर दिया था। इसके बाद आईपीएल के दौरान वह चोटिल हो गए जिस कारण से उन्हें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल सहित कई मैचों से बाहर कर दिया गया था। इस दौरान सोशल मीडिया पर राहुल को लोगों के ताने सुनने पड़े थे।

राहुल ने कहा कि तब उनके लिए इस प्रकार की बातों से निपटना कठिन था। साथ ही कहा कि जब आप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं तो सभी प्रकार की चुनौती मिलती है जिसका सामना करना पड़ता है। एक क्रिकेटर के तौर पर आपको हर दिन हर पल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

साथ ही कहा कि सोशल मीडिया पर कही जा रही बातों का भी दबाव रहता है हालांकि ये सब खेल का हिस्सा है पर ये प्रभावित नहीं करता ऐसा नहीं कहा जा सकता है। इस प्रकार की बातों से दूर होकर ही आप अपने खेल को बेहतर बना सकते हैं।

शमी के स्थान पर अवेश खान को मिला भारतीय टीम में मौका

–दूसरे टेस्ट मैच के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम को किया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम को अपडेट किया है। अब चोटिल मोहम्मद शमी के स्थान पर अवेश खान को लिया गया है। दूसरा मैच 3 जनवरी से न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड, केपटाउन साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा। बता दें कि शमी को 30 नवंबर को घोषित टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। लेकिन वरिष्ठ तेज गेंदबाज को बाद में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर कर दिया गया क्योंकि वह टखने की चोट से उबर नहीं पाए थे। गौरतलब है कि घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए खेलने वाले आवेश वर्तमान में बेनोनी के विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच में भारत ए के लिए खेल रहे हैं जहां

उन्होंने 23.3 ओवरों में 5/54 रन बनाए, जिसमें 2.3 की इकॉनमी दर रही। 38 प्रथम श्रेणी मैचों में आवेश ने 22.65 की औसत और 3.12 की इकॉनमी रेट से 149 विकेट लिए हैं जिसमें सात बार 5 विकेट लेने का कमाल भी शामिल है।

बता दें कि अवेश को सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारत के लिए चुना गया है। उन्होंने 19 टी20आई और आठ एकदिवसीय मैच खेले हैं। जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती वनडे में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अवेश ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4-27 का आंकड़ा हासिल किया। इस बीच भारत पर सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और दो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक काट लिए गए जहां वे एक पारी और 32 रनों से हार गए थे।

दूसरे टेस्ट के लिए भारत की टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद। सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, अवेश खान को शामिल किया गया है।

रणजी ट्रॉफी में कर्नाटक की कप्तानी करेंगे मयंक

बेंगलुरू ।बल्लेबाज मयंक अग्रवाल अगले साल की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी सत्र के पहले 2 मैचों के लिए कर्नाटक टीम की कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं टीम के उपकप्तान की जिम्मेदारी निकिन जोस को मिली है। वहीं केएल राहुल रणनी में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें अगले साल की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट खेलने हैं। मयंक ने 2022–23 घरेलू सत्र में नौ मैचों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 990 रन बनाए जिसमें 3 शतक और 6 अर्धशतक भी हैं। कर्नाटक की टीम को पंजाब के खिलाफ हुबली में 5 से 8 जनवरी तक पहला जबकि अहमदाबाद में 12 से 15 जनवरी के बीच गुजरात से दूसरा मैच खेलना है।

टीम इस प्रकार है : मयंक अग्रवाल (कप्तान), रविकुमार समर्थ, देवदत्त पड्डिकल, निकिन जोस, मनीष पांडे, शुभांग हेगडे, शरत श्रीनिवास, विशाख विजयकुमार, वासुकी कौशिक, विद्वत कावेरप्पा, के शशिकुमार, सुजय सतेरी, डी निश्चल, एम वेंकटेश, किशन एस बेडारे, एसी रोहित कुमार।

न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच बारिश की भेंट चढ़ा

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड) ।न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच शुक्रवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में केवल 11 ओवर ही डाले जा सके जिसके बाद बारिश के कारण इसे रद्द करना पड़ा। इससे बांग्लादेश की टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 1–0 से बढ़त बनाये है। मैच समय पर शुरू हुआ और 11 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर दो विकेट पर 72 रन था जिसके बाद तेज बारिश आ गई जो पूरे समय होती रही और मैच रद्द कर दिया गया। श्रृंखला का तीसरा मैच रविवार को इसी स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रृंखला के पहले टी20 मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करने वाली बांग्लादेश ने शुक्रवार को टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को बल्लेबाजी का न्योता दिया था। फिन एलेन दूसरे ही ओवर में आउट हो गये लेकिन टिम सिफर्ट ने छह चौके और एक छक्के से 23 गेंद में 43 रन बनाये। अंपायरों ने तब मैच रद्द किया जब पांच ओवर शूटआउट की संभावना भी नहीं दिख रही थी।

हार से गुस्साए सुनील गावस्कर ने अभ्यास मैच नहीं खेलने पर लगाई लताड़

नई दिल्ली। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अभ्यास मैच नहीं खेलने के कारण टीम को लताड़ लगाई है। उन्होंने संेचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में बॉक्सिंग डे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से पारी की हार के बाद अभ्यास की कमी के लिए भारतीय टीम की आलोचना की। मेजबान टीम से हार के बाद भारतीय टीम के लिए अंतिम सीमा पर विजय पाना एक सपना बना हुआ है, जो 2 मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए बेहतर तैयार दिख रही थी।

बहुप्रतीक्षित बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच 3 दिनों के भीतर समाप्त हो गया क्योंकि मेहमान टीम प्रोटियाज के खिलाफ बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में विफल रही। भारत की पहली पारी में केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीकी तेज आक्रमण के खिलाफ बल्ले से मोर्चा संभाला और पहली पारी में 101 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत का कुल स्कोर 245 तक पहुंचाया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने डेन एल्गर की 185 रनों की पारी और मार्को जानसन के 84 रनों के महत्वपूर्ण योगदान से 408 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत अपनी दूसरी पारी में मात्र 131 रन पर ढेर हो गया जिसमें विराट कोहली 76 रन की पारी के साथ अकेले डटे रहे। हार पर गावस्कर ने कहा कि कारण स्पष्ट हैं, आपने यहां कोई मैच नहीं खेला। यदि आप सीधे टेस्ट मैच खेलते हैं, तो यह काम नहीं करेगा। हां आपने भारत ए टीम भेजी थी। भारत ए टीम को वास्तव में दौरे से पहले आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां आने के बाद आपको अभ्यास मैच खेलने की जरूरत है। इंट्रा–स्क्वाड एक मजाक है क्योंकि क्या आपके तेज गेंदबाज आपके बल्लेबाजों को बहुत तेज गेंदबाजी करेंगे, क्या वे बाउंसर फेंकेंगे क्योंकि वे अपने बल्लेबाजों को घायल करने से डरेंगे।

कमिंस-स्टार्क की घातक गेंदबाजी, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को हराकर बनाई अजेय बढ़त

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न – पैट कमिंस के पांच विकेट, मिचेल स्टार्क चार विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने आज दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में चौथे दिन पाकिस्तान को 79 रनों से हरा दिया है और इसी के साथ श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 318 रन बनाए थे। वहीं पाकिस्तान की पहली पारी 264 रन पर सिमट गई। इस तरह ऑस्ट्रेलियाई टीम को 54 रन की बढ़त मिली थी। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 262 रन पर सिमटी थी और इस तरह पाकिस्तान पर उनकी कुल बढ़त 316 रन की हुई थी। कमिंस 49 रन पर पांच विकेट और स्टार्क 55 रन पर चार विकेट की बदौलत 317 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान को दूसरी पारी 237 रन पर समेटते हुए 79 रनों से मुकाबल जीत लिया।

मुश्किल 317 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही और उसके सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक चार रन और इमाम उल हक 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद कप्तान शान मसूद ने बाबर आजम के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी। मसूद ने 71 गेंद में सात चौके की मदद से 60 रन की पारी खेली। उन्हें कमिंस ने स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया।

वहीं बाबर आजम 79 गेंद में चार चौके की मदद से 41 रन बनाए उन्हें हेजलवुड ने बोल्ड आउट हुए। सऊद शकील 25 रन, मोहम्मद रिज़वान 35 रन और आगा सलमान 50 बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने पाकिस्तान के पुछल्ले बल्लेबाजों में से तीन खिलाड़ी आमिर जमाल, शाहीन अफरीदी और मीर हमजा शून्य पर पवेलियन भेज दिया। पाकिस्तान की पारी 67.2 ओवर में 237 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस पांच विकेट लिए। वहीं, मिचेल स्टार्क को चार विकेट मिले। जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला।

इस टेस्ट मैच मे पैट कमिंस ने दोनों पारियों में दस विकेट लिए है। इससे पहले कल ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और उसने एक समय 16 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। उस्मान ख्वाजा और ट्रेविस हेड शून्य पर आउट हुए। डेविड वॉर्नर छह रन और मार्नस लाबुशेन चार रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

इसके बाद स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श ने पारी को संभालते हुए पांचवें विकेट के लिए 153 रन की साझेदारी की। मार्श ने टेस्ट करियर का सातवां अर्धशतक लगाया। वह 130 गेंद पर 13 चौके की मदद से 96 रन बनाकर आउट हुए। वहीं स्टीव स्मिथ 176 गेंद में तीन चौके की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होते ही दिन का खेल समाप्त करने की घोषणा की उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर छह विकेट पर 187 रन था और उसने 241 रनों की बढ़त बना ली थी। पाकिस्तान की ओर से मीर हमजा और शाहीन अफरीदी ने तीन-तीन विकेट लिए हैं।

इससे पहले पैट कमिंस और नाथन लायन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के दूसरे मैच के तीसरे दिन सुबह के सत्र में पाकिस्तान को 264 रनों पर समेटते हुए 54 रनों की बढ़त ले ली है। कमिंस ने मोहम्मद रिजवान 42 रन को वॉर्नर के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को सातवां झटका दिया। इसके बाद लायन ने शाहीन शाह अफरीदी 21 रन को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। हसन अली दो रन, मीर हमजा दो रन बनाकर आउट हुए। दोनों ही विकेट कमिंस और लायन ने लिए। इसके साथ ऑस्ट्रेलिया ने 73.5 ओवर में पाकिस्तान को 264 के स्कोर पर समेट दिया। इसी के साथ पहली पारी के बाद मेजबान आस्ट्रेलिया को 54 रनों की बढ़त मिल गई है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कमिंस ने पांच विकेट लिये और लायन ने चार बल्लेबाजों को आउट किया। वहीं जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला।

पाकिस्तान के दो बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक 62 रन और कप्तान शान मसूद 54 रन के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चल पाया, पांच बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 318 रनों समेटने बाद संभल कर शुरुआत की, लेकिन 16वें ओवर की चौथी गेंद पर लायन ने सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक 10 रन को मार्नस के हाथों कैच आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। इसके बाद 35वें ओवर में कमिंस ने अपनी गेंद पर अब्दुल्लाह शफीक 62 रन पर आउट होने पर पाकिस्तान को दूसरा झटका लगा। इसके बाद बाबर आजम एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उन्हें कमिंस ने बोल्ड आउट किया।

भारत में अपने टूर्नामेंटों का आयोजन करना चाहता है एसीबी

मुम्बई ।अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) भारत में अपने अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजना करना चाहता है। इसके लिए एसीबी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से बात कर उसकी अनुमति चाहता है। इससे पहले भी अफगानिस्तान टीम ने भारत में अपने टूर्नामेंट खेले हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को अगले साल टी–20 विश्व कप के बाद जुलाई में बांग्लादेश के विरुद्ध टेस्ट और सीमित ओवरों के क्रिकेट की सीरीज खेलनी है। उसी के लिए टीम अपनी तैयारियों के लिए भारत में टूर्नामेंट खेलना चाहती है। एसीबी अपना टूर्नामेंट लखनऊ में आयोजित करना चाहता है। इससे पहले अफगान टीम ने भारत में लखनऊ, ग्रेटर नोएडा और देहरादून में अपने मुकाबले खेले हैं। एसीबी ने इसके बाद अपने टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात में भी रखे थे। पिछले साल नवंबर में एसीबी ने यूएई में अगले पांच साल तक अपनी घरेलू सीरीज कराने का करार किया था पर अब यहां होने वाले भारी खर्च को देखते हुए वह यूएई की जगह इन मैचों को भारत में आयोजित करना चाहता है। एसीबी की परेशानी ये है कि सुरक्षा कारणों से कोई भी टीम उसके यहां नहीं जाना चाहती है। ऐसे में उसे अपने सभी मुकाबले तटस्थ स्थल पर ही खेलने पड़ते हैं। आईसीसी से मान्यता मिलने के बाद से ही अफगान टीम भारत में खेलती आई है। इसके साथ ही वह अपने अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजन भी भारत में करती रही है। बीसीसीआई ने भी अब तक उसका सहयोग किया है।

सीनियर कलात्मक जिम्नास्टिक स्पर्धा से वापसी करेगी दीपा

नई दिल्ली ।देश की शीर्ष जिम्नास्ट दीपा करमाकर अगले सप्ताह भुवनेश्वर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप चैम्पियनशिप में भाग लेंगी। यह सीनियर कलात्मक जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप दो से चार जनवरी तक खेली जाएगी। दीपा के अलावा इस चैंपियनशिप में प्रणति नायक, योगेश्वर सिंह, राकेश पात्रा, तपन मोहंती, सैफ तंबोली और गौरव कुमार जैसे खिलाड़ी भी शामिल होंगे। दीपा के कोच बिश्वेश्वर नंदी ने कहा, ''दीपा सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी। पिछली बार उसने साल 2015 में इस घरेलू प्रतियोगिता में खेला था। यह उसकी अंतिम राष्ट्रीय चैंपियनशिप होगी।'' दीपा ओलंपिक खेलने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट है। वह ट्रायल में शीर्ष पर रहने के बाद भी चीन में हुए एशियाई खेलों के लिए शामिल नहीं थी। इसका कारण है कि दीपा भारतीय खेल प्राधिकरण की पात्रता मापदंड को पूरा नहीं कर पायी थी। पात्रता मापदंड के अनुसार जिम्नास्ट का स्कोर पिछले एशियाई खेलों में आठवें नंबर पर रहे जिम्नास्ट के बराबर होना चाहिए। दीपा चोटिल होने के कारण भी काफी समय बाहर थीं। इसके अलावा उन पर डोपिंग के आरोप में 21 महीने का प्रतिबंध भी लगा था। कोच ने हालांकि कहा कि दीपा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद नहीं छोड़ी है। दीपा घुटने की हल्की चोट से भी उबर गयी हैं।

साउथ अफ्रीका से करारी हार के बाद रोहित का छलका दर्द

–टीम के सामूहिक प्रयास की बताई जरूरत, गेंदबाजों पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका से करारी हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा का दर्द छलका है। हालांकि बेहतरीन गेंदबाजी के बाद भी उन्होंने हार का टीकरा सामूहिक रुप से फोड़ दिया है। बता दें कि टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन टेस्ट मैच में एक पारी और 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारत का साउथ अफ्रीकी जमीन पर टेस्ट सीरीज जीतने का सपना फिर चकनाचूर हो गया। अब यदि भारतीय टीम दूसरा टेस्ट जीत भी लेती है तो वह सीरीज को बराबर ही कर पाएगी। टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला 3 जनवरी से केपटाउन में खेला जाना है। पहले टेस्ट में टीम इंडिया की हार पर कप्तान रोहित शर्मा ने दोनों ही पारियों में खराब बल्लेबाजी को हार का प्रमुख कारण बताया। साथ ही रोहित गेंदबाजों के प्रदर्शन से भी उतने खुश नहीं दिखाई दिए। रोहित ने कहा कि जीत के लिए पूरी टीम को सामूहिक प्रयास करना होगा, जो इस मैच में हो ना पाया। हालांकि रोहित ने शतक जड़ने वाले केएल राहुल की तारीफ भी की। रोहित शर्मा ने मैच की समाप्ति के बाद कहा, हम जीतने के लिए अच्छे नहीं थे। पहले बल्लेबाजी करने के आमंत्रित किए जाने के बाद केएल ने अच्छी बैटिंग करके हमें वह स्कोर दिलाया, लेकिन फिर हम गेंद से परिस्थितियों का फायदा नहीं उठा सके।

कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि कुछ खिलाड़ी पहले भी यहां आ चुके हैं। हम जानते हैं कि क्या उम्मीद की जानी चाहिए और हर किसी की अपनी योजना है। हमारे बल्लेबाजों को चुनौतीपूर्ण स्थिति मिली और वे अच्छी तरह से उसमें खरे नहीं कर सके। यह एक बाउंड्री स्कोरिंग मैदान है, हमने उन्हें कई बड़े स्कोर बनाते देखा है। लेकिन हमें प्रतिद्वंद्वी और उनकी ताकत को भी समझने की जरूरत है। हमने दोनों पारियों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की, इसलिए हम यहां खड़े हैं। रोहित ने बताया कि 3 दिनों के भीतर खेल खत्म हो गया, जिसे पॉजिटिव साइन नहीं कहा जा सकता। लेकिन केएल ने दिखाया कि हमें इस तरह की पिच पर क्या करने की जरूरत है।

गौरतलब है कि टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 245 रन बनाए। केएल राहुल ने 14 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 137 गेंदों पर 101 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की ओर से सबसे सफल गेंदबाज कगिसो रबाडा रहे, उन्होंने 5 विकेट लिए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 408 रन बनाए और उसे 163 रनों की बड़ी लीड मिली। डीन एल्गर ने 287 गेंदों का सामना करते हुए 185 रन बनाए, जिसमें 28 चौके शामिल रहे।

पर्दे पर बड़ा धमाल मचाने को तैयार अल्लू अर्जुन–एटली

एटली तमिल सिनेमा के जाने माने निर्देशक हैं। बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्मों के हिट होने का रिकॉर्ड 100 प्रतिशत रहा है। यही वजह है कि कई सुपरस्टार्स ने उनके साथ काम करने में रुचि व्यक्त कर चुके हैं। अल्लू अर्जुन और एटली साउथ फिल्म इडंस्ट्री के बड़े नामों में से हैं। उनकी फिल्मों का फैंस को उत्सुकता के साथ इंतजार रहता है। एक्टर–डायरेक्टर की यह जोड़ी जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जवान के निर्देशक और पुष्पा के अभिनेता जल्द ही एक फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म का आधिकारिक एलान नहीं किया गया है।

बड़े पर्दे पर मचेगा धमाल

एटली तमिल सिनेमा के जाने माने निर्देशक हैं। बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्मों के हिट होने का रिकॉर्ड 100 प्रतिशत रहा है। यही वजह है कि कई सुपरस्टार्स ने उनके साथ काम करने में रुचि व्यक्त कर चुके हैं। सूत्रों के अनुसार एटली अपने अगले निर्देशन में बनने वाली फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन के साथ खास चर्चा कर रहे हैं। यह फिल्म 2024 की आखिरी तिमाही में शुरू होने की संभावना है। फिल्म में अल्लू अर्जुन को पहले कभी न देखे गए अवतार में पर्दे पर दिखाने की कोशिश की जाएगी।

अगले महीने हो सकता है एलान

सूत्र ने इस बारे में पुष्टि करते हुए कहा कि एटली और अल्लू अर्जुन पिछले कुछ समय से बातचीत कर रहे हैं और चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। एटली 2024 की आखिरी तिमाही में अपनी अगली फिल्म की शुरुआत करना चाह रहे हैं। ये तारीखें अल्लू अर्जुन के साथ मेल भी खा रही हैं। दोनों एक कॉमर्शियल मनोरंजक फिल्म के लिए सहमत हुए हैं। फिलहाल इस फिल्म की घोषणा के लिए कुछ समझौतों और अन्य पहलुओं को बातचीत चल रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि जनवरी 2024 के अंत तक इसक फिल्म का एलान हो सकता है।

पुष्पा 2 में दिखेंगे अल्लू

वर्क फ्रंट की बात करें तो अल्लू अर्जुन अर्जुन पुष्पा 2 को लेकर लगातार चर्चा में हैं। फिल्म का पूरे देश को लंबे समय से इंतजार है। कोरोना संक्रमण काल के दौरान रिलीज हुई रिलीज हुई पुष्पा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वे त्रिविक्रम के निर्देशन में बन रही फिल्म में भी काम कर रहे हैं।

नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य के फेवरेट हीरो हैं आमिर

बॉलीवुड की तरह साउथ की फिल्म इंडस्ट्री से भी स्टारकिड्स के अपनी विरासत को आगे बढ़ाने की परंपरा रही है। साउथ के मशहूर स्टार नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य भी एक अर्से से फिल्मों में काम कर रहे हैं। आमिर खान के साथ नागा ने बॉलीवुड डेब्यू भी किया। अब उन्होंने वेब सीरीज डेब्यू किया है। उनकी 'धूथा' अमेजॉन प्राइम पर आई है। यह थ्रिलर बेस्ड सीरीज है। नागा चैतन्य इसमें पत्रकार के रोल में हैं। नागा से साउथ में मौजूदा ट्रेंड और उनकी जर्नी पर बातें हुईं।

कब महसूस हुआ कि एक्टिंग में ही आना है और क्यों?

मैं जब12वीं पास कर चुका था, तब तक मुझे एक्टिंग का कीड़ा काट चुका था। मैं फिर हैदराबाद मूव कर गया, क्योंकि तेलुगू इंडस्ट्री वहीं से ऑपरेट होती है। यहां काफी समय दिया। कई ऐड्स किए। फिर एक्टिंग स्कूल भी गया। फिर जब 17 से 18 साल का हो गया। फिर पूरी तरह इसी का हो गया।

धूथा आपका पहला ओटीटी प्रोजेक्ट है, कैसा एक्सपीरियंस रहा?

दर्शकों का फीडबैक बड़ा कमाल का रहा। दो हफ्ते लगातार यह ट्रेडिंग में रहा। ओटीटी ने मुझे मौका दिया कि मैं खुद को एक एक्टर के तौर पर एक्सप्लोर कर सकूं। अलग जॉनर भी एक्सप्लोर कर सकूं, जिन्हें मैंने अब तक मूवीज में एक्सपेरिमेंट नहीं किया था। इस सीरीज के चलते मैं अपने कंफर्ट जोन से बाहर भी निकल सका। जब मैंने इसे साइन किया था तो कई तरह की चुनौतियां थीं। कई सारे सवाल मेरे सामने थे। पर उसे कंप्लीट किया और अब मुझे मेरी सारी जिज्ञासाओं के जवाब मिल गए।

आपके परिवार से ऑलरेडी बड़े नाम इंडस्ट्री में हैं। कभी ऐडेड प्रेशर रहा कि हर बार बेहतर ही करना है?

जी हां। वह प्रेशर तो रहा ही है। मैं अपने परिवार से थर्ड जेनरेशन से हूं, जो इसी इंडस्ट्री में है। ग्रैंडडैड और डैड बहुत सफल भी रहें हैं। मैं गिफ्टेड तो बोलूंगा ही खुद को, जो इस परिवार में मैंने जन्म लिया। इस इंडस्ट्री में आने का सौभाग्य मिला। ग्रैंडडैड और डैड ने जो फैन बेस तैयार किया था, वह मेरे लिए भी मौजूद था। उस फैन बेस ने मुझे पूरा सपोर्ट किया कि मैं अपने परिवार की विरासत को आगे ले जाता रहूं।

किस हिंदी सितारे के आप फैन हैं? मौका मिले तो किस हिंदी फिल्म की रीमेक आप करना चाहेंगे ?

रीमेक का तो मैं श्योर नहीं हूं कि करना ही चाहूं। वह इसलिए कि ओरिजिनल फिल्मों को जिन किसी कलाकारों ने किया होगा, वह सब कमाल ही हैं। उन सितारों ने वहां उम्दा काम किया ही होगा। फिल्मों में यूनीकनेस लाई होगी, जिनके चलते दर्शकों ने उन प्रोजेक्ट्स को पसंद किया। हम ऐसे दौर में भी रह रहे, जहां हर किसी के पास मीडियम हैं, जिनके चलते वो ओरिजिनल फिल्में देखने की सिचुएशन में होते हैं। मैं उन ओरिजनल फिल्म की सक्सेस में क्या ही वैल्यू ऐड कर सकूंगा।

तेलुगु में सिक्स पैक एब्स वाले हीरो कम हैं। हिंदी में वह मैंडेटरी जैसा है। पर आप उस बिल्ट अप के साथ हैं। क्या कहना चाहेंगे?

मेरे ख्याल से फिट होना जरूरी है। उस लिहाज से हमारे सारे हीरोज नॉर्थ या साउथ में सुपरफिट हैं। बाकी जो ये सिक्स पैक एब्स कल्चर है, वह कैरेक्टर की डिमांड पर डिपेंड करता है। तो इसकी जरूरत किरदार केंद्रित मामला हो तब होती है।

धूथा का वन लाइनर विश्वसनीय लगा था?

पहले एपिसोड का जो नैरेशन मुझे डायरेक्टर विक्रम ने दिया, उसने तो सच में मेरा दिमाग ही उड़ा दिया। हर एपिसोड के अंत में जो क्लिफहैंगर होता था कि मेरी ही उत्सुकता लगातार बनी रहती थी कि आगे क्या होने वाला है? तो मैं तो पहले एपिसोड की नैरेशन ही मन बना चुका था कि मुझे यह करना है।

पत्रकार के किरदार में कैसे गए?

मैंने इससे पहले ऐसा किरदार नहीं प्ले किया था। काफी लेयर भी थे इस किरदार में। जरा ग्रे शेड भी इसका। तो मैंने काफी रिसर्च की। पता किया पत्रकारों के अप्रोच को। साथ ही डायरेक्टर विक्रम के साथ काफी सीटिंग की। उनके साथ ही मुझे ज्यादा क्लैरिटी आई। लॉकडाउन के दौरान वह सब हुआ। तो हमारे पास तैयारी को काफी वक्त था।

आपके चाहने वाले जानना चाहेंगे, कभी मौका मिले तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगे?

कोई स्पोर्ट्सबायोपिक मैं करना चाहूंगा कभी। खिलाड़ी मुझे काफी अट्रैक्ट और इंस्पायर करते हैं। तो बेशक कोई मेरे पास किसी खिलाड़ी की बायोपिक कहानी लाएं। मैं कर लूंगा।

नॉर्थ में तो काफी वेब सीरीज बन रहें हैं। काफी देखे भी जा रहें। साथ में शायद लोगों को दिलचस्पी फिल्मों की ज्यादा है?

यहां भी लोग काफी ओपन हैं। साउथ में लोग ओटीटी को कंज्यूम करना चाहते हैं। हमारे यहां भी लोग अपने कंफर्ट और स्पेस में ओटीटी पर कंटेंट देखने को रेडी हैं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें एक्साइट कर सकें। लोग तो वेब सीरीज के कई सीजन तक देखने को मेंटली रेडी हैं। वो किसी पर्टिकुलर जॉनर की भी डिमांड नहीं कर रहे कि उन्हें फलां जॉनर की ही वेब सीरीज चाहिए। ऑडिएंस आपसे बस इनोवेटिव होने की डिमांड कर रहे। जॉनर चाहे किसी में भी हो।

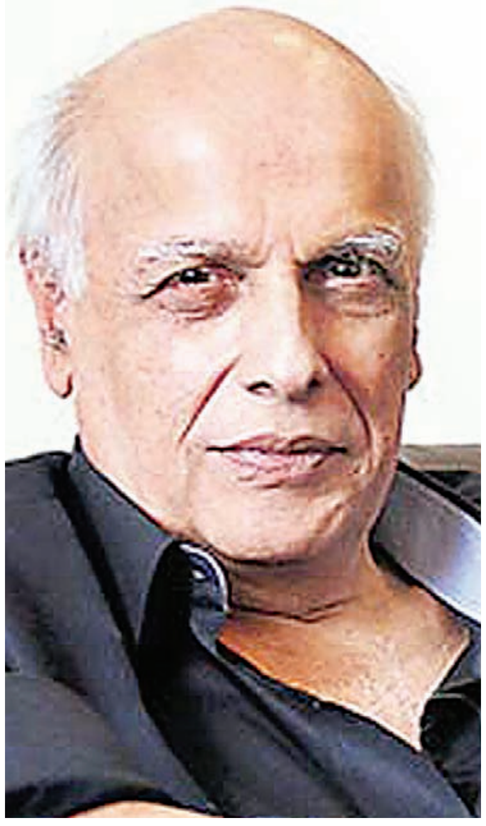

महेश भट्ट ने रणबीर की एनिमल को बेमिसाल सिनेमाई यात्रा बताया

रणबीर कपूर की नवीनतम रिलीज एनिमल को लेकर फिल्म निर्माता महेश भट्ट ने अपने दामाद की जमकर तारीफ की। उन्?होंने इसे उनकी बेमिसाल सिनेमाई यात्रा बताया। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के सिनेमाई दृष्टिकोण की सराहना करते हुए महेश भट्ट ने कहा कि यह फिल्म सिनेमा की मुख्यधारा के मानदंडों पर खरी उतरती है। फिल्म में रणबीर के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा, फिल्म में रणबीर कपूर की एक्टिंग उनके किरदार में गहराई दिखाता है। उन्होंने इस किरदार के साथ पूरी तरह से न्याय किया है। वांगा का साहसी फिल्म निर्माण और कपूर के उत्साह ने साथ मिलकर एक अभूतपूर्व सिनेमाई यात्रा पेश की है। एनिमल में अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी हैं।

शादी की अफवाहों से परेशान श्रुति हासन

बीते कुछ दिनों से अफवाहें जोरों पर थीं कि श्रुति हासन ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड शांतनु हजारिका से शादी कर ली है। अब लगातार शादी की खबरें आने के बीच श्रुति और उनके बॉयफ्रेंड ने सफाई देते हुए अफवाहें फैलाने वालों से खास रिक्वेस्ट की है। श्रुति हासन ने मंगलवार शाम शादी की खबरें आने के बाद सोशल मीडिया पर सफाई पेश की है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, मेरी शादी नहीं हुई है। मेरे जैसा एक इंसान जो जिंदगी की हर बात को लेकर काफी ओपन है, वो शादी की बात क्यों छिपाएगा। वो लोग जो मुझे बिल्कुल नहीं जानते वो शांत रहें। वहीं श्रुति के बॉयफ्रेंड शांतनु हजारिका ने सोशल मीडिया पर लिखा है, आप सबको शांत रहने की जरुरत है। हमने शादी नहीं की है। जो लोग हमें नहीं जानते वो प्लीज अफवाहें न फैलाएं। हाल ही में पैपराजी के फेवरेट ओरी उर्फ ओरहान ने सोशल मीडिया पर आस्क मी एनिथिंग सेशन रखा था। इस दौरान उनसे ऐसे एक सेलिब्रिटी का नाम पूछा गया जिसने उनके साथ तस्वीर क्लिक करवाने पर एटीट्यूड दिखाया हो। इसके जवाब में ओरी ने श्रुति हासन का नाम लिया। ओरी ने कहा, मैंने कभी उसके साथ फोटो क्लिक करवाने को नहीं कहा, हम एक इवेंट में मिले थे, जहां वो मेरे साथ बहुत रूड बिहेव कर रही थी। मैं उसे जानता भी नहीं हूं। मुझे बहुत बुरा लगा था। मुझे लगता है शायद कोई मिस अंडरस्टैंडिंग हुई होगी क्योंकि मैं उसके हसबैंड को अच्छी तरह जानता हूं और उसे पसंद करता हूं। हमारी गलतफहमी तो तुरंत दूर हो गई थी, लेकिन फिर मुझे पता चला कि उसने मुझे प्यून या स्पॉटबॉय कहा है।

तृप्ति डिमरी को मिली बड़ी फिल्म आशिकी 3 में नजर आ सकती हैं

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल में जोया का बेहतरीन किरदार निभाकर नेशनल क्रश बन चुकीं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी को बड़ी फिल्म मिली है। रिपोर्ट्स की मानें तो तृप्ति फिल्म आशिकी 3 में नजर आने वाली हैं, जिसमें वो कार्तिक आर्यन के साथ रोमांस करती दिखेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी ने कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म आशिकी 3 साइन कर ली है। हालांकि अब तक इस मामले में कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स का ये भी मानना है कि तृप्ति ने मेकर्स से मीटिंग जरूर की है, हालांकि उनके नाम को अब तक फाइनल नहीं किया गया है। फिल्म आशिकी 3 की अनाउंसमेंट नवंबर 2023 में की गई थी। अनाउंसमेंट के साथ ही ये भी बताया गया कि फिल्म के लीड एक्टर कार्तिक आर्यन होंगे। जबकि लीड एक्ट्रेस के नाम की अनाउंसमेंट बाकी थी। इस बीच खबर ये रही कि फातिमा सना शेख या टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट फिल्म में अहम किरदार निभाएंगी। अब फिल्म से तृप्ति डिमरी का नाम जुड़ने से ये अटकलें हैं कि वो फातिमा या जेनिफर को रिप्लेस कर सकती हैं। बताते चलें कि आशिकी 3 को मुकेश भट्ट प्रोड्यूस कर रहे हैं, जिसका डायरेक्शन अनुराग बासु करेंगे। कुछ समय पहले कृति सेनन और कियारा आडवाणी का नाम भी फिल्म के लिए सामने आया था। बताते चलें कि 29 साल की एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी के पास एनिमल के बाद दो बड़ी फिल्में हैं। उनकी एक फिल्म मेरे महबूब मेरे सनम है और दूसरी विक्की विद्या का वो वाला वीडियो है। बताते चलें कि तृप्ति ने साल 2017 की फिल्म मॉम से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।

बिग बॉस से निकाले जाने पर छलका ऐश्वर्या शर्मा का दर्द, बोलीं– मेरे साथ बहुत गलत हुआ

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 17 फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। इसमें गुम है किसी के प्यार में फेम अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा ने भी शिरकत की। हालांकि, फिलहाल सलमान खान के शो से उनकी छुट्टी हो चुकी है। हाल ही में मीडिया के सामने ऐश्वर्या ने रियलिटी शो में अपनी यात्रा पर बात की। इसके अलावा शो से निकालने जाने पर भी उनका दर्द झलका। इसके लिए उन्होंने ईशा मालवीय पर सारा दोष मढ़ा है। ऐश्वर्या ने मीडिया से बात करते हुए कहा, बुरा लगता है जब आप वोटिंग नहीं, बल्कि रुल ब्रेकिंग के आधार पर बाहर आते हैं। जब आपकी गलती नहीं है और आपको भुगतना पड़ रहा है, ये बहुत गलत चीज है। और ये मेरे साथ हुआ है। किसी एक आदमी को पावर नहीं देनी चाहिए। ये बहुत बड़ा शो है, बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है। बहुत सारे लोगों की टीम एक उद्देश्य से यहां काम करती है। अगर ये उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है और आप उनकी उम्मीदों पर पानी फेर रहे हैं तो ये ठीक नहीं है। यह अन्याय है। ऐश्वर्या शर्मा ने आगे कहा, आप देख सकते हैं कि ईशा किसके साथ रह रही थी। वह चमची बन चुकी है अंकिता लोखंडे की। ईशा के लिए मैं खतरा बन चुकी थी, क्योंकि मैंने उन्हें नॉमिनेट किया था। वो गेम, गेम नहीं है, जहां कॉपी की जा रही है। कुछ नया करते अपने दिमाग से तो बेहतर होता। लेकिन, ठीक है। आप खेलिए अपने मन से, रटा रटाया खेल। आपके लिए यही अच्छा है।

ऐश्वर्या ने नील भट्ट को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, नील को वोकल होना चाहिए। इस खेल में भी और सामान्य रूप से भी। वो कमजोर तो कहीं नहीं पड़ेगा। मेरे जाने के बाद वो ईशा पर चिल्लाया है। वह बहुत आहत है मेरे जाने से। वह इसकी उम्मीद नहीं कर रहा था। मैं रूल ब्रेकिंग के आधार पर नहीं जा सकती थी। मैं बहुत अनुशासित लड़की हूं। मैंने अपना हर काम टाइम पर किया। ऐश्वर्या ने आगे कहा, शो में ईशा ने साफ कहा था कि किसी आधार पर निकाला जरूरी है क्या? मेरी जिससे नहीं बनती, मैं उसे निकालूंगी। उसने अपनी निजी खुंदक निकाली है मेरे से, उसमें कोई बड़ी बात नहीं। ईशा ने कहा कि इसमें मेरा नुकसान हुआ है। ऐश्वर्या ने कहा, मैं स्क्रीन पर बहुत मजबूत हो रही थी। शायद ईशा को ये महसूस हुआ होगा।

अंकिता और नील की झड़प को लेकर कहा कि हसबैंड–वाइफ हैं वो, उनकी आपसी केमिस्ट्री है। वायरल वीडियो में हाथ उठाते दिखे हैं, लेकिन पता नहीं इसमें कितनी सच्चाई है। उनके रिलेशन पर मैं कुछ नहीं कहूंगी। मैं इतना ही बोलना चाहूंगी कि विक्की ने कॉल किया था कि हंसी–खुशी रहेंगे। लेकिन, शुरुआत से वो कितने हंसी–खुशी रहे, सबने देखा। वे